स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

स्वतंत्र भारत

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

लखनऊ, सोमवार
31 मार्च, 2025
चैत्र मास शुक्ल पक्ष 2
सं. 2082 वि.
वर्ष 78, अंक -219 पृष्ठ 12
संस्करण : नगर

मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

web portal : swatantrabharat.net

द्वितीय-मां ब्रह्मचारिणी

पराम्बा जगद्जननी दुर्गा का दूसरा स्वरूप पूर्ण ज्योतिमय एवं अत्यंत भव्य है। मां के दाहिने हाथ में दिव्य जपमाला एवं बायें हाथ में कमण्डल सुशोभित है। वेदों में ब्रह्म प्राप्ति का आधार तप है।
शैलपुत्री रूप मां ने नारद के उपदेश से शिव प्रिया पद प्राप्ति की तपस्या माँ ब्रह्मचारिणी रूप में ही प्रारम्भ कर पूर्णता प्राप्त की थी। मां की दुरूह तपस्या से तीनों लोकों में हाहाकार मच गया था। अपने संकल्प को पूर्ण कर माँ इस स्वरूप में स्थित हुईं। इनकी उपासना से साधक तप, त्याग, सदाचार, संयम एवं वैराग्य के भावपूर्ण धरातल को प्राप्त करके देवी कृपा पात्र बन जाता है। मनोकामना पूर्ण करने वाले एवं अपनी समस्त मानसिक शक्तियों को अपने नियंत्रण में करके लौकिक पारलौकिक उन्नति प्राप्त करने के लिए साधकों को माँ का ध्यान व मंत्र जप स्वाधिष्ठान चक्र पर ध्यान करके करना चाहिए। माँ ब्रह्मचारिणी का ध्यान निम्न मंत्र से करें-

ध्यान मंत्र- ऊँ दधानां कर पद्भाभ्याम अक्ष माला कमण्डलम्।
`देवि प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।
जप मंत्र- ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै ऊँ ब्रह्मचारिणी दैव्याये नमः।।
ऊँ श्रीं पूर्ण भाग्योदयं ब्रं ब्रह्मचारिण्यै श्रीं नमः।।

ध्यानोपरांत दोनों मंत्रों की 11 11 माला जप स्वाधिष्ठान चक्र पर ध्यान करते हुए करें। तत्पश्चात माँ को ही अर्पित करें। माँ ब्रह्मचारिणी स्वरूप की साधना से वृष एवं तुला राशि वालों की ग्रह बाधाएं दूर होती हैं।

पं. आशीष शुक्ला

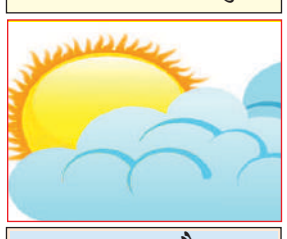

आज का मौसम

अधिकतम तापमान	- 34^0
न्यूनतम तापमान	- 18^0
सूर्योदय	- 05:59
सूर्यास्त	- 06:22

आसमान साफ रहेगा।

शुभकामनाएं

'ईद-उल-फित्र' पर्व के शुभ अवसर पर सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं और वितरक बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश की सूचना

इस अवसर पर स्वतंत्र भारत प्रेस व कार्यालय में दिनांक 31.03.2025 को अवकाश रहेगा। अतः पत्र का अगला अंक 02.04.2025 को प्रकाशित होगा।

- प्रबंधक

छत्तीसगढ़ में 50 नक्सलियों ने किया सरेंडर

बीजापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे से महज कुछ घंटे पहले बीजापुर में 50 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया। इनमें से 14 नक्सलियों पर कुल 68 लाख रुपए का इनाम घोषित था। नक्सलियों ने कहा कि वे खोखली और अमानवीय माओवादी विचारधारा, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा आदिवासियों के शोषण और आंदोलन के भीतर पनप रहे मतभेदों के कारण सरेंडर कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में रविवार को 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें से 14 पर कुल 68 लाख रुपए का इनाम था। नक्सलियों ने राज्य पुलिस और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने हथियार डाल दिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने आरएसएस को जमकर सराहा

'जहां सेवा कार्य, वहीं स्वयंसेवक'

नागपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और इसके स्वयंसेवकों को जमकर सराहा।

अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट बताया

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है। ये अक्षय वट आज भारतीय संस्कृति को... हमारे राष्ट्र की चेतना को निरंतर ऊर्जावान बना रहा है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि जहां भी सेवा कार्य किया जा रहा है, वहां स्वयंसेवक हैं। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्र यज्ञ के इस पावन अनुष्ठान में मुझे आज यहां आने का सौभाग्य मिला है। आज चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का ये दिन बहुत विशेष है। आज से नवरात्रि का पवित्र पर्व शुरू हो रहा है। देश के अलग अलग कोनों में आज गुड़ी पड़वा, उगादी और नवरेह त्योहार भी मनाया जा रहा है। आज भगवान झूलेलाल जी और गुरु अंगद देव जी का अवतरण दिवस भी है। ये हमारे प्रेरणापुंज परम पूज्यनीय डॉ साहब की जयंती का भी अवसर है। इसी साल

आरएसएस की गौरवशाली यात्रा का 100 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। आज इस अवसर पर मुझे स्मृति मंदिर जाकर पूज्य डॉ. साहब और पूज्य गुरुजी को श्रद्धांजिल अर्पित करने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि अगले ही महीने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती भी है। आज मैं दीक्षाभूमि पर बाबा साहेब को नमन किया है और उनका आशीर्वाद भी लिया है। मैं इन विभूतियों को नमन करते हुए देशवासियों को नवरात्रि और सभी पर्वों की बहुत-बहुत बधाई देता हूं।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, लाल किले से मैंने सबके प्रयास की बात कही थी। आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश जिस तरह काम कर रहा है, माधव नेत्रालय उन प्रयासों को बढ़ा रहा है। देश के सभी नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें यह हमारी प्राथमिकता है। देश में गरीब से गरीब व्यक्ति को भी अच्छे से अच्छा इलाज मिले, कोई भी देशवासी जीवन जीने की गरिमा से वंचित ना रहे, अपना जीवन देश के लिए दे चुके बुजुर्गों को इलाज की चिंता सताती ना रहे, यह सरकार की नीति है। इसलिए आयुष्मान भारत के कारण आज करोड़ों लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। बीते 10 साल में गांवों में लाखों आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने हैं। जहां से लोगों को देश के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों से टेलीमेडिसिन से कंसल्टेशन मिलता है, प्राथमिक इलाज मिलता है और आगे के लिए सहायता होती है। उन्हें रोगों की जांच के लिए सैकड़ों किलोमीटर दूर नहीं जाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि संघ सेवा के इस पवित्र तीर्थ नागपुर में आज हम एक पूज्य संकल्प के सेवा विस्तार के साक्षी बन रहे हैं। अभी हमने माधव नेत्रालय के कुल गीत में सुना, अध्यात्म, ज्ञान, गौरव गुरुता का ये अद्भुत विद्यालय है, मानवतारत है ये सेवा मंदिर कण कण में देवालय है। माधव नेत्रालय एक ऐसा संस्थान है जो अनेक दशकों से पूज्य गुरूजी के आदर्शों पर लाखों लोगों की सेवा कर रहा है।
पीएम मोदी ने कहा कि हम अपने देश का इतिहास देखें तो सैकड़ों वर्षों की गुलामी, इतने आक्रमण, भारत की सामाजिक संरचना को मिटाने की इतनी करूर कोशिशें, लेकिन भारत की चेतना कभी समाप्त नहीं हुई, उसकी लौ जलती रही। कठिन से कठिन दौर में भी भारत में चेतना को जागृत रखने वाले नए-नए सामाजिक आंदोलन होते रहे। भक्ति आंदोलन का उदाहरण हम सभी को पता है। मध्यकाल के उस कठिन कालखंड में हमारे संतों ने भक्ति के विचारों से हमारी राष्ट्रीय चेतना को नई ऊर्जा दी।

समाज ने देखने-परखने के बाद संघ को स्वीकार किया : भागवत

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में एक सभा को संबोधित करते समय संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की लंबी यात्रा के दौरान समाज ने संघ के स्वयंसेवकों को देखा, परखा उसके बाद स्वीकार किया है। इसी का नतीजा है कि तमाम बाधाओं को दूर करते हुए अब स्थिति अनुकूल है और स्वयंसेवक लगातार आगे बढ़ रहे हैं। भागवत ने कहा कि संघ के दर्शन में कहा जाता है कि आत्म-विकास पर एक घंटा, जबकि समाज के विकास पर 23 घंटे खर्च करना चाहिए। यही संघ का नजरिया है और आरएसएस के तमाम प्रयास इसी सिद्धांत से प्रेरित हैं।
संघ प्रमुख भागवत ने जब यह बात

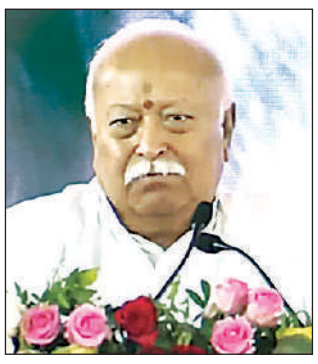

कही, उस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। पीएम की मौजूदगी में भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक अपने लिए कुछ नहीं मानते, वे सिर्फ सेवा करते रहते हैं। बता दें कि इसी साल सितंबर में संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने वाले हैं। संघ की लंबी यात्रा को रेखांकित करते हुए भागवत ने कहा कि देश ने संघ के स्वयंसेवकों का काम देखा है, इसके बाद उन्हें स्वीकार किया गया है।
भागवत से पहले पीएम मोदी ने भी भारत में संघ की भूमिका को रेखांकित किया। मोदी ने माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखने के बाद कहा कि आज भारत की सबसे बड़ी पूंजी हमारा युवा है। आज भारत का युवा विश्वास से भरा हुआ है। राष्ट्र निर्माण की भावना से ओत-प्रोत हमारे युवा आगे बढ़े चले जा रहे हैं। यही युवा 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ध्वजा थामे हुए हैं।

पुतिन के काफिले की कार में धमाका

मॉस्को। मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के काफिले की कार में ब्लास्ट हुआ है। यह धमाका खुफिया एजेंसी एफएसबी के मुख्यालय के बाहर हुआ। यह एक लग्जरी लिमोजिन कार थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इंजन में आग लग गई थी और फिर अंदर फैल गई। जिस वक्त ये हादसा हुआ, उस वक्त पुतिन न तो इस कार के आस-पास थे और न ही यह कार उनके किसी काफिले में शामिल थी। हालांकि अभी

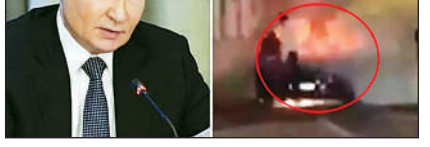

तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यह हत्या की साजिश थी या सिर्फ एक हादसा। इसके बाद से पुतिन की सुरक्षा को लेकर राष्ट्रपति कार्यालय में चिंताएं बढ़ गई है। 26 मार्च को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया था कि जल्द पुतिन की मौत होगी। राष्ट्रपति पुतिन अक्सर इस लिमोजिन कार का इस्तेमाल करते रहते हैं। उन्होंने नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन को भी पिछले साल यह कार गिफ्ट की थी।

म्यांमार में फिर 5.1 तीव्रता का भूकंप, अब तक 1700 की मौत

नेपीदा। म्यांमार में रविवार दोपहर 2.30 बजे करीब एक बार फिर भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.1 मापी गई। इस तरह बीते 3 दिन में 5 से ज्यादा तीव्रता वाले 4 भूकंप आए हैं। भूकंप का केंद्र म्यांमार के मांडले से लगभग 17 मील (27 किमी) उत्तर में था।
शुक्रवार सुबह 11.50 बजे 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद म्यांमार में भारी तबाही हुई। म्यांमार और थाईलैंड में यह 200 साल का सबसे बड़ा भूकंप था। सीएनएन ने एक जियोलॉजिस्ट के हवाले से बताया है कि इस भूकंप का असर 334 एटॉमिक बम में ब्लास्ट के बराबर था। एजेंसी के मुताबिक शनिवार तक मरने वालों का आंकड़ा 1700 हो चुका है, जबकि 3,408 से ज्यादा लोग घायल हुए और 139 लोग लापता हैं। उधर, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक 30 मंजिला इमारत गिर गई। इसमें 12 लोगों की मौत हुई है। मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा हो सकता है। यह आशंका यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने जताई। इस भूकंप के झटके थाईलैंड, बांग्लादेश, चीन और भारत तक महसूस किए गए थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत 40 टन राहत सामग्री म्यांमार के यांगून बंदरगाह भेजे गए। इसके अलावा 118 सदस्यीय फील्ड हॉस्पिटल यूनिट आगरा से म्यांमार के मांडले शहर पहुंची। इससे पहले ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत ही भारत ने मदद के लिए 15 टन राहत सामग्री में टेंट, स्लीपिंग बैग, कंबल, खाने के लिए तैयार भोजन, वाटर प्यूरीफायर, सोलर लैंप, जनरेटर सेट और आवश्यक दवाएं भेजी।

गृह मंत्री अमित शाह ने दिया संकेत

नीतीश ही होंगे बिहार के अगले सीएम

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के सीएम फेस को लेकर जारी चर्चा के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इशारों-इशारों में संकेत दे दिया है कि नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे। पटना के बापू सभागार में सहकारिता विभाग के एक कार्यक्रम में शाह ने कहा कि

नीतीश बोले वह गलती दोबारा नहीं होगी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंच से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने बिलकुल स्पष्ट कर दिया कि अब वह कहीं नहीं जाएंगे। दो बार गलती हुई है, लेकिन अब मैं वापस अपने पुराने लोगों के साथ आ गया हूं। इतना ही नहीं इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी का नाम लिया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी का नाम लेते हुए कहा कि श्रद्धेय अटल जी ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया था, तो ऐसे में मैं कैसे भूल सकता हूं।

'2025 में मोदी जी और नीतीश जी के नेतृत्व में बिहार में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनाइए और भारत सरकार को बिहार के विकास का मौका दीजिए' बिहार को बदलने में नीतीश कुमार की अहम भूमिका रही है। उन्होंने 2025 के चुनाव में मोदी और नीतीश के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनाने की अपील की। शाह ने कहा जेडीयू और भाजपा मिलकर बिहार को विकास के रास्ते पर तेजी से ले जाएंगे। 2025 में प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बनेगी। अमित शाह के बयान से एनडीए के सीएम कैंडिडेट का मसला साफ होता दिख रहा है।

दो बांग्लादेशी महिलाएं दिल्ली में गिरफ्तार

नई दिल्ली। मंडावली थाना पुलिस ने दो बांगलादेशी महिला घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। नदी के जरिये बार्डर को पार करके भारत अवैध रूप से आई थीं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बांगलादेश के जिला फरीदपुर निवासी आतिफा व ढाका निवासी असमा के रूप में हुई है। कुछ दिनों पहले पुलिस ने नौ घुसपैठियों को पकड़ा था, उनकी निशानदेही पर पुलिस ने दोनों महिलाओं को गिरफ्तार किया।

कटक में पटरी से उतरी कामाख्या एक्सप्रेस

कटक। ओडिशा में कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। कटक में नेरगुंडी रेलवे

एक यात्री की मौत, सात घायल

स्टेशन के पास यह हादसा हुआ जिसमें एक शख्स की मौत हुई और सात यात्री घायल भी हुए हैं। ट्रेन बंगलूरू से असम के गुवाहाटी के कामाख्या स्टेशन जा रही थी। रेलवे प्रशासन ने बताया है कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए

नई ट्रेन का बंदोबस्त किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार को ओडिशा के कटक जिले में एक एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतर गई। सुबह 11.54 बजे मंगुली के पास निरगुंडी में एसएमवीटी बंगलूरू-कामाख्या एसी एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए।
हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया जानकारी के मुताबिक, हेल्पलाइन 8455885999 और 8991124238 शुरू कर दी गई हैं। फंसे हुए यात्रियों को उनके गंतव्य तक भेजने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जा रही है।

भाषा के नाम पर देश को मत तोड़ो : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को भाषा के मुद्दे पर द्रमुक के रुख की आलोचना की और कहा

सभी भारतीय भाषाएं एक-दूसरे को मजबूत बनाती हैं

कि भाजपा हिंदी और अन्य सभी भारतीय भाषाओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सहयोग की भावना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाषा के नाम पर देश को तोड़ने की कोशिशें बंद होनी चाहिए। तमिल रानी वेलु नचियार को श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा कि कुछ लोग तमिल और हिंदी को लेकर विवाद पैदा कर रहे हैं। उन्होंने उत्तर भारत में वेलु नचियार के बारे में जागरूकता फैलाने के प्रयास की सराहना की। रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएं एक-दूसरे को मजबूत बनाती हैं। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हिंदी थोपने का आरोप लगा रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के युग की शुरुआत की है। अब उन्हें सशस्त्र बलों में स्थायी कमीशन मिल रहा है।

'ब्रह्मांड की वैश्विक समझ में भारत का अहम योगदान'

अहमदाबाद। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख एस. सोमनाथ ने शनिवार को कहा कि भारत हमेशा से एक महान देश रहा है, जिसने वेदों से लकर आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति तक ब्रह्मांड की वैश्विक समझ में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके लिए उन्होंने प्राचीन ग्रंथों महासलिल और सूर्य सिद्धांत का हवाला दिया। सोमनाथ भारतीय प्रौद्योगिकी प्रबंधन

पूर्व इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा शिक्षा जगत व उद्योगों में हो मजबूत संबंध

संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद के 60वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अनुसंधान संस्थानों, शिक्षा जगत और उद्योगों के बीच मजबूत संबंध की जरूरत पर जोर दिया। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह अब भी एक दूर का सपना बना हुआ है। सोमनाथ ने कहा, मैं भारत की समृद्ध और गौरवशाली ज्ञान परंपरा पर प्रकाश डालना चाहता हूं, जो फिर से सामने आ रही है। वेदों से लेकर आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति तक भारत हमेशा से ब्रह्मांड की वैश्विक समझ में योगदान देने वाला एक महान देश रहा है। उन्होंने कहा, प्राचीन काल का ज्ञान आधुनिक विज्ञान की तुलना में काफी उन्नत था। भारतीय दर्शन न केवल भौतिक प्रगति पर बल देता था, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति को भी उतना ही महत्वपूर्ण मानता था, जिसे समग्र मानव विकास के लिए आवश्यक माना गया। यही संतुलन भारत को वैज्ञानिक और आध्यात्मिक विकास में अद्वितीय बनाता है। उन्होंने कहा, विज्ञान और अन्य मानव ज्ञान ने इस क्षेत्र में काफी प्रगति की, जो दुनिया का पहला ज्ञान का स्रोत बना। खगोलशास्त्र, भूगोल, गणित, धातुकर्म और दर्शन में वैज्ञानिक समझ प्रदान करने में यह उस समय अन्य स्थानों से काफी आगे था।

आयकर का इंडिगो पर 944 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो पर आयकर विभाग ने 944.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। हालांकि, कंपनी ने इसे गलत बताया है। इंडिगो ने कहा कि वह इस आदेश को चुनौती देगी। रविवार को एक नियामक फाइलिंग में इंडिगो ने कहा कि आयकर विभाग (आयकर प्राधिकरण) की मूल्यांकन इकाई ने आकलन वर्ष 2021-22 के लिए 944.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश पारित किया है। इंडिगो ने कहा कि आदेश का कंपनी की वित्तीय स्थिति, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में बढ़ा अफस्पा

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को मणिपुर के पूरे क्षेत्र में लागू कर दिया है, हालांकि 13 पुलिस थाना क्षेत्रों को इससे बाहर रखा गया है। इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश के तीरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों तथा राज्य के तीन पुलिस थाना क्षेत्रों में भी अफस्पा को अगले छह महीनों के लिए बढ़ा दिया गया है। वहीं नगालैंड में भी अफस्पा का विस्तार किया गया है। इसे आठ जिलों और राज्य के अन्य पांच जिलों के 21 पुलिस थाना क्षेत्रों में लागू किया गया है। यह विस्तार अगले छह महीनों के लिए प्रभावी रहेगा।

चेन्नई में नीट छात्रा ने की आत्महत्या

चेन्नई। मेडिकल प्रवेश के लिए रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही 21 साल की छात्रा ने चेन्नई के पास आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, छात्रा देवदर्शिनी कोचिंग क्लास में पढ़ती थी। वह 4 मई को होने वाली नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। छात्रा भारी दबाव और तनाव में थी, क्योंकि वह अपने पिछले चार प्रयासों में परीक्षा पास नहीं कर पाई थी। उसके पिता सेल्वराज चेन्नई से लगभग 40 किलोमीटर दूर किलांबक्कम में एक बेकरी चलाते हैं। परिवार तमिलनाडु की राजधानी से वहां शिफ्ट हाग गया था, क्योंकि शहर में उनकी पिछली बेकरी घाटे में चली गई थी।

पीएम मोदी ने कहा योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं

विविधता में एकता को दर्शाते हैं हमारे त्योहार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि आज और आगामी दिनों में मनाए जाने वाले विभिन्न त्योहार भारत की विविधता में

'मन की बात' का 120वां एपिसोड

व्याप्त एकता की भावना के सूचक हैं। पीएम मोदी ने लोगों से इस भावना को मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने 'मन की बात' मासिक कार्यक्रम में कहा कि रविवार को विभिन्न राज्य अपना पारंपरिक नववर्ष मना रहे हैं और आगामी दिनों में कई अन्य राज्य भी इसे मनाएंगे।
मोदी ने कहा कि ईद सहित अन्य त्योहार भी मनाए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों को इन त्योहारों की बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में कुछ ही

दिव्यांग खिलाड़ियों को सराहा

पीएम मोदी ने खेल और खिलाड़ियों से जुड़ी बातें भी कीं। उन्होंने हाल ही में हुए खेलो इंडिया पैरा गेम्स को लेकर बातचीत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, कुछ ही दिन पहले संपन्न हुए खेलो इंडिया पैरा गेम्स में एक बार फिर खिलाड़ियों ने अपनी लगन और प्रतिभा से सबको हैरान कर दिया। इस बार पहले से ज्यादा खिलाड़ियों ने इन खेलों में हिस्सा लिया। इससे पता चलता है कि पैरा स्पोर्ट्स कितना चर्चित हो रहा है।

सप्ताह बाद गर्मी की छुट्टियां भी शुरू होने वाली हैं और गर्मी के लंबे दिन छात्रों के लिए नए शौक विकसित करने एवं अपने कौशल को निखारने का समय होते हैं।
प्रधानमंत्री ने छात्रों के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने वालों से 'माईहॉलिडेज' हैशटैग का उपयोग करने तथा छात्रों एवं अभिभावकों से 'हॉलिडेमेमोरीज' हैशटैग के साथ अपने अनुभव साझा करने का आग्रह किया। मोदी ने अपने संबोधन में विभिन्न तरीकों से जल संरक्षण कर 'कैच द रेन' अभियान को आगे बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि इस तरह के कदमों से पिछले सात से आठ साल में 11 अरब घन मीटर से अधिक पानी बचाया गया है।
प्रधानमंत्री मोदी ने फिटनेस पर भी बात की। उन्होंने दिल्ली में हुए एक आयोजन का जिक्र करते हुए कहा, दिल्ली में एक भव्य आयोजन ने लोगों को बहुत प्रेरणा दी है, जोश से भर दिया है। एक इनोवेटिव आइडिया के रूप में पहली बार फिट इंडिया कार्निवाल का आयोजन किया गया। इसमें अलग अलग क्षेत्रों के करीब 25 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। इन सभी का एक ही लक्ष्य था- फिट रहना और फिटनेस को लेकर जागरूकता फैलाना।

टेक्सटाइल कचरा नई चुनौती

पीएम मोदी ने भारत में टेक्सटाइल कचरे से बढ़ती चुनौती पर जोर दिया। पीएम मोदी ने टेक्सटाइल कचरे के मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि भारत इस क्षेत्र में एक बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि आप सोच रहे होंगे कि टेक्सटाइल कचरे का मुद्दा क्या है? दरअसल, यह एक बड़ी समस्या बन गई है। आजकल लोग पुराने कपड़े जल्दी फेंक देते हैं और नए खरीदने की आदत बढ़ गई है।

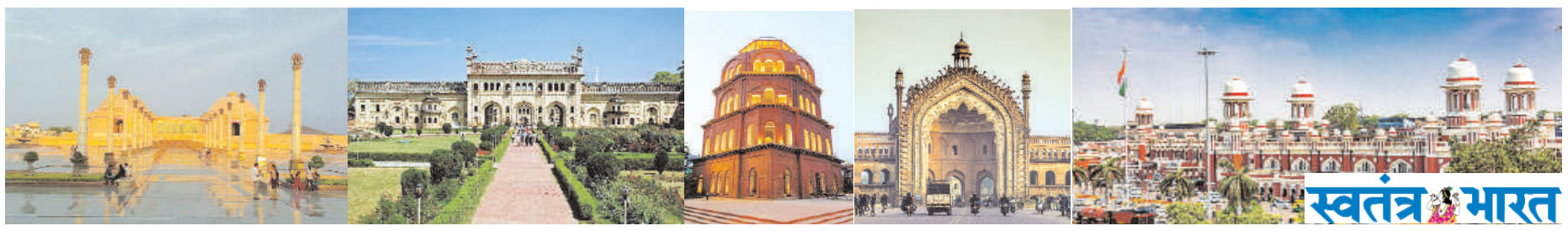

स्वतंत्र भारत

epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : epaper.swatantrabharat.net

भक्तों ने मां शैलपुत्री की उपासना कर मांगी मनौती

दर्शन-पूजन को भक्तों की लंबी कतारें लगी रही

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। चैत्र नवरात्र के पहले दिन रविवार को मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की गई। पूरे दिन मंदिरों में घंटे गूंजते रहे। सुबह से लेकर शाम तक मंदिरों में दर्शन-पूजन को भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। घरों में भी भक्तों ने कलश स्थापना कर जगत जननी की उपासना शुरू कर दी है। व्रत रखकर श्रद्धालुओं ने विधिविधान से मां शैलपुत्री की स्तुति कर मुरादें मांगी। नवरात्र के पहले दिन सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी। घरों में श्रद्धालुओं ने बालू और मिट्टी में जौं मिलाकर कलश की स्थापना की। इसके बाद आटा से नवग्रह और चौक बनाया। मां की मूर्ति को चौकी पर विराजमान कर उनका शृंगार किया। नवग्रह में उरद, मूंग, मसूर और चना आदि की दाल व चावल रखा। श्रद्धालु माता की प्रतिमा पर चुनरी, सिंदूर और पुष्प चढाकर परिवार के लिए सुख, शांति और संपन्नता बनाए रखने के लिए प्रार्थना किया। श्रद्धालुओं ने मां सप्तशती का पाठ करने के बाद हवन-पूजन किया। देवी मां को फूलमाला, पान, सुपाड़ी, नारियल, घी, मेवा, मिष्ठान, चुनरी, रोली और चंदन आदि लगाया। हवन के बाद मां की आरती उतारी। घर पर पूजन-पाठ के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिरों की ओर रुख किया। भोर से ही शहर के घसियारी मंडी स्थित प्राचीन कालीबाड़ी मंदिर, बीकेटी स्थित मां चंद्रिका देवी मंदिर, हुसैनगंज के भुइयन देवी मन्दिर, टिकैतराय तालाब के शीतला देवी मंदिर, चौक के संकटा देवी मंदिर,चौक चौपटिया स्थित संदोहन देवी मंदिर, बुद्धेश्वर मंदिर, शास्त्री नगर स्थित दुर्गा देवी मंदिर,छितवापुर पजावा स्थित भुइयन देवी मंदिर सहित राजधानी के छोटे बड़े मन्दिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिरों में माथा टेकने के बाद श्रद्धालुओं ने विधिविधान से पूजन कर मनौती मांगी। दर्शन-पूजन का क्रम देर शाम तक चलता रहा। जिले भर में स्थित मंदिरों में पूजा-अर्चना कर भक्तों ने माताराती के खूब जयकारे लगाए। मां के जयकारे के साथ घंटी और घड़ियाल तथा शंख ध्वनि गूंजती रही। देवी मंदिरों में आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु देवी मां की झलक पाने को आतुर दिखे। श्रद्धालु घंटों तक लाइन में खड़े रहे और फिर मां के दरबार में पहुंचे और उनके चरणों में मत्था टेका। मंदिरों में भीड़ इतनी ज्यादा हो गई कि शारीरिक दूरी का पालन भी नहीं सका, पुलिस भी इसका पालन करने के लिए जूझती दिखी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार मां शैलपुत्री मां भगवती का प्रथम स्वरूप हैं। पर्वतराज हिमालय के यहां इनका जन्म होने से शैलपुत्री कहलाईं। नवरात्र पर्व के पहले दिन मां दुर्गा के शैलपुत्री स्वरूप की पूजा की जाती है। पूर्व जन्म में ये प्रजापति दक्ष की कन्या थीं। तब इनका नाम सती था। इनका विवाह भगवान शंकर से हुआ था। प्रजापति दक्ष के यज्ञ में सती ने अपने शरीर को भस्म कर अगले जन्म में शैलराज हिमालय की पुत्री के रूप में जन्म लिया। पार्वती और हैमवती भी इन्हीं के नाम हैं। मान्यता के अनुसार इन्हीं ने हैमवती स्वरूप से देवताओं का गर्व भंजन किया था। नव दुर्गाओं में प्रथम शैलपुत्री का महत्व और शक्तियां अनंत हैं।

अवैध असलहों के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। बलिया पुलिस की एसओजी, सर्विलांस और कोतवाली की संयुक्त टीम ने बिहार के मुंगेर से आई अवैध असलहों की बड़ी खेप पकड़ी है। इसके साथ ही पुलिस ने मुंगेर के ही रहने वाले दो अंतर्राज्जीय असलहा तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिले की पुलिस अब उन लोगों की तलाश में जुट गई है, जिन्हें इन असलहों को बेचने के लिए लाया गया था। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने रविवार को प्रेस कांफ्रेस कर कहा कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बलिया में बेचने के लिए अवैध असलहे लाए जा रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस टीमें सक्रिय होकर श्रीरामपुर घाट के पास से बीती रात्रि करीब डेढ़ बजे दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के पास से एक मोटरसाईकिल बिना नम्बर प्लेट की और काले लाल रंग की हीरो सुपर स्प्लेण्डर भी बरामद हुई। उन्होंने कहा कि प्रभारी निरीक्षक कोतवाली योगेन्द्र बहादुर सिंह, सर्विलांस निरीक्षक विश्वनाथ यादव, स्वाट प्रभारी हितेश कुमार, थाना कोतवाली पुलिस टीम व सिविल लाइन चौकी प्रभारी गिरिजेश सिंह चौकी प्रभारी ने सोनू कुमार पुत्र भरत ताँती निवासी महादेवपुर महौली थाना मुफस्सील जिला मुंगेर बिहार व मो. नबीउल्ला पुत्र स्व मो. जैनुल निवासी मिर्जापुर बरदाह थाना मुफस्सील जिला मुंगेर बिहार को गिरफ्तार किया है।

मुख्यमंत्री से मिले दिव्यांगजन मंत्री

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने रविवार को सीएम आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर नरेंद्र कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। इस दौरान पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं पर भी चर्चा की गयी।

मथुरा में होगा सुंदरकांड का पाठ

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। स्वप्नाशीष सेवा समिति द्वारा अयोध्या के बाद अब मथुरा में कृष्ण के मंदिर में भी सुंदरकांड पाठ का अनुष्ठान, अप्रैल माह में होगा। सनातन ध्वज वाहिका सपना गोयल ने बताया कि नियमित सुंदरकांड के पाठ और जरूरतमंदों की सेवा, से भक्तों को मिल रही है कष्टों से मुक्ति की मेवा।यूपी ही नहीं देश और विदेशों तक के घर-घर तक सुंदरकांड महा अभियान पहुंच गया है। भारतीय नव वर्ष पर उन्होंने बताया कि इस दिन ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की थी और इसी दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम और धर्मराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक भी हुआ था। इसी दिन से हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है। हिंदू नववर्ष के आरंभ के दौरान सूर्य देव और चंद्र देव दोनों मीन राशि में विराजमान रहेंगे। बिना किसी सहयोग के, महिला दिवस पर पांच हजार से अधिक मातृ शक्तियों द्वारा झूलेलाल घाट पर सामूहिक सुंदरकांड का अनुष्ठान किया गया था।

वनटांगिया गांवों में खुलेंगे स्कूल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।

गोंडा जिलाधिकारी की पहल से आदिवासी बच्चों को मिली नई पहचान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में जनपद गोण्डा प्रशासन ने महेशपुर वनटांगिया ग्राम और बुटाहनी वनटांगिया ग्राम में प्राथमिक विद्यालय खुलने की स्वीकृति दे दी है। साथ ही, स्कूलों के निर्माण के लिए बजट भी जारी कर दिया गया है। यह पहल वनटांगिया समुदाय के बच्चों के लिए शिक्षा के नए द्वार खोलेगी। इस पहल से अब वनटांगिया ग्रामों के बच्चों को अपने ही गांव में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। यह निर्णय शिक्षा के प्रचार-प्रसार में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। सरकार ने प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय के लिए 29.45 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया है, जिससे इन विद्यालयों का निर्माण शीघ्र पूरा किया जाएगा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने स्थानीय निवासियों की समस्याओं को सुना और शिक्षा की जरूरत पर बल दिया। उनकी इस पहल से प्रस्ताव शासन तक पहुंचा और इसे मंजूरी मिल गई। यह निर्णय प्रशासन की संवेदनशीलता और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। छपिया के ग्राम पंचायत महुलीखोरी के वन ग्राम बुटहनी और नवाबगंज के ग्राम हरदवा के वन ग्राम महेशपुर में इन प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना की जाएगी। इनके निर्माण कार्य की जिम्मेदारी यूपी प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन को सौंपी गई है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा, अगले कुछ महीनों में इन विद्यालयों का संचालन शुरू होने की उम्मीद है।

यह निर्णय वनटांगिया समुदाय के उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा। इससे न केवल बच्चों को शिक्षा मिलेगी, बल्कि पूरे समाज को मुख्यधारा में जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

भाजपा राज में कारोबारी परेशान, देश में आर्थिक संकट : अखिलेश

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार में देश आर्थिक संकट में फंसा है। कारोबार और व्यवसाय करने की चिंता बढ़ती जा रही है। इस सरकार ने कारोबारियों के सामने तमाम तरह की समस्यायें खड़ी कर दी है। अखिलेश यादव छोटे कारोबारियों एवं उद्यमियों के कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों से बैंकिंग सेक्टर बैठ गया है। बैंकों को आपस में विलय करना पड़ा। ईज ऑफ डूईंग बिजनेस इफेक्टिव लेस है। इनका ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इनसल्ट, क्राइम, करप्शन और कमीशन का शिकार हो गया है। पूरा कारोबार जीएसटी और टीडीएस में उलझा हुआ है। मेक इन इंडिया दिखाई नहीं देता है। मैन्युफैक्चरिंग में चीन हावी है। सरकार ने पूरा बाजार दूसरों के हाथों में दे दिया है।

यादव ने कहा कि भाजपा ने कारोबार के लिए सिर्फ गिनती के कारोबारियों को अवसर दिया है। बाकियों के सामने समस्यायें खड़ी कर दी गयी हैं। देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। सरकार तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दावा कर रही है। भाजपा की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था में 80 करोड़ लोग सरकारी राशन पर जीने को मजबूर है। सरकार बताएं की इनकी प्रतिव्यक्ति आय क्या है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियां पूरी तरह फेल है। देश में इतनी बेरोजगारी पहले कभी नहीं थी। नौजवानों के पास नौकरीए रोजगार नहीं है। कारोबार और व्यापार में महिलाओं को अवसर नहीं दिया जा रहा है। एमएसएमई सेक्टर और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। एमएसएमई सेक्टर के पेमेंट में देरी हो रही है।

खबर एक नज़र

मुख्यमंत्री व राज्यपाल ने दी ईद-उल-फित्र की बधाई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईद-उल-फित्र पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने अपने बंधाई संदेश में कहा कि ईद का यह त्योहार भाईचारा, प्रेम और सामाजिक एकता का पैगाम देता है। उन्होंने अपील की कि इस मौके पर गरीब और जरूरतमंदों की मदद करें, ताकि उनके जीवन में भी खुशियाँ आयें और हम एक सशक्त, समृद्ध समाज की ओर कदम बढ़ा सके । साथ ही मुख्यमंत्री ने अपने बधाई संदेश में कहा कि ईद-उल-फित्र का त्यौहार खुशी और मेल-मिलाप का सन्देश लेकर आता है। खुशियों का यह त्यौहार सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ ही आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ाता है। यह पर्व अमन-चैन और सौहार्द का संदेश देता है। ईद के पर्व पर सभी को सदभ्दाव तथा सामाजिक सौहार्द को और सुदृढ़ करने का संकल्प लेना चाहिए।

अखिलेश ने दी ईद की बधाई

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेशवासियों को ईद उल फितर की बधाई दी है और उनके सुख-समृद्धि की कामना की है। उन्होंने कहा कि ईद उल फितर का त्यौहार मेल-मिलाप, खुशियां बांटने और परस्पर सद्भाव का प्रतीक है। यादव ने कहा है कि ईद के इस पावन पर्व पर हमें सामाजिक सद्भाव की मिसाल कायम करनी चाहिए।

ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड बढ़ायेगा पर्यटक सुविधाएं : जयवीर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि सहारनपुर के चकवाली गांव स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारत सरोवर' को देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। पर्यटन विभाग इस सरोवर का सौंदर्यीकरण करेगा। सरोवर के आसपास पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विकास किया जाएगा।जयवीर सिंह ने बताया कि इस परियोजना पर 2.43 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न कार्य किए जाएंगे। इनमें वाच टावर, प्रवेश द्वार, फूड स्टॉल, गजीबो, हॉर्टिकल्चर, शौचालय, पाथवे, सोलर लाइट, साइनेजेज और सूचना डेस्क जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। इस योजना के लिए 1.2 करोड़ रुपए पहले ही जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि सहारनपुर में स्थित मां शाकुंभरी देवी मंदिर एक प्रमुख आध्यात्मिक स्थल है, जहां श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन करने आते हैं। ऐसे में, भारत सरोवर के आसपास पर्यटन सुविधाएं विकसित होने से इस क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा।

पदाधिकारी मनोनीत

स्वतंत्र भारत लखनऊ। रविवार को भारतीय एकता युवा मोर्चा के लखनऊ स्थित राष्ट्रीय कार्यालय में मोर्चा के अध्यक्ष दिलीप श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में सुनील कुमार सिंह पुत्र स्व0 जय लाल सिंह को प्रदेश प्रभारी के पद पर एवं अर्पित श्रीवास्तव को कानपुर जिलाध्यक्ष के पद पर सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। बैठक में मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विवेक सिंह, राष्ट्रीय सचिव दिग्विजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष (उ0प्र0) आलोकित सेठ, प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद पुरखान, प्रदेश महासचिव आदित्य विक्रम ठाकुर, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह, मंडल अध्यक्ष लखनऊ ममता मिश्रा, लखनऊ जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र रावत एवम समस्त पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

विद्यालय ने उपलब्धि दिवस मनाया

स्वतंत्र भारत लखनऊ। सीतापुर रोड़ स्थित महर्षि विद्या मंदिर में रविवार को उपलब्धि दिवस मनाया गया। विद्यालय के प्रबंधक व प्रधानाचार्या नीलम सिंह ने सभी मेधावियों को सम्मानित करके अपना आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में परीक्षा परिणाम में बेहतर अंक लाने वाले विद्यार्थियों को पदक एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हिन्दी ओलंपियाड में अभिनव सिंह एवं दीक्षा पाल ने स्वर्ण पदक जीतने पर देश व विद्यालय का नाम रोशन करने पर इनको भी सम्मानित किया गया।

सड़कों पर न पढें नमाज़ : फरंगी

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। यूपी में ईद उल फित्र का चांद दिख गया है। अब पूरे प्रदेश में आज ईद मनाई जाएगी। लखनऊ में मरकजी चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने चांद देखकर घोषणा की। मरकजी शिया चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना यासूब अब्बास समेत अन्य उलेमाओं ने भी कल ईद मनाने की घोषणा की। वहीं, मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने सड़क पर नमाज न पढ़ने की अपील की है। ईद की नमाज से पहले फित्रा (दान) देने की बात कही है। ईद की घोषणा होते ही बाजारों में भीड़ लग गई। दुकानों में पैर रखने की भी जगह नहीं है। लोग ईद की खरीदारी कर रहे हैं। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद ने लोगों को ईद की मुबारकबाद दी है। उन्होंने कहा कि रमजान उल मुबारक का पाक महीना आज खत्म हुआ है। ईद का चांद देख कर हम खुशियां मना रहे हैं। सभी देशवासी ऐसे ही प्यार-मोहब्बत के साथ रहें। सड़क पर नमाज पढ़ने को लेकर मंत्री ने कहा कि कहीं पर कोई विवाद नहीं है। हर साल ईद मनाई जाती है। शासन की जो भी गाइडलाइन होती है, उसको मुस्लिम भाई फॉलो करते हैं। इसमें राजनीति करने की कोई जरूरत नहीं। यूपी में लोग सुरक्षित माहौल में इबादत करते हैं। अच्छे तरीके से तीज-त्योहार मनाए जाते हैं।

सीएमएस राजाजीपुरम में नवनिर्मित प्राइमरी ब्लाक का उद्घाटन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस में प्री-प्राइमरी एवं प्राइमरी छात्रों के लिए विशेष रूप से नवनिर्मित प्राइमरी ब्लाक का भव्य उद्घाटन सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने फीता काटकर किया। इस भव्य समारोह में सी.एम.एस. के बड़ी संख्या में शिक्षकों, छात्रों व अभिभावकों ने गरिमापूर्ण उपस्थिति दर्ज करायी। इस अवसर पर जहाँ एक ओर सी.एम.एस. छात्रों ने शिक्षात्मक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अनुपम छटा प्रदर्शित की तो वहीं दूसरी ओर सी.एम.एस. के बाल संगीतज्ञों ने विभिन्न वाद्ययंत्रों की सामूहिक प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में उपस्थित अभिभावकों ने प्री-प्राइमरी व प्राइमरी कक्षाओं के छात्रों हेतु विशेष रूप से निर्मित प्राइमरी ब्लाक के निर्माण हेतु सीएमएस प्रबन्धन को धन्यवाद दिया।

तहज़ीब के शहर लखनऊ में गुलाबी खंजर का लोकार्पण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। अमेज़न बेस्टसेलर किताब गुलाबी ख़ंजर का तीसरा लोकार्पण समारोह आज लखनऊ में कविशाला के कार्यक्रम आग़ाज़ में आयोजित किया गया। मंच पर उपस्थित लोगों में गुलाबी ख़ंजर के दो लेखक दिलीप पांडेय और चंचल शर्मा भी उपस्थित रहीं।

किताब गुलाबी ख़ंजर, जो ऐतिहासिक फिक्शन श्रेणी में आती है, पिछले कुछ महीनों से लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। अक्टूबर माह में भोपाल में इसकी घोषणा के साथ ही, यह किताब साहित्यिक और सांस्कृतिक विमर्श का हिस्सा बन गई थी। नवंबर महीने में इसका कवर लॉच हुआ और दिसंबर में जैसे ही अमेजन पर किताब का प्री-ऑर्डर लिंक आया, किताब 18 घंटे के भीतर हिस्टोरिकल फ़िक्शन कैटेगरी में पहले स्थान और ओवर ऑल बुक कैटेगरी में तीसरे नंबर पर आ गई। और पिछले 4 महीने में इस किताब ने मीडिया, साहित्यिक समुदाय और पाठकों के बीच एक गहरी छाप छोड़ी है। लखनऊ में आज कविशाला-आग़ाज़ द्वारा आयोजित लोकार्पण समारोह में उपस्थित अतिथियों ने किताब के विषय और इसके लेखन पर अपने विचार प्रकट किए। सर्वप्रथम किताब के कवर और नाम पर प्रकाश डालते हुए लेखक दिलीप पांडेय ने अपने विचार साझा किए और किताब के नाम के चयन पर ऐतिहासिक संदर्भ में बात की। उसके बाद लेखिका चंचल शर्मा ने विस्तार से बात करते हुए बताया कि आख़िर पाठकों को ये किताब क्यों पढ़नी चाहिए। इसके साथ ही किताब के महिला किरदारों की भूमिका पर भी अपने विचार रखे। सह लेखिका चंचल शर्मा ने किताब में उपस्थित महिला किरदारों पर प्रकाश डाला और बताया कि इसमें उपस्थित महिलाओं में वो सभी खासियत हैं, जिसे जानना बेहद रोचक है।

सिन्धी समाज ने भगवान झूलेलाल की जयंती मनाई

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सिन्धी समाज ने अपने ईष्टदेव भगवान झूलेलाल की जयंती उत्साह पूर्वक बहुत ही धूम-धाम से मनाई सुबह से ही सिन्धी बाहुल्य क्षेत्रों के मंदिरों में समाज की महिलाओं ने भगवान झूलेलाल की जयंती पर पूजा अर्चना कर सुख शाति की कामनाएं की। मेला कमेटी प्रवक्ता अशोक मोतियानी अध्यक्ष रतन मेघानी महा मंत्री संजय जसवानी कोषाध्यक्ष सतेंद्र भावनानी संयुक्त रूप से बताते है कि खास दिन का पूरे ही साल इंतजार रहता है इस दिन का विशेष महत्व होता है। गोमती नगर किनारे बने शनि मंदिर में नवजात शिशुओं के मुंडन संस्कार किए जाते है साथ जनव संस्कार के लिए भी सिंधी समाज का खास दिन होता है। भगवान झूलेलाल जयंती पर भव्य शोभा यात्रा शिव शान्ति आश्रम से 12 बजे निकली गई। शोभा यात्रा में सिंधी महिलाओं ने स्कूटर रैली भी निकाली जो शिव शान्ति आश्रम से आलमबाग संत कंवरराम चौराहे पर समाप्त हुई जहां से शोभा यात्रा माविया चारबाग, पानदरीबा, नाका हिंडोला, गणेश गंज, फतहगंज, अमीनाबाद नजीराबाद कैसरबाग लालबाग होते हुए हजरत गंज पहुंची। जहां सिंधी व्यापारियों ने शोभा यात्रा का जोरदार स्वागत अभिवादन किया उसके बाद शोभा यात्रा झूले लाल वाटिका में मेले में शामिल हो गई। शाम 8 बजे मेले में चेट्टी चंद मेला कमेटी के पदाधिकारियों ने महाआरती का भव्य आयोजन किया गया। जिसने बड़ी जिसके बाद कुछ समाज से सेवी को सम्मानित भी किया गया। लक्ष्मण लधानी को लाइफ अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया जबकि स्वर्गीय दिनेश जीवानी को सिंधी रत्न से सम्मानित किया गया। ये सिन्धी रतन उसके परिवार को पूरे सम्मान के साथ दिया गया। इसके अलावा भगवान झूलेलाल का फोल्डर का विमोचन किया गया। इसके पश्चात मुंबई से आए हुई म्यूजिकल पार्टी जतिन उदासी ने अपनी टीम के साथ भगवान झूलेलाल के गीतो की धूम मचा दी (जैको चावंदो झूले लाल तहीजा थिंदा बेड़ा पार) मतलब जो बोलेगा झूले लाल उसका होगा बेड़ा पार इसके अलावा भगति गीतों से सिन्धी महिलाओं और पुरुषों युवा पीढ़ी ने जमकर भांगड़ा किया। सिन्धी स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए थे साथ ही मंच से मेला कमेटी प्रवक्ता अशोक मोतियानी अध्यक्ष रतन मेघानी महा मंत्री संजय जसवानी कोषाध्यक्ष सतेंद्र भावनानी श्याम कृषनानी सुरेश छबलानी,ने संयुक्त रूप से समाज को संकल्प भी दिलाया कि सिन्धी समाज अपनी युवा पीढ़ी से सिन्धी भाषा में बात करे सिन्धी भाषा को बढ़ावा दीजिए गुड मॉर्निंग की जगह जय झूलेलाल बोल कर सिन्धी समाज से मुलाकात होने पर संबोधन करें और सिंधी समाज अपने प्रतिष्ठानों और घरों में अपने ईष्ट देव भगवान झूलेलाल की पूजा अर्चना रोज करें। शोभा यात्रा का नेतृत्व शिव शान्ति आश्रम के संत सांई मोहन लाल संत सांई हरीश लाल ने किया। सिंधी समाज की युवा पीढ़ी डांडिया डांस करते हुए साथ में चले मेले में मुख्य रूप से रतन मेघानी अशोक मोतियानी महामंत्री संजय जसवानी कोषाध्यक्ष सतेंद्र भावनानी श्याम कृषनानी सुरेश छबलानी अनिल बजाज,सतीश आडवाणी ,राम बालानी अशोक चांदवानी महेश तलरेजा लालचंद मंजर नीरज राजपाल दिनेश रायचंदानी रमेश तलरेजा हरीश तीर्थणी अशोक राजपाल मनोहर लाल रायचंदानीसुशील चंदानी सतेंद्र भावनानी प्रदीप राजपाल गुलराज रायतानी प्रदीप लालवानी रवि आहूजा , राजू जसवानी हंस राज राज्यपाल नितेश मध्यान आनंद खत्री, जितेंद्र जसवानी सतीश लखवानी, रवि कुकरेजा इन्द्र कलादि, घनश्याम दास केवल रमानी, सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए।

होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्र भारत लखनऊ। ब्रह्म सागर होली मिलन कार्यक्रम गोमतीनगर के विवेक खंड-दो में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ब्रह्म सागर संस्था ने भारतीय नववर्ष की पूर्व संध्या पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया।

कई तरह के सांस्कृतिक व मनोरंजक कार्यक्रमों जैसे अंताक्षरी, प्रेरणादायक वक्तव्य, फूलों की होली और टीका संस्कार जैसे कार्यक्रम आयोजित हुए। मुख्य आयोजक राष्ट्रीय महामंत्री दया शंकर पांडेय, मंत्री समन्वय ओपी चतुर्वेदी और कोषाध्यक्ष केएन चतुर्वेदी के आपसी तालमेल से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

स्वतंत्र भारत

सड़कों पर खुलेआम शराबखोरी

स्वतंत्र भारत लखनऊ। राजधानी में शराब की दुकानों के बाहर खुलेआम मदिरा सेवन का सिलसिला जारी है। आबकारी विभाग की लापरवाही के कारण यह अवैध

संबंधित विभाग की अनदेखी से बढ़ रही अराजकता

गतिविधि तेजी से बढ़ रही है। शहर के कई प्रमुख इलाकों हजरतगंज स्थित रॉयल होटल चौराहा, नवल किशोर रोड, आईटी चौराहा, बाबूगंज, बर्लिंग्टन चौराहा, महानगर चौराहा, गोल मार्केट चौराहा और पुरनिया चौराहों पर राहगीरों को आए दिन शराब पीने वालों की बदसलूकी का शिकार होना पड़ रहा है। सबसे अधिक दिक्कत महिलाओं को होती है, जो इन रास्तों से गुजरते समय असुरक्षित महसूस करती हैं।

सड़क पर ही जाम छलकाने की छूट क्यों?

मदिरा दुकानदारों के लिए स्पष्ट नियम है कि वे अपनी दुकानों के बाहर किसी को शराब पीने की अनुमति नहीं दे सकते। यदि दुकान मॉडल

शॉप है, तो वहां ग्राहकों को अंदर बैठकर शराब पीने की सुविधा दी जा सकती है। बीयर शॉप के लिए भी यह अनिवार्य है कि उसके पास कम से कम 1,000 वर्ग फुट का कवर एरिया हो, जहां ग्राहक बीयर का सेवन कर सकें। लेकिन लखनऊ में अधिकतर दुकानदार इस नियम का पालन नहीं कर रहे। उनके पास न तो मॉडल शॉप का लाइसेंस है और न ही बीयर शॉप के लिए जरूरी कवर एरिया। बावजूद इसके, वे ग्राहकों को अपनी दुकानों के बाहर ही शराब पीने की छूट दे रहे हैं, जिससे सड़क पर अराजकता की स्थिति बन रही है।

आबकारी विभाग की भूमिका संदिग्ध

नियमों के उल्लंघन को रोकने की जिम्मेदारी आबकारी विभाग की होती है, लेकिन विभाग के क्षेत्रीय इंस्पेक्टर इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे। सूत्रों के मुताबिक, आबकारी विभाग के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत के कारण ही यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। बताया जा रहा है कि कई आबकारी इंस्पेक्टर शराब दुकानदारों से मोटी रकम लेकर इस अवैध गतिविधि को अनदेखा कर रहे हैं। शहर में शराबखोरी की यह स्थिति आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बन चुकी है। शराब के नशे में धुत्त लोग राहगीरों से बदसलूकी और मारपीट करते हैं, जिससे कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

आखिर क्यों बंद किया अभियान

जब इस मुद्दे पर राजधानी के जिला आबकारी अधिकारी करूणेंद्र सिंह से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि हम लोग इस पर अभियान चलाते रहे हैं, लेकिन हाल ही में शराब दुकानों की लॉटरी प्रक्रिया के कारण अभियान अभी बंद चल रहा है। यह बयान स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि जब तक आबकारी विभाग प्रभावी कार्रवाई नहीं करेगा, तब तक राजधानी में खुलेआम शराबखोरी और उससे जुड़ी अराजकता पर रोक लग पाना मुश्किल है।

एटीएंडसी हानियां कम बताकर फंसे ऊर्जा मंत्री

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री की तरफ से आज एक एक्स पर ट्वीट किया गया है, जिसमें कहा गया है कि ऊर्जा विभाग निरंतर आगे बढ़ रहा है और इसी का नतीजा है कि एग्रीगेट टेक्निकल एंड कमर्शियल एटीएंडसी हानियां जो

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष ने निजीकरण का प्रस्ताव वापस लेने की मांग उठाई

2017 में 40 प्रतिशत थी वह 23.5 प्रतिशत कम होकर वर्ष 2024 में 16.5 प्रतिशत रह गई है। गौरतलब है कि 5 दिसंबर 2024 को जब मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली पहली बैठक हुई थी, जिसमें दक्षिणांचल व पूर्वांचल के 42 जनपदों को निजी क्षेत्र में देने का फैसला किया गया था। उस समय चालू वित्तीय वर्ष में एटी एण्ड सी हानियां 34.28 प्रतिशत माह सितंबर 2024 तक बताई गई थी, अब ऊर्जा मंत्री खुद ही कह रहे हैं कि एटी एंड सी हानियां कम हो गई, तो फिर ऐसे में प्रदेश के दोनों बिजली निगमों को निजी क्षेत्र में देने का फैसला सरकार को तत्काल वापस लेना चाहिए। क्योंकि यह तो देश के लगभग ज्यादातर बिजली निगमों के बराबर है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता

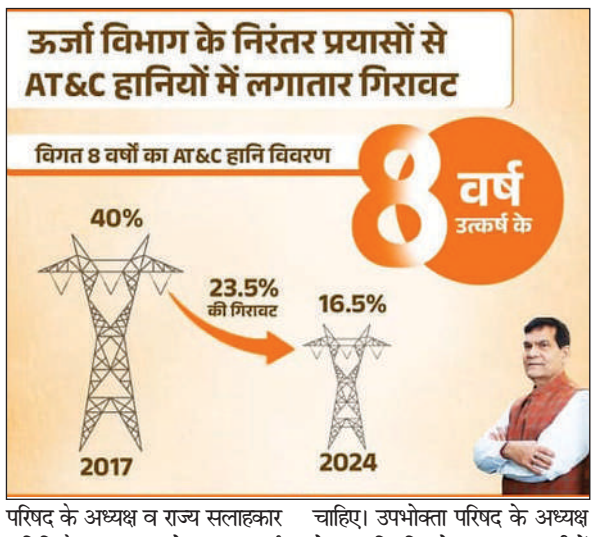

परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा है कि आज ऊर्जा मंत्री ने सरकार के 8 वर्ष के कार्यकाल पूरे होने पर जो एक खुलासा किया है, उसके बाद अब दक्षिणांचल व पूर्वांचल के निजीकरण का फैसला तत्काल सरकार को वापस ले लेना चाहिए। क्योंकि इसके पहले जो एनर्जी टास्क फोर्स की बैठक में एटी एंड सी हानियां बहुत अधिक हैं कहकर ही बिजली कंपनियों के निजीकरण का खाका तैयार किया जा रहा था। अब ऊर्जा मंत्री ने सच्चाई बयां कर दी, तो फिर निजीकरण का फैसला तत्काल वापस कर लेना चाहिए। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि पिछले लगभग 4 महीनों से उत्तर प्रदेश के बिजली निगम में एटीएंडसी हानियां बहुत अधिक है कहकर उनके निजीकरण के लिए ट्रांजैक्शन एडवाइजर तक रख दिया गया और आज ऊर्जा मंत्री ने एक्स पर ट्वीट करके सच्चाई बयां कर दीं। अब तत्काल पावर कारपोरेशन को माफी मांगते हुए निजीकरण का फैसला वापस लेना चाहिए और इस बात की जांच होनी चाहिए कि किस कंसलटेंट कंपनी ने पहले हानियां बहुत अधिक हैं, कह कर निजीकरण का प्रस्ताव तैयार कराया गया था।

लोकबंधु अस्पताल से निर्वाण केंद्र के पांच बच्चों की छुट्टी

स्वतंत्र भारत लखनऊ। राजनारायण लोकबंधु संयुक्त अस्पताल से निर्वाण आश्रय केंद्र के पांच बच्चों को रविवार को छुट्टी दे दी गई।

ये बच्चे एक्यूट डायरिया और फूड पॉइजनिंग की वजह से अस्पताल में भर्ती थे। 21 मार्च से कुल 25 बच्चों को इलाज के लिए यहां लाया गया था।

रविवार को आश्रय केंद्र से आठ अन्य बच्चों को भी जांच के लिए अस्पताल लाया गया। आश्रय केंद्र में डॉक्टरों ने मेडिकल चेकअप के दौरान उनकी सीटी स्कैन कराने की सलाह दी थी, जिसके बाद इन्हें अस्पताल लाया गया। लोकबंधु अस्पताल में इलाज के दौरान दो बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि दो बच्चों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर भेजा गया था। फिलहाल अस्पताल में 16 बच्चों का इलाज चल रहा है।

इनमें से पांच बच्चों को पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद आज डिस्चार्ज कर दिया गया।

लोकबंधु अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजीव दीक्षित ने बताया कि आज पांच बच्चों को अस्पताल से छुट्टी दी गई है। ये सभी अब स्वस्थ हैं और इन्हें अस्पताल की एंबुलेंस से वापस निर्वाण आश्रय केंद्र भेजा जाएगा। आश्रय केंद्र के संचालक को पहले ही इस बारे में जानकारी दे दी गई है। पीडियाट्रिक एक्सपर्ट डॉ. अरुण तिवारी ने बताया कि 10 साल के पंकज और 12 साल के बलराम में टीबी की पुष्टि हुई है। उनके एक्स-रे और सीटी स्कैन सहित अन्य जांचें कराई गई थीं, जिसके बाद इलाज शुरू कर दिया गया।

टीबी का इलाज कम से कम छह महीने चलता है, इसलिए अभी कुछ दिन और उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा जाएगा।

108 एंबुलेंस का रिस्पांस टाइम घटा

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रोड एक्सीडेंट में कमी लाने और घायलों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विशेष इंतजाम किये हैं। इसी क्रम में रोड एक्सीडेंट के

चिकित्सकों को इमरजेंसी केयर का प्रशिक्षण

घायलों को गोल्डन ऑवर में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में इमरजेंसी वार्ड को उच्चीकृत किया गया है। कानपुर, प्रयागराज, मेरठ व गोरखपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेजों के ट्रामा सेंटरों को लेवल-2 से लेवल-1 में अपग्रेड किया जा रहा है। साथ ही केजीएमयू हास्पिटल के ट्रामा सेंटर में 500 अतिरिक्त बेड की सुविधा बढ़ाने का कार्य तेजी से चल रहा है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के प्रमुख राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एनईएलएस प्रोग्राम के तहत कौशल विकास केंद्र स्थापित किये जा रहे हैं। जहां डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टॉफ के विशेष रूप से गोल्डन ऑवर में इमरजेंसी केयर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही रोड एक्सीडेंट के घायल को त्वरित इलाज उपलब्ध कराने के लिए 108 एंबुलेंस के रिसपांस टाइम को 15 मिनट से घटा कर 8 मिनट किया गया है। इसके साथ ही ट्रामा सेंटरों और इमरजेंसी वार्डों में निश्चेतक, अस्थि रोग विशेषज्ञ, जनरल सर्जन के साथ ईएमओ पद सृजित किये गये हैं। साथ ही प्रत्येक मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी विंग में सीटी स्कैन, एक्स-रे और अल्ट्रा साउण्ड की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके लिए वर्ष 2024-25 के बजट में 300 करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया था। ताकि

इमरजेंसी केयर के लिए प्रशिक्षित किये गये चिकित्सक

इमरजेंसी केयर को और अपग्रेड करने के लिए नेशनल इमरजेंसी लाइफ सपोर्ट प्रोग्राम के तहत बीएचयू वाराणसी तथा गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में कौशल विकास केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कानपुर, आगरा, मेरठ, झांसी और प्रयागराज के मेडिकल कॉलेजों में भी कौशल विकास केंद्र बनाए जा रहे हैं। डब्लूएचओ और एम्स दिल्ली के सहयोग से 300 से अधिक डॉक्टरों और पैरामेडिक स्टॉफ को इमरजेंसी केयर का पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा चुका है। ये प्रोग्राम विशेष रूप से गोल्डन ऑवर में घायलों को इमरजेंसी उपचार देने के लिए बनाया गया है। इसके साथ ही लगभग 2916 आपदा मित्रों को फस्ट रिसपांडर के तौर पर प्रशिक्षित किया गया है। जो घायलों को त्वरित रूप से फर्स्ट एड सुविधा उपलब्ध करा सकेंगे।

घायलों को गोल्डेन ऑवर में मिलेगी चिकित्सा

रोड एक्सीडेंट के घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 108 की एंबुलेंस सेवा का रिसपांस टाइम 15 मिनट से घटा कर 8: 23 मिनट करने का निर्णय लिया है। इसके लिए न केवल 108 एंबुलेंस सेवा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा साथ ही उनकी तैनाती और कॉलिगं रिस्पांस को भी और तीव्र किया जाएगा। इसके साथ ही राज्य सड़क सुरक्षा परिषद ने सड़कों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सड़क परिवहन निगम की सभी बसों और उनके ड्राइवरों की फि टनेस और स्वास्थ्य जांच कार्ड के आधार पर ही ड्यूटी देना सुनिश्चित किया जाने का निर्देश जारी किया है। घायलों को गोल्डन ऑवर में समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। साथ ही कानपुर, प्रयागराज, मेरठ, गोरखपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेजों के ट्रामा सेंटरों को लेवल-2 से लेवल-1 में अपग्रेड किया जा रहा है।

आदेश ठेंगे पर, मंदिर के बगल में खुली रही मीट की दुकान

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। चैत्र नवरात्रि के दौरान मंदिरों के आसपास मीट की दुकानों के संचालन पर प्रतिबंध के बावजूद,

महापौर ने लिया संज्ञान, दुकान सील

राजाजीपुरम स्थित बालाजी मंदिर से मात्र 100 मीटर की दूरी पर मीट की दुकान खुली रही। मामले की सूचना मिलने पर महापौर सुषमा खरकवाल ने तत्काल कार्रवाई की। महापौर ने मौके पर पहुंचकर जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी को निर्देश दिए कि संबंधित दुकान को तुरंत सील किया जाए और उस पर जुर्माना लगाया जाए। महापौर ने कहा कि धार्मिक आस्थाओं का सम्मान सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ इस आदेश को लागू कर रहा है और यदि कोई भी इस नियम का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सुषमा खरकवाल ने जनता से भी अपील की है कि यदि कहीं भी इस प्रकार के नियमों का उल्लंघन हो रहा हो तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। नगर निगम और पुलिस प्रशासन भी नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी कर रहा है। महापौर ने कहा कि नवरात्रि के दौरान धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। किसी भी व्यक्ति या संस्था को ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जो धार्मिक नियमों का उल्लंघन करे। प्रशासन धार्मिक स्वतंत्रता और कानून व्यवस्था दोनों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि नवरात्रि के दौरान किसी भी मंदिर परिसर से 500 मीटर के दायरे में कोई भी मांस की दुकान संचालित नहीं होनी चाहिए। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिये गये हैं।

> महापौर के निर्देशों का पालन करते हुए मीट की दुकान पर कार्रवाई की गई है। उसके सामान को जब्त कर दुकान को नगर निगम द्वारा सील किया गया है।
> **शिल्पा कुमारी, जोनल अधिकारी, जोन-2**

हीटवेव ने बढ़ायी हैरानी

नजरिया

इस साल मार्च में ही मई -जून जैसी गर्मी पड़ने लगी है। यूपी में दर्जनों जनपदों का पारा 40 पार जा चुका है। इधर बीच चल रही पछुआ हवा से फौरी तौर पर राहत मिली है। मई में चलने वाले एसी होली के बाद से ही चलने लगे हैं। वहीं मौसम विभाग के अनुसार इस अप्रैल में ही आसमान से आग बरसने लगेगी। साथ ही इस बार की गर्मी पिछले कई सालों के रिकार्ड तोड़ेगी। इस भयंकर गर्मी को लेकर आम से खास तक सभी हैरान है।

बीते एक पखवारे से पड़ रही भयंकर गर्मी को लेकर सरकार ने सभी विभागों को एलर्ट करते हुए राज्य आपदा घोषित कर दिया है। साथ ही इस गर्मी से इंसान से लेकर पशुओं तक पर्याप्त इंतजाम करने के निर्देश दिए है। इसके अलावा बिजली की मांग भी बढ़ने लगी है। उम्मीद है इस बार मई जून में बिजली की मांग करीब 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ जायेगी। साथ ही बिजली की अघोषित कटौती शहर से लेकर देहात तक होने लगी है। साथ ही कम बारिश एवं जल संरक्षण न होने से भूजल स्तर स्तर लगातार गिर रहा है। भविष्य में पीने के पानी के लिए भी संकट बढ़ सकता है। हीट वेव का मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन ही है। इसीलिए कहीं देश में ही कहीं बर्फबारी तो कहीं आसमान से आग बरस रही है। पहले इस हीट वेव की मुश्किल से आठ -दस दिन ही होती थी जो अब बढ़ती जा रही है। इसमें रात एवं दिन के तापमान में अंतर कम होने के साथ ही सामान्य से अधिक पारा पहुंचना है। साथ ही गर्म हवा कई दिनों तक वायु मण्डल में फस जाती है। जलवायु परिवर्तन का कारणों पर गौर करें तो बढ़ता शहरीकरण, सड़कों पर जहरीला धुआ उगलते वाहनों का रेला भी मुख्य कारण है। साथ ही बढ़ता औघोगकीकरण, जंगलों को काट कर जमीन को खेती योग्य बनाना, एवं खेती में अंधाधुंध खाद एवं रसायनिक पदार्थो का इस्तेमाल ही पर्यावरण असंतुलन को बढ़ा रहा है। यह सब कुछ हमारे लिए चेतावनी है यदि न चेते तो कुदरत का कहर बरसेगा। हालात देख कर नहीं लग रहा है कि पर्यावरण संतुलन को लेकर गंभीरता से उपाय किये जा रहे हैं। हीट वेव को लेकर डा राम मनोहर लोहिया संस्थान के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर निखिल गुप्ता ने बताया कि हमारा शरीर 107 फारनहाइट से ऊपर का तापमान नहीं झेल सकता है। 42 डिग्री पारा चढ़ते ही मेटावालिज्म खराब होने लगता है। ऐसे में मनुष्य के मल्टी आरगॅन फेल हो जाते है जिससे उसकी मौत तक हो सकती है। उन्होंने बताया कि अधिक गर्मी होने पर तेज धूप में बाहर जाने से बचें। यदि मजबूरी है तो सिर और शरीर को ढककर ही बाहर निकले। बाहर जाते समय छाता, टोपी या गीला रुमाल सिर पर रखें और धूप के चश्मे का उपयोग करें। बिना प्यास के ही पानी पानी, नारियल पानी, शिकंजी और फलों का रस लें ताकि शरीर हाइड्रेटेड बना रहे।भारी व्यायाम करने से शरीर का तापमान बढ़ सकता है, जिससे लू लगने का खतरा अधिक हो जाता है।शरीर में इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखने के लिए खान पान एवं दिनचर्या पर गर्मी को देखते हुए ध्यान दे।

- राजेश सिंह

गुरु गोविंद के आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत : केशव

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक व प्रेरणादायक है। हम

उप मुख्यमंत्री ने कीर्ति सिंह व सरदार परविन्दर, तथा धर्मवीर को दिया पुरस्कार

सबको उनके आदर्शों कोआत्मसात करने की जरूरत है। हर साल 30 मार्च को गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार दिया जायेगा। हमारे अंदर राष्ट्र व समाज के प्रति हमारा समर्पण भाव झलकना चाहिए । केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को अपने अवास पर चैत्र नवरात्रि व नव सम्वत्सर पर राष्ट्रीय एकता व अखंडता के लिए गुरु गोविंद सिंह के त्याग व बलिदान की चर्चा किया। लोगों का आह्वान किया कि सबको सजग व सावधान रहते हुए देश की एकता के साथ खिलवाड़ करने वालों

को मुंहतोड़ जवाब देना है। देश की एकता व अखंडता की पहरेदारी करना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर उन्होंने गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार वितरित किये। लखनऊ की कीर्ति सिंह व सरदार परविन्दर सिंह, तथा अम्बेडकरनगर नगर के धर्मवीर सिंह बग्गा को प्रशस्ति पत्र व एक लाख रुपए का पुरूस्कार प्रदान किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह सिख धर्म के दसवें और अंतिम गुरु थे। उन्होंने न केवल सिख समाज को संगठित किया, बल्कि पूरी मानवता के लिए सत्य, धर्म और न्याय का मार्ग प्रशस्त किया। वे एक महान योद्धा, कवि, विचारक और आध्यात्मिक नेता थे, जिन्होंने अपने जीवन को मानवता की सेवा और अन्याय के खिलाफ संघर्ष के लिए समर्पित किया। उन्होंने निडरता, समानता और न्याय के जो सिद्धांत स्थापित किए, वे आज भी हमें राष्ट्र भक्ति के लिए प्रेरित करते हैं।

घोड़ा-बग्घी में बैठकर मांगा हाउस टैक्स

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। हाउस टैक्स जमा करने को लेकर नगर निगम ने रविवार को एक विशेष जागरुकता अभियान चलाया। इसमें घोड़ा-बग्घी, ई-रिक्शा और स्वच्छता

जोन-6 के 22 वार्डों में निकाली गई जागरुकता रैली

वाहनों के माध्यम से 22 वार्डों में जागरुकता रैली निकाली गई। जोनल अधिकारी मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में यह अनोखी पहल की गई है। नगर निगम की टीम ने लाउडस्पीकर के माध्यम से नागरिकों को जागरुक किया और 31 मार्च तक अपना गृहकर जमा करने की अपील की। यह स्पष्ट किया गया कि इस तिथि के बाद बकायादारों पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज लगाया जाएगा। नगर निगम ने नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया है कि नवरात्रि और ईद के अवकाश के बावजूद नगर निगम के जोन-6 सहित सभी जोनल कार्यालय सुबह 8 बजे से रात 12 बजे तक खुले रहेंगे। इससे नागरिकों को समय पर टैक्स जमा करने में कोई असुविधा न हो।

> 31 मार्च तक हाउस टैक्स जमा न करने वालों के खिलाफ नगर निगम सख्त कार्रवाई करेगा। न केवल 12 प्रतिशत ब्याज जोड़ा जाएगा बल्कि आवश्यक कानूनी कदम भी उठाए जाएंगे।
> **मनोज यादव, जोनल अधिकारी, जोन-6**

पर्यावरण के लिए आंदोलन की जरूरत : डा. अनीता भटनागर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। नववर्ष चेतना समिति तथा श्याम परिवार के तत्वावधान में हिन्दू नववर्ष महोत्सव का खाटू श्याम

नववर्ष चेतना समिति द्वारा हिन्दू नववर्ष समापन समारोह

मन्दिर परिसर में रविवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में पूर्व आईएएस डा. अनीता भट्नागर जैन ने कहा कि भारतीय नए वर्ष पर शुभकामनाएं देना पर्याप्त नहीं है। नई चेतना कहाँ से आएगी जब तक पर्यावरण का ध्यान हम सभी नहीं देंगे। धरती व गंगाजी को हम माँ मानते हैं परन्तु उनको बचाने के लिए हम क्या कर रहे हैं, हम प्लास्टिक का प्रयोग कब बन्द करेंगे ।

डा. अनीता भट्नागर जैन ने कहा कि क्या वायु प्रदूषण कम करेंगे । इसका मतलब है कि हम अपने को समाधान का हिस्सा नहीं मानते हैं, सबको आगे आना पड़ेगा, भारतीय तिथि और पर्यावरण को लेकर हमें समाज के साथ आन्दोलन के रूप में काम करना होगा। वही नववर्ष की असली शुभकामना होगी। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय लखनऊ की राजयोग शिक्षिका ब्रह्मकुमारी राधा बहन ने कहा कि राम कथा हम सभी सुनते हैं राम राज्य लाने के लिए उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारना होगा। रामचन्द्र की महिमा तो हम वर्षों से गाते चले आ रहे हैं परन्तु नये वर्ष में उसको स्थापित करने के लिए क्या कर रहे हैं। सेंट जोसेफ स्कूल की अध्यक्ष पुष्पलता अग्रवाल ने परिवारों को भारतीय तिथि को अपने जीवन में उतारने और दिनचर्या का हिस्सा बनाने का अनुरोध किया। भावी पीढ़ियों को सुखी और सम्पन्न बनाना है तो भारतीय तिथियों के अनुसार सभी कार्यों को निष्पादित करना होगा। मुख्य आयकर आयुक्त ऊषा गुप्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समाज में विद्रूप हो रही स्थितियों को यदि बचाना है तो सभी को संस्कारवान बनाना होगा। पाश्चात्य संस्कृति ने हमारे अपने देश में वर्षों पहले घेरा बनाया जिससे बहुत क्षरण हुआ है, हमें अपने संस्कारों को वापस स्थापित करना होगा। समिति की संरक्षिका रेखा त्रिपाठी ने कहा कि विगत 16 वर्षों से सतत् नववर्ष का आयोजन किया जा रहा है। रंग फाउण्डेशन लखनऊ की पुनीता अवस्थी की टोली ने राम कहानी की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष डा. गिरीश गुप्ता, सचिव डा. सुनील अग्रवाल, पूर्व कुलपति प्रो. एसपी सिंह, अजय सक्सेना, राधेश्याम सचदेवा, रंजना द्विवेदी, डॉ. हरेंद्र श्रीवास्तव, भारत सिंह, रामस्वरूप यादव, एसके त्रिपाठी, अरुण कुमार मिश्र, डा. हरमेश चौहान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत
epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : epaper.swatantrabharat.net

वक्फ बिल लेकर आई मोदी सरकार तो गिर जाएगी : संजय सिंह

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। लखनऊ में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद व यूपी प्रभारी संजय सिंह ने भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा है कि यूपी में शराब की दुकानों पर मिल रही एक बोतल पर एक बोतल मुफ्त के विरोध में कल योगी सरकार के खिलाफ उत्तर प्रदेश के 70 जनपदों में पार्टी ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा कि एक तरफ यूपी में मुसलमानों को नमाज पढ़ने से रोका जा रहा है। दूसरी तरफ सौगात-ए- मोदी बांटी जा रही है। ये भाजपा का दोहरा चरित्र है। रविवार को संजय सिंह पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अवैध बूचड़खानों को बंद करने और धार्मिक स्थलों के 500 मीटर के दायरे में मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी करने पर कहा कि योगी आदित्यनाथ इसमें दो चीजें और जोड़ दें। आस-पास शराब की दुकानों और ऐसे रेस्टोरेंट जहां पर मांस बिकता हो। उसे भी बंद करवाया जाना चाहिए... उत्तर प्रदेश में हाई-वे पर 500 मीटर के अंदर आपको मंदिर से लेकर केएफसी, मैकडोनाल्ड और तमाम दुकानें देखने को मिलेंगी। शराब की दुकानें, केएफसी या मैक्डोनाल्ड क्यों खुले रहने चाहिए? प्रदेश सरकार उसे भी बंद करवाएं। सिंह ने आरएसएस और प्रधानमंत्री मोदी को घेरते हुए कहा कि 100 साल में आरएसएस का मुखिया कोई दलित, पिछड़ा या आदिवासी क्यों नहीं हुआ। प्रधानमंत्री मोदी और आरएसएस को बताना चाहिए कि 52 साल तक आरएसएस मुख्यालय पर तिरंगा क्यों नहीं फहराया गया। जेपी नड्डा ने कहा था कि आरएसएस की आवश्यकता बीजेपी को नहीं है। आरएसएस ने अंग्रेजों का समर्थन किया था, इसका जवाब भी देना चाहिए। आरएसएस सीमित जाति और सीमित क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है। यही नहीं, श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अंग्रेज गवर्नर को पत्र क्यों लिखा था कि भारत छोड़ो आंदोलन कुचलना चाहिए। आजाद हिंद फौज का विरोध क्यों किया गया था। मोदी को 10 साल में अब आरएसएस की याद क्यों आई। लोकसभा में सीट घटने के बाद मोदी आरएसएस ऑफिस गए हैं। सांसद संजय सिंह ने आगे कहा कि हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन, फारसी सभी जातियों से मिलकर 144 करोड़ लोगों से भारत बनता है। किसी एक अंग को कमजोर कर हम भारत को ताकतवर नहीं बना सकते हैं। एक तरफ दुनिया अंतरिक्ष में पहुंच रही है। वहीं, बीजेपी कब्र खोद रही है। आजाद भारत में जो भी संपत्ति है। वह जनता की है। जीटी रोड, ताजमहल, लालकिला मुस्लिम शासकों ने बनवाया था, उन्हें भी तोड़ दीजिए। मोदी सरकार के वक्फ बिल पर सांसद संजय सिंह ने कहा कि मोदी सरकार अगर यह बिल लेकर आई तो सरकार गिर जाएगी। भाजपा के सहयोगी चंद्रबाबू नायडू, चिराग पासवान और जयंत चौधरी ने अल्टीमेटम दे दिया है कि अगर बिल लाया गया तो उनकी जमीन हिल जाएगी।

रिहर्सल में सफल रहा नया पंबन पुल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। पंबन पुल और रामेश्वरम में रेलवे, तटरक्षक, राज्य प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने शनिवार को नए पंबन पुल के उद्घाटन का रिहर्सल किया। तटरक्षक पोत को गुजरने की अनुमति देने के लिए शेर्ज़र स्पैन के साथ पुराने पंबन पुल को भी खोलना पड़ा। रिहर्सल में समय को एक समान करने के लिए पुराने और नए पंबन पुल को खोलना शामिल था और तटरक्षक जहाज को नए पुल के खुले लिफ्ट स्पैन के नीचे दूसरी तरफ पार करने की अनुमति देने के बाद, समय को मापने के लिए नए पुल के उठाए गए हिस्से को नीचे उतारा गया। नए पुल के लिफ्ट स्पैन को नीचे किए जाने के बाद, समय की पुष्टि करने के लिए पंबन छोर से मंडपम छोर तक और मंडपम छोर से पंबन छोर तक पंबन पुल के पार एक ट्रेन चलाई गई, जो सफल रहा।

शिक्षा गुणवत्ता में सुधार पर जोर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। किसी भी संस्था को ऊंचाइयों तक ले जाने में उसमें कार्यरत कार्मिकों का विशेष योगदान होता है। एक संस्था एक परिवार की तरह होती है जो अपने मुखिया के दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए आगे बढ़ती है। शिक्षा रूपी मंदिर में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका मानी गयी है।

शिक्षक एक कुम्हार की तरह बच्चों को एक स्वरूप प्रदान करता है , वही प्रबंधतंत्र इसे अमलीजामा पहनाने में सहायक होता है। उक्त तर्कों को दून पब्लिक स्कूल बखूबी निभा रहा है। बेहतर वातावरण में अपने बच्चों को एक स्तरीय शिक्षा प्रदान करने में प्रयासरत है।

तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो कई वर्षों से संस्थान शिक्षा गुणवत्ता में लगातार सुधार लाने में प्रयासरत है। संस्थापक शिवकुमार तिवारी के विशेष दिशा-निर्देशन एवं प्रबंधक व प्रिंसिपल के अथक प्रयासों से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल दिखाई दे रहा है। शिक्षकों के अथक प्रयासों से नौनिहालों का भविष्य संवर रहा है। शिक्षार्थ आईए और सेवार्थ जाइए कहावत को चरित्रार्थ किया जा रहा है।

पूर्वोत्तर रेलवे पर 101.93 किमी. ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूरा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। संरक्षित, सुरक्षित एवं यात्रियों के मांग के अनुरूप ट्रेनों का सुगम परिचालन के लिए भारतीय रेल पर इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक सौम्या माथुर के कुशल मार्गदर्शन में पूर्वोत्तर रेलवे पर भी रेल खण्डों का दोहरीकरण, तीसरी लाइन, नई रेल लाइन, स्टेशनों का पुनर्विकास के साथ ही ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के बस्ती-गोविन्दनगर 06.20 रूट किलोमीटर की ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली की कमीशनिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य बहुत ही सुगम तरीके से बिना किसी ट्रेन परिचालन को प्रभावित किए सम्पन्न किया गया। मार्च,2025 में पूर्वोत्तर रेलवे किया गया यह ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली की तीसरी कमीशनिंग है। इसके साथ ही, वर्ष 2024-25 के दौरान पूर्वोत्तर रेलवे पर अब तक 101.93 रूट किलोमीटर ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है, जो इस रेलवे के लिए विशेष उपलब्धि है।प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, पूर्वोत्तर रेलवे राजेश कुमार पाण्डेय की कुशल नेतृत्व में मुख्य सिग्नल दूरसंचार इंजीनियर आरके सिंह, उपमुख्य सिग्नल एवं दूर संचार इंजीनियर परियोजना/लखनऊ सत्यदेव पाठक, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/लखनऊ वैभव श्रीवास्तव, स्टेशन निदेशक, गोरखपुर जेपी सिंह, सहायक मंडल सिग्नल दूरसंचार इंजीनियर वेद प्रकाश, सहायक सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, परियोजना/लखनऊ सर्वदानंद पांडे और उनकी टीम ने इस ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली की कमीशनिंग कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। बस्ती-गोविन्दनगर खण्ड के ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूरा होने पर लखनऊ मंडल में गोविन्द नगर से डोमिनगढ़ तक 65.72 किमी. तथा वाराणसी मंडल में कुसम्ही से देवरिया सदर तक 36.21 किमी. ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूरा हो चुका है।

समाचार पत्र वितरकों ने गुलाल से खेली होली

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। चारबाग के बाराबिरवा न्यूज पेपर हॉकर एसोसिएशन ने शनिवार को बांसमंडी चौराहा स्थित एसपी इंटरनेशनल होटल में होली मिलन समारोह आयोजित किया। समारोह में सभी डिपो समाचार पत्र वितरक सेवा समिति के लोग शामिल हुए। लोगों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर बधाई दी। मुख्य अतिथि भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, विशिष्ट अतिथि बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला व अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष संदीप बंसल थे। मुख्य अतिथि ने पत्र वितरकों को सभी सरकारी सुविधाएं दिलाने का भरोसा दिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष छोटे लाल यादव, वासुपाल, अनिल कुमार यादव, राजू, श्रवण चौधरी, प्रदीप कुमार, मुरारी यादव, ब्रज किशोर, जेके तिवारी, राजकमल विश्वकर्मा, रामस्वरूप आदि मौजूद रहे।

कौशल विकास पर जोर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। ज्वेलरी डिज़ाइनरों ने अपनी कला और कौशल का उपयोग करके सुंदरता को बढ़ाएंगे बल्कि उनके व्यक्तित्व को भी दर्शाएंगे। मौका था यूपी सेतु भवन के सामने पवित्रा ज्वेल्स का उद्घाटन का । जिसमें मुख्य अतिथि रजनीश सेठी सेक्रेटरी, लखनऊ गोल्फ क्लब ने किया। ओनर पवित्रा श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया और उन्होंने बताया कि उच्च गुणवत्ता वाला स्वरोस्की का शानदार संग्रह पेश करके लक्जरी ज्वैलरी शॉपिंग को परिभाषित करने के लिए तैयार किया गया है। खरीदारी करने पर अपने ग्राहकों को दस प्रतिशत तक की छूट दी। डिज़ाइनर आर्ट ज्वेलरी संग्रह में ग्राहकों को मिलेगा एक अनोखा और आकर्षक मिश्रण 925 सिल्वर, सेमी-प्रेशियस और कॉपर बेस्ड ज्वेलरी जो सेमी-प्रेशियस स्टोंस के साथ जड़ी हुई है।

युवाओं में अस्वीकार्यता अवसाद काफी प्रबल

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। तपोवन की ओर से वार्षिक कार्यक्रमों के विषय वस्तु से अवगत करने के सम्बन्ध में विगत वर्ष में पूर्व घोषित कार्यक्रमों एवं युवाओं को उचित मंच,परामर्श देने का यथोचित प्रयास किया जिसमे हमें सफलता के पैमाने अगर मापा जाये तो समुन्द्र की विशालता में एक मोती जैसा होगा इस वर्ष भी हम अपने राष्ट्र शक्ति युवाओं को भारतीय मूल एवं संस्कृति से अवगत करना और एक संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से काम करेंगे जैसे विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी हम तीन आधारभूत क्षेत्रो (शिक्षा, खेल, सांस्कृतिक) में निम्लिखित कार्यक्रमों के माध्यम से कार्य करेंगे। हमने यह भी देखा की युवाओं में अस्वीकार्यता अवसाद का काफी प्रबल प्रबाहाव दिखाई दे रहा। विराट सिंह ने बताया की वातावरण एवं भारतीय अवधारणा से प्रधान मंत्री की मुहीम एक पेड़ माँ के नाम को जारी रखते हुए यह अपील करना चाहते है कि अपने उपहार सूचि में एक छोटा पौधा शामिल कर ले तपोवन ने युवाओं को उद्यमी और स्वरोजगार का सृजन करने कि लिए एक नए कार्यक्रम को शामिल किया। जिसमे मुख्य मतंरी युवा उद्यमी और प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना से अवगत करना और जागरूकता शिविर का आयोजन करना तपोवन के मुख्य प्रवक्ता शिव मोहन ने बताया की, तपोवन विशेषकर उत्तर प्रदेश के युवाओं से ये भी अनुरोध करता है की अपने प्रदेश में पर्यटन के छेत्र में असीम सम्भवनाये है इसमें हम इतना सहयोग तो कर सकते है की अपने गांव शहर के बारे सोशल मीडिया पर डालकर इसका प्रसार करें क्रायक्रम में प्रमुख रूप से कुमार संभव, नाबाज़िश, आशीष, सलीम फैसल, आकाश, हस्सान, अरबाज़,शैलेन्द्र शामिल हुए।

मुस्कान को हासिल करने में लगा लोकबन्धु अस्पताल

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। लोकबंधु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय मुस्कान को हासिल करने में लगा हुआ है। अस्पताल मुस्कान राष्ट्रीय प्रमाणन सर्टिफिकेशन के लिए केंद्र सरकार की टीम द्वारा एक से तीन अप्रैल के बीच असेसमेंट होना बताया जा रहा है।रूबता दें कि मुस्कान की शुरुआत केंद्र सरकार द्वारा 12 वर्ष तक की आयु वर्ग के बच्चों के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए की गयी है। जिसका उद्देश्य समस्त सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं देने वाली फैसिलिटी में गुणवत्ता पूर्ण और मानकों के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाएं देनेवाला प्रयास शामिल है। इसमें नवजात एवं बाल मृत्यु दर में कमी लाने एवं रोकथाम योग्य नवजात एवं बाल रुग्णता को कम करने के लिए इस प्रक्रिया को अपनाया गया है।स्र्एलबीआरएन के बाल रोग विभाग के नोडल डॉक्टर नीलाम्बर झा बताते हैं कि मुस्कान कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता पहल है। इसके तहत अस्पताल में नवजात एवं बाल रोग विभाग द्वारा दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का आठ मानकों पर आकलन किया जाता है। जिसमें एसएनसीयू, बाल चिकित्सा ओपीडी और बाल चिकित्सा वार्ड शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अस्पताल का मुस्कान का सर्टिफिकेशन होने पर प्रति विभाग तीन लाख रुपये तीन साल तक मिलेंगे। इस तरह से हर साल अस्पताल को 9 लाख रुपए की धनराशी मिलेगी। तीन साल बाद दोबारा एसेसमेंट होगा। तब तक इंटरनल असेसमेंट होता रहेगा।

बच्चों को इनडोर से लेकर आउटडोर तक की सुविधा

मुस्कान असेसमेंट में आठ मुख्य मानक होते हैं जिसके तहत कई अन्य बिंदु होते हैं जिसमें यह देखा जाता है कि बच्चों को इनडोर से लेकर आउटडोर तक किस तरह की सुविधाएं मिल रही हैं। टीम द्वारा असेसमेंट के दौरान अभिभावकों से भी फीडबैक लिया जाता है। इसके साथ ही चिकित्सकों और पैरा मेडिकल स्टॉफ की स्थिति, उनका व्यवहार, साफ-सफाई, संक्रमण नियंत्रण और सुरक्षा, हर बिंदु के अलग-अलग स्कोर होता है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर राजीव कुमार दीक्षित का कहना है कि लक्ष्य सर्टिफिकेशन सहित कई उपलब्धियां अस्पताल ने हासिल की हैं। जो कि चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टॉफ के संयुक्त प्रयासों का ही परिणाम है। हम पूरी तरह आश्वस्त हैं कि अस्पताल मुस्कान सर्टिफईड हो जायेगा।

बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति अस्पताल प्रबंधन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। मुस्कान प्रोजेक्ट से अस्पताल में और बेहतर सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। इससे इलाज की गुणवत्ता में और सुधार आयेगा।

अजय शंकर त्रिपाठी,
चिकित्सा अधीक्षक, लोकबंधु अस्पताल

गंगा अवतरण नाटिका के साथ लोकोत्सव की प्रस्तुति

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। श्री रंग कला सेवा संस्थान, लखनऊ (रंगमंडल) द्वारा सांस्कृतिक कलात्मक को प्रोत्साहन देने के मुख्य उद्देश्य से आयोजित गंगा अवतरण नाटिका एवं लोकोत्सव की उत्साहवर्धक प्रस्तुति संगीत नाटक अकादमी में की गई । कार्यक्रम का आयोजन कर रही रुचिका सत्यवान एवं निर्देशन कर रही हरितिमा पंत और स्थानीय कलाकारों के माध्यम से रंगारंग एवं शानदार नृत्य-नाटिका को मंच पर उतरा। स्थानीय कलाकारों ने अपने लोकनृत्य का जादू बिखेरा, जिसमें मइया यशोदा बोल पर आध्या और अनुष्का ने प्रस्तुति दी। पौराणिक कथाओं के अनुसार धरती पर गंगा का अवतरण भागीरथ के प्रयास के द्वारा ही संभव हो सका । मां गंगा पापविमोचनी हैं ,मंदाकिनी हैं , जान्हवी हैं , ऐसी कथा है कि मां गंगा को उनकी बहन सरस्वती से किसी कारण एक श्राप मिला था। उन्होंने यह श्राप दिया कि तुम्हें मृत्युलोक जाना पड़ेगा। धरती पर जाकर वहां पर रहना होगा और सभी मनुष्यों के पापों को धोना पड़ेगा।इस नाटिका को श्री रंग कला सेवा संस्थान के कलाकारों ने बखूबी प्रस्तुत किया। कलाकारों ने होली पर लोक नृत्य, बिहू लोक नृत्य एवं कुमाऊँनी लोक नृत्य पर रंगारंग नृत्य प्रस्तुत किया। लोक कलाकारों ने पारंपरिक लोकनृत्य को प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। मंच परे की व्यवस्था में वेशभूषा शैल कुमारी, संजय शर्मा, मंच सज्जा वीरेंद्र कुमार, रुचिका, शत्रोहन प्रसाद, मुखसज्जा शैल, संगीत- हिमांशु, प्रकाश तमाल, प्रेक्षाग्रह सत्यवान, सत्यनारायण कश्यप और मंच संचालन हिमांशु एवं नेहा ने किया। इस रंगारंग कार्यक्रम का दर्शको ने खूब लुफ्त उठाया एवं प्रतिभागियों ने जमकर मंच पर रंग बिखरे।

गुमशुदा

संतोष कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व. नंदकिशोर श्रीवास्तव निवासी ग्राम गोठिया पोस्ट तिवारी पुर, सलोन, रायबरेली जिसका रंग सावला है और लंबाई 5 फिट है। जो सन 1998 से लापता है यदि किसी व्यक्ति को इनका पता चलता है तो कृपया इस नंबर 7706038556 पर सूचना दें।
सत्यम श्रीवास्तव पुत्र संतोष कुमार श्रीवास्तव निवासी ग्राम गोठिया पोस्ट तिवारी पुर, सलोन, रायबरेली।

सी.आर.-3535/D

हेतु सदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय प्रधान पारिवारिक न्यायाधीश इलाहाबाद
भरण पोषण वाद स.1261 सन 2024
रानी मिश्रा उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्री तीर्थराज मिश्र पत्नी अंशु शुक्ला निवासिनी- ग्राम भैरीपुर (कुड़ा) अटरामपुर थाना नवाबगंज जनपद-प्रयागराज उत्तर प्रदेश पोस्ट अटरामपुर तह0 पिन 229412.......... वादिनी
बनाम
अंशु शुक्ला उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्र श्री देवेन्द्र शुक्ला निवासी ग्राम व पोस्ट रामपुर कोटवा पोस्ट व थाना बाघराय तहसील कुण्डा जेंद्र नगर खैरपुर थाना सदौली जनपद प्रतापगढ़ उ. प्र.पिन- 229413...... प्रतिवादिनी
धारा 144 बी.एन.एस.एस.2023 थाना नवाबगंज जनपद प्रयागराज
चूंकि उपर नामांकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है। कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है। कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए 2025.के04 के15 दिवस को 10 बजे पूर्वा में स्वयं या सम्यक अधिकृत अपने अधिवक्ता के द्वारा उपस्थित हो और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अधारित किया जाएगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित आज के दिवस को निकाला गया।
नियत तिथि- 15.04.2025 न्यायाधीश

सी.आर.-3536/D-CN

न्यायालय अपर जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक)/अपर कलेक्टर, लखनऊ
संख्या– 747/ए.डी.एम. (न्यायिक)/रीडर/2025
दिनांक – 10.03.25
वाद संख्या– डी–202510460000792
पिरामल कैपिटल एंड हा.फा.लि. बनाम मुमताज जे आदि
अंतर्गत धारा–14, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम (सरफेसी), 2002
तारीख पेशी– 04.04.2025
1. मुमताज जे निवासी–632 314 ए अजय नगर कामता इस्माइलगंज फैजाबाद रोड निकट डी बी के मैरिज लॉन लखनऊ उ.प्र. 227105, व प्लॉट नं. 45 पर बना मकान, खसरा नं. 226 का भाग, ग्राम तिवारीपुर, परगना लखनऊ तहसील बक्शी का तालाब, जिला– लखनऊ उ.प्र.–226201, व न्यू लिटिल इंडिया रेस्टोरेंट बैंकट एम 204 कानपुर रोड एलडीए कॉलोनी सेक्टर जी अपोजिट जोनल पार्क लखनऊ उ.प्र. – 226012, व 334 तरया सुजान खुशीनगर उ.प्र.–274409.
2. नसीमा खातून निवासी–632 314 ए अजय नगर कामता इस्माइलगंज फैजाबाद रोड निकट डी बी मैरिज लॉन लखनऊ उ.प्र. 227105 व 334 तरया सुजान खुशीनगर उ.प्र.–274409.
नोटिस
एतदद्वारा आपको नोटिस दी जाती है कि पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड लखनऊ के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में याचिका प्रस्तुत करते हुए यह अवगत कराया गया है कि आपके द्वारा उक्त बैंक से लिए गए ऋण का भुगतान अभी तक अदा नहीं किया गया है।
अतः आप दिनांक 04.04.2025 को समय 10:30 बजे दिन में अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर कारण स्पष्ट करें कि क्यों न वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा–14 के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए बैंक द्वारा प्रस्तुत अभिलेख में कथित सम्पत्ति को कब्जे में लेकर बैंक को ऋण अदायगी वसूली के सम्बन्ध में दे दी जाय। यदि आप उक्त निर्धारित दिनांक व समय पर अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो समझा जायेगा कि आपको कुछ नही कहना है और तदनुसार नियमानुसार आदेश पारित कर दिए जायेंगे।
(हनुमान प्रसाद)
अपर जिला मजिस्ट्रेट (टी.जी.)/ अपर कलेक्टर, लखनऊ।

न्यायालय अपर जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक)/अपर कलेक्टर, लखनऊ
संख्या– 614/ए.डी.एम. (न्यायिक)/रीडर/2024
दिनांक – 30 दिसम्बर, 2024
वाद संख्या– डी–202510460004798
पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लि. बनाम आकाश पाण्डेय आदि
अंतर्गत धारा–14, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम (सरफेसी), 2002
तारीख पेशी– 19.03.2025
1. श्री आकाश पाण्डेय निवासी– म.नं.–4387, ईडब्ल्यूएस आवास विकास कालोनी योजना, 3, यूडी कानवेंट स्कूल, झूंसी, इलाहाबाद, उ.प्र. कार्यालय पता– ईडब्ल्यूएस म.नं.–4387, आवास विकास कालोनी योजना, 3, यूडी कानवेंट स्कूल, झूंसी, इलाहाबाद, उ.प्र. सम्पत्ति पता– चतुर्थ तल, 20/ए–1/522, गोवर्धन इन्क्लेव, सेक्टर–22, वृन्दावन योजना, शेखर मेडिकल सेन्टर, रायबरेली रोड, लखनऊ, उ.प्र.।
2. अंशु दूबे पता– म.नं. 4387, ईडब्ल्यूएस आवास विकास कालोनी योजना 3, यूडी कानवेंट स्कूल, झूंसी, इलाहाबाद, उ.प्र.
नोटिस
एतदद्वारा आपको नोटिस दी जाती है कि पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लि. लखनऊ के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में याचिका प्रस्तुत करते हुए यह अवगत कराया गया है कि आपके द्वारा उक्त बैंक से लिए गए ऋण का भुगतान अभी तक अदा नहीं किया गया है।
अतः आप दिनांक 02.04.2025 को समय 10:30 बजे दिन में अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर कारण स्पष्ट करें कि क्यों न वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा–14 के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए बैंक द्वारा प्रस्तुत अभिलेख में कथित सम्पत्ति को कब्जे में लेकर बैंक को ऋण अदायगी वसूली के सम्बन्ध में दे दी जाय। यदि आप उक्त निर्धारित दिनांक व समय पर अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो समझा जायेगा कि आपको कुछ नही कहना है और तदनुसार नियमानुसार आदेश पारित कर दिए जायेंगे।
(हनुमान प्रसाद)
अपर जिला मजिस्ट्रेट (टी.जी.)/ अपर कलेक्टर, लखनऊ।

न्यायालय अपर जिलाधिकारी, नगर (पूर्वी) लखनऊ।
संख्या– 520/रीडर/नोटिस/2025
दिनांक – 14 फरवरी, 2025
वाद संख्या– डी–202510460000507
पिरामल कैपिटल एण्ड हा.फा.लि.
बनाम
मनमीत जयसवाल आदि
अंतर्गत धारा–14, अधि.–वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और तथा पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन (सरफेसी) अधिनियम, 2002
तारीख पेशी– 29.03.2025
नोटिस
1. श्री मनमीत जयसवाल पता– मकान नम्बर–494/95, सराय हसनगंज, डालीगंज लखनऊ उ.प्र. व द्वितीय तल, स्पीड बिल्डिंग 3, साहनाज़फ रोड़ लखनऊ, उ.प्र. व प्लॉट नम्बर 10 खसरा नम्बर 132 मिंज कोंडर वार्ड, सहादतगंज लखनऊ, उ.प्र.।
2. श्रीमती प्रियंका जयसवाल पता– मकान नम्बर–494/95, सराय हसनगंज, डालीगंज लखनऊ, उ.प्र.।
उपरोक्त वाद जिलाधिकारी महोदय के न्यायालय से प्राप्त होकर अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः आप दिनांक 22.04.2025 को समय 12:00 बजे दिन में अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर कारण स्पष्ट करें कि क्यों न वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा–14 के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए बैंक द्वारा प्रस्तुत अभिलेख में कथित सम्पत्ति को कब्जे में लेकर बैंक को ऋण अदायगी वसूली के सम्बन्ध में दे दी जाय। यदि आप उक्त निर्धारित दिनांक व समय पर अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो समझा जायेगा कि आपको कुछ नही कहना है और तदनुसार नियमानुसार आदेश पारित कर दिए जायेंगे।
(अमित कुमार)
अपर जिलाधिकारी, नगर (पूर्वी) लखनऊ।

न्यायालय अपर जिलाधिकारी, नगर (पूर्वी) लखनऊ।
पत्रांक – 478/रीडर/नोटिस/2024
दिनांक – 26 दिसम्बर, 2024
वाद संख्या– डी–202510460000573
पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में डीएचएफएल) बनाम अश्विनी कुमार व अन्य।
अंतर्गत धारा–14, अधि.– वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निमाण एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन (सरफेसी) अधिनियम, 2002
तारीख पेशी– 29.03.2025
नोटिस
1.श्री अश्विनी कुमार, पता–555 केकेए/ए–206, आशुतोष नगर, कृष्णा नगर, आशुतोष पार्क, लखनऊ–226023, उ.प्र.। व काग्निजेंट ब्लॉक डी–1, मान्यता बिजनेश पार्क, निकट ममता टेक नगर, बैंगलोर। व फ्लैट नं.– 102ए प्रथम तल, प्लॉट नंबर– 17 17 ए, से.–एच, शिव विहार कालोनी, जानकीपुरम, निकट शानवी पैलेस, लखनऊ–226028, उ.प्र.।
2. श्रीमती चेतना देवी, पता–555 केकेए/ए–206, आशुतोष नगर, कृष्णा नगर, आशुतोष पार्क, लखनऊ–226023, उ.प्र.।
उपरोक्त वाद जिलाधिकारी महोदय के न्यायालय से प्राप्त होकर अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः आप दिनांक 22.04.2025 को समय 12:00 बजे दिन में अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर कारण स्पष्ट करें कि क्यों न वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम– 2002 की धारा 14(1) के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए बैंक द्वारा प्रस्तुत अभिलेख में कथित सम्पत्ति को कब्जे में लेकर बैंक को ऋण अदायगी वसूली के सम्बन्ध में दे दी जाय। यदि आप उक्त निर्धारित दिनांक व समय पर अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो समझा जायेगा कि आपको कुछ नही कहना है और तदनुसार नियमानुसार आदेश पारित कर दिए जायेंगे।
(अमित कुमार)
अपर जिलाधिकारी, नगर (पूर्वी), लखनऊ।

न्यायालय अपर जिला मजिस्ट्रेट(न्यायिक)/अपर कलेक्टर, लखनऊ।
पत्रांक
सं0–746/ए0डी0एम0(न्यायिक)रीडर/2025
दिनांक– 10/03/2025
वाद संख्या डी 202510460000793
पीरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेंस लि0 बनाम राहुल कुमार जायसवाल आदि
अन्तर्गत धारा–14, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम (सरफेसी), 2002
तारीखा पेशी – 04.04.2025
नोटिस
1. राहुल कुमार जायसवाल, निवासी– 544 2933 109 बरौरा हुसैनबाड़ी बालागंज लखनऊ उ0प्र0–226003, व मकान नगर निगम नं0 544/2026 का भाग, ग्राम मोहल्ला–बरौरा हुसैन बाड़ी, वार्ड कन्हैया माधवपुर, बरौरा हुसैनबाड़ी प्राथमिक विद्यालय, लखनऊ उ0प्र0–226003, व अनुवंश इंटरप्राइजेज, बरौरा 544 2923 109 हुसैनबाड़ी बालागंज लखनऊ उ0प्र0–226003.
2. बबीता जायसवाल, निवासी– 544 2933 109 बरौरा हुसैनबाड़ी बालागंज लखनऊ उ0प्र0–226003
एतदद्वारा आपको नोटिस दी जाती है कि पीरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड लखनऊ के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में याचिका प्रस्तुत करते हुए यह अवगत कराया गया है कि आपके द्वारा उक्त बैंक से लिए गय ऋण का भुगतान अभी तक अदा नहीं किया गया है।
अतः आप दिनांक 04.04.2025 को समय 10:30 बजे दिन में अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर कारण स्पष्ट करें कि क्यों न वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन कब्जे में लेकर बैंक को ऋण अदायगी वसूली के सम्बन्ध में दे दी जाय। यदि आप उक्त निर्धारित दिनांक व समय पर अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो समझा जायेगा कि आपको कुछ नहीं कहना है और तदनुसार नियमानुसार आदेश पारित कर दिए जायेंगे।
(हनुमान प्रसाद)
अपर जिलाधिकारी(न्यायिक)/ अपर कलेक्टर लखनऊ।

सैन्य अफसर हत्याकाण्ड : 15 दिन पहले भी आए थे कातिल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। वायु सेना के कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या की वारदात में शनिवार को एक चौंकाने वाली बात प्रकाश में आई है। पुलिस को जांच में पता चला कि करीब 15 दिन पहले भी उन पर हमले का प्रयास किया गया था। आधी रात में उनके घर में जबरन घुसने की नीयत से दरवाजा तोड़ने की कोशिश हुई थी। अफसर के शोर मचाने पर बदमाश भाग निकले थे। आशंका है कि हत्यारा कहीं उन्हीं में से एक तो नहीं। इस दौरान उनके वह औजार घर के बाहर ही छूट गए, जिससे दरवाजा तोड़ने की कोशिश की गई। इस मामले में अफसर की ओर से पुलिस को सूचना नहीं दी गई थी।

सूत्रों की माने तो 15 दिन पहले हुई इस घटना के बाद अफसर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए फिक्रमंद रहने लगे थे। इससे भयभीत होकर उन्होंने एक-दो दिन बाद ही अपने घर के बाहर सीसीटीवी कैमरा लगवाया। वह जानते थे कि पूरा परिसर सीसीटीवी कैमरों से लैस है।

घर से पोस्टमार्टम गृह तक मातम, रिश्तेदार-परिचित स्तब्ध

हत्या के बाद अफसर के बमरौली स्थित घर से लेकर मोर्चरी तक मातम पसरा रहा। पत्नी-बेटा व बेटी बिलखते रहे तो बिहार से आए भतीजे व अन्य रिश्तेदार भी गहरे सदमे में रहे। यहां तक कि साथ काम करने वाले कर्मचारी भी गमगीन रहे। अफसर की पत्नी वत्सला व बेटा माधवेंद्र वायुसेना स्टेशन परिसर स्थित आवास में उनके साथ ही रहते थे। बेटी कावेरी लखनऊ में रहकर बीए एलएलबी की पढ़ाई कर रही है इसी वर्ष उसका दाखिला हुआ है। घटना की जानकारी पर वह भोर में ही चलकर सुबह नौ बजे के करीब घर पहुंची। तब तक उसे पिता की मौत की जानकारी नहीं दी गई थी। उधर घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में बिहार से उनके पैतृक गांव से भी रिश्तेदार व अन्य परिजन भी उनके अंतिम दर्शन के लिए आये थे। भतीजे अभिनव ने बताया कि अफसर चार भाइयों में तीसरे नंबर के थे। इनमें से उसके पिता व एक अन्य भाई का निधन हो चुका है। घर के चाचा सत्येंद्र नारायण ही घर के सारे फैसले लिया करते थे। यकीन नहीं हो रहा कि अब वह इस दुनिया में नहीं रहे। उधर मर्चरी पहुंचे कर्मचारी व कॉन्ट्रैक्टर भी गमगीन रहे। उधर एक रिश्तेदार ने बताया कि परिजन देर शाम शव लेकर रवाना हो गए हैं। अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा।

हत्या की वजह क्या?

कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या में सबसे बड़ा सवाल वारदात की वजह को लेकर उठ रहा है। परिजनों ने किसी भी रंजिश की बात से इन्कार किया है। कार्यस्थल को लेकर भी कोई विवाद सामने नहीं आया है। ऐसे में पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती हत्या की वजह को खोजना ही है। पुलिस अफसरों के मुताबिक मृतक की पत्नी व बच्चे किसी से विवाद की बात से इन्कार करते रहे। परिचित व रिश्तेदारों ने भी किसी विवाद की जानकारी होने की बात नहीं बताई। पोस्टमार्टम गृह पहुंचे भतीजे अभिनव मिश्रा ने भी यही कहा, परिवार की कोई निजी रंजिश नहीं है। मोर्चरी पहुंचने वालों में बड़ी संख्या अफसर के कार्यालय में काम करने वाले उनके मातहत कर्मचारियों की भी रही। उनसे बात की गई, लेकिन वह भी किसी विवाद के बाबत कुछ बता नहीं सके। उनका कहना था कि वह बेहद विनम्र थे। कभी किसी से ऊंची आवाज में बात तक नहीं की। कार्यस्थल या काम से जुड़ा कभी कोई विवाद नहीं रहा। कर्मचारी भी स्तब्ध थे कि कोई कैसे उनकी हत्या कर सकता है।

कॉन्ट्रैक्ट किलिंग के बिंदु पर भी जांच

घटना को जिस तरह से अंजाम दिया गया, उससे एक आशंका यह भी है कि यह कॉन्ट्रैक्ट किलिंग का मामला तो नहीं। पुलिस इस बिंदु को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है। हालांकि, अफसरों का यह भी कहना है कि सैन्य परिसर जैसे हाई सिक्योरिटी जोन में घुसकर भाड़े पर हत्या करने की संभावना कम ही नजर आती है। फिर भी इसे सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता।

चोरी से तेल बेचते पकड़े गए कर्मचारी को किया था सस्पेंड

पुलिस सूत्रों का कहना है कि कमांडर वर्क इंजीनियर से जुड़े हाल के दो घटनाक्रम सामने आए हैं। उन्होंने कुछ दिनों पहले ही अपने अधीन गोरखपुर में काम करने वाले एक कर्मचारी को सस्पेंड किया था। वह चोरी से सरकारी गाड़ी का तेल बेचते पकड़ा गया था। इसके अलावा बिहटा में दो कर्मचारियों के बीच विवाद के बाद उन्होंने अपने अधीन काम करने वाले एक कर्मचारी को चार्जशीट थमाई थी। इन कार्रवाइयों से हत्या का कोई कनेक्शन तो नहीं, पुलिस इसकी भी जांच कर रही है।

शाम को ही गंगा आरती में हुए थे शामिल

अफसर की हत्या की सूचना पर मोर्चरी पहुंचने वालों में उनके ड्राइवर दिलीप भी शामिल रहे। बताया कि शुक्रवार शाम को अफसर पत्नी व बेटे के साथ संगम गए थे। वहां सभी गंगा आरती में शामिल हुए। इसके बाद घर लौट आए और फिर वह भी घर चला गया। सुबह घटना की जानकारी हुई तो उसे यकीन नहीं हुआ। इसके बाद वह इंजीनियर के घर गया और फिर वहां से अस्पताल पहुंचा।

17 साल की उम्र में अनुज ने अपराध की दुनिया में रखा था कदम

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। काफी दिनों से यूपी के अलावा कई राज्यों में आतंक का पर्याय बना कुख्यात शूटर अनुज कन्नौजिया को एसटीएफ और झारखंड पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार की रात मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। यह किसी समय मुख्तार अंसारी का शूटर था। इसी अजीबो गरीब कहानी है। बताते है कि 17 साल की उम्र में घर छोड़कर जरायम की दुनिया में कदम रखा था इसके बाद मुख्तार अंसारी की शरण ली। वह उनके लिए काम करने लगा और मुख्तार उसे पुलिस व जेल जाने से बचाता रहा। क्षेत्र में इसका इतना खौफ था कि दुकानदार अपने साइन बोर्ड के ऊपर से डर के मारे अपना मोबाइल नंबर तक हटवा दिया था।

खौफ इतना की दुकानदार अपने साइन बोर्ड से हटवा दिये थे अपना मोबाइल नंबर

दिनदहाड़े एजेंसी संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी थी

मुख्तार अंसारी की बरसी के दूसरे दिन अनुज का हुआ एनकाउंटर

बताते चलें कि कुख्यात बदमाश अनुज कनौजिया का मऊ जिले में एक समय में इतना आतंक था कि उसकी दहशत में दुकान के बोर्ड से लोगों ने अपने मोबाइल नंबर मिटवा दिए थे। इसका सबसे ज्यादा खौफ रानीपुर और चिरैयाकोट थाना क्षेत्र के बाजारों में था। चिरैयाकोट बाजार में होली से पहले हीरो होंडा एजेंसी संचालक की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी थी। वर्ष 2009-10 में जिले का एक बड़ा ठेका मैनेज करने में कुछ लोग अड़चन पैदा कर रहे थे। इस पर अनुज ने एक इंजीनियर की हत्या कर दी थी। पुलिस ने अनुज और इसके साथियों को गिरफ्तार किया था, जहां उसे जिला जेल मऊ से गोरखपुर कारागार भेजा गया था।अनुज यूपी के मऊ जिला मुख्यालय से पचासी मीटर दूर गाजीपुर -आजमगढ़ बॉर्डर पर चिरैयाकोट क्षेत्र के बहलोलपुर गांव का रहने वाला था। उसके पिता हनुमान कनौजिया सरकार स्कूल में टीचर थे। अनुज किस का कुख्यात बदमाश था इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 36 साल में उम्र में उसके ऊपर कुल 24 केस दर्ज है, जिसमें चार मर्डर का है। इसका एनकाउंटर मुख्तार अंसारी के बरसी के दूसरे दिन हुआ। पिछले साल 20 मार्च को जेल में मुख्तार अंसारी की मौत हो थी। मुख्तार की पहली बरसी शुक्रवार को थी इसका गांव में पट्टीदारों से विवाद चला आ रहा था। एक बार अनुज के भाई मनोज अपने ही परिवार के अन्य लोगों से विवाद हुआ तो उसे अधमरा करके छोड़ा। इस पूरे मामले को तूल देने में ठाकुरों का हाथ निकलकर आया तो मनोज ने बदला लेने के लिए ठाकुर परिवार से एक सदस्य की हत्या कर फरार हो गया था। पुलिस से बचने के लिए मुख्तार अंसारी के पास पहुंच गए और उनके लिए काम करने लगा। इसके बाद फिर अपराध पर अपराध करता रहा। हालांकि बहुत ज्यादा दिन तक मुख्तार के साथ नहीं रहा।

पांच वर्षों से फरार चल रहा था इनामिया

यूपी पुलिस के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) एवं एसटीएफ प्रमुख अमिताभ यश ने रविवार को बताया कि पांच वर्षों से फरार ढाई लाख के इनामी शूटर अनुज कन्नौजिया का एनकाउंटर हुआ है। शूटर अनुज पर मऊ, आजमगढ़ और गाजीपुर में 24 गंभीर मामले दर्ज हैं। यूपी एसटीएफ की गोरखपुर यूनिट ने झारखंड के जमशेदपुर में शूटर अनुज की लोकेशन पाने के बाद झारखंड पुलिस की मदद से घेरेबंदी की। जिसके बाद दोनों ओर से चली गोलियों में अनुज की मौत हो गई।मुठभेड़ के दौरान दोनों आरे से 25 राउंड से अधिक गोलियां चलीं।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी के हाथ में लगी गोली

मुठभेड़ के दौरान एसटीएफ के अधिकारी डिप्टी एसपी डीके शाही को हाथ में गोली लगी है, जिनका उपचार कराया जा रहा है।उन्होंने बताया कि एनकाउंटर में मारा गया अनुज के संबंध मुख्तार अंसारी के गैंग से है। अंसारी गैंग के लिए शूटरों की भर्ती करना और हत्याओं की साजिश रचने को लेकर इसका नाम प्रकाश में आता रहा है।जमशेदपुर निवासी शूटर अनुज के ऊपर यूपी के भीतर हत्या, हत्या के प्रयास, लूट जैसे संगीन मामले दर्ज है। एनकाउंटर के वक्त मौके से हथियार और आपत्तिजनक चीजें मिली है।अनुज कन्नौजिया की पत्नी रीना राय मऊ जेल में बंद है। उसे 5 मार्च 2023 को यूपी एसटीएफ और झारखंड पुलिस ने जमशेदपुर से ही गिरफ्तार किया था। अनुज के अवैध धंधों को उसकी पत्नी संभालती रही है। पत्नी रीना की गिरफ्तारी की छापेमारी के वक्त अनुज कनौजिया भी उसके साथ था, लेकिन पुलिस के आंख के सामने से अनुज फरार हो गया था। और तभी से यूपी एसटीएफ और झारखंड पुलिस शूटर अनुज की तलाश में थी।

नवरात्रि पर मीट की दुकानें खोलने पर हंगामा

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। आशियाना और कृष्णानगर में मीट की कई दुकानें खुली होने की सूचना पर हंगामा हो गया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आशियाना और कृष्णानगर इलाके में दुकानों के खुलने का विरोध किया। हंगामे-प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस मौके पर काफी देर बाद पहुंची। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कार्यकर्ताओं ने दुकानें बंद करा दीं। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम के नारे भी लगाए। इनका कहना है कि सीएम योगी के आदेश की धज्जियां राजधानी में ही उड़ाई जा रही हैं। मंदिर के 100 मीटर दायरे के अंदर ही आशियाना थाना क्षेत्र में मीट की कई दुकानें खुली हैं। मीट की दुकानें बंद कराने की

बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने कृष्णानगर में किया विरोध प्रदर्शन

अगुआई बजरंग दल के सुरक्षा प्रमुख सचिन सिंह ने की। विशेष रूप से ध्यान देने वाली बात यह रही कि इस पूरी घटना के दौरान स्थानीय पुलिस मौके पर उपस्थित नहीं थी। कार्यकर्ताओं ने महबूब कुरैशी चिकन शॉप और वकील चिकन सेंटर बंद कराया। इसके अलावा आशियाना थाना क्षेत्र में करीब सात दुकानें बंद कराईं। इस दौरान बजरंग दल का विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता भी थे। विश्व हिंदू परिषद के नेता कमलेश सिंह ने कहा कि सीएम योगी ने हिंदू पर्व पर मीट की दुकानें बंद रखने के निर्देश दिए हैं। उनके आदेशों की यहां धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। आज कार्यकर्ताओं फीनिक्स चौकी के पास वीएचपी और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने 7 दुकानें बंद कराईं। साथ ही फ्रीजर में रखा करीब 5 क्विंटल मीट पुलिस के सुपुर्द कराया।

ईद-उल-फितर पर पुलिस व पीएसी का रहेगा पहरा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। ईद-उल-फितर(ईद) पर्व के अवसर पर पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ में विभिन्न मस्जिदों में नमाज अदा की जायेगी जिसको सकुशल सम्पन्न कराने हेतु व सुगम यातायात व्यवस्था एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए समुचित पुलिस बल का इंतजाम किया गया है। चन्द्रदर्शन के अनुसार सोमवार को ईद-उल-फितर(ईद) का पर्व मनाया जायेगा। इस पर्व पर भारी संख्या में लोग ईद की नमाज अदा करते है। कुछ सुन्नी-समुदाय के व्यक्तियों द्वारा ऐशबाग स्थित ईदगाह पर तथा कुछ सुन्नी समुदाय व्यक्तियों द्वारा टीले वाली मस्जिद चौक में नमाज अदा की जाती है। इसी प्रकार शिया समुदाय के व्यक्तियों द्वारा आसिफी मस्जिद (बडा इमामबाडा) व कुछ शिया समुदाय के व्यक्तियों द्वारा ठाकुरगंज स्थित जामा मस्जिद में नमाज अदा की जाती है। जिसको सकुशल सम्पन्न कराने हेतु 1300 अराजपत्रित अधिकारी व 12 राजपत्रित अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गयी है जिसका पर्यवेक्षण उच्चाधिकारियों द्वारा किया जायेगा। इसके अतिरिक्त 9 कम्पनी पीएसी बल व 1 कम्पनी एसएसबी की भी तैनाती की जा रही है। सोमवार को ईद-उल-फितर(ईद) के दृष्टिगत क्षेत्रों में पीस कमेटी की मीटिंग कर तथा धार्मिक धर्मगुरूओं के साथ बैठक कर आपसी सामंजस्य स्थापित किया गया है ताकि नमाज को सौहार्दपूर्वक सकुशल सम्पन्न कराया जा सके।नमाज के दौरान जनता के आने-जाने वाले मुख्य मार्गों एवं महत्वपूर्ण स्थानों(टीले वाली मस्जिद, चौक बड़ा इमामबाड़ा आसिफी मस्जिद चौक, ऐशबाग ईदगाह) व चौराहों की निगरानी आधुनिक तकनीकी (ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरों) की मदद से की जा रही है जिसमें ड्रोन की मदद से नमाज के दौरान जनता के आवागमन के मार्गों पर लगातार निगरानी रखी जायेगी।

1300 अराजपत्रित व 12 राजपत्रित अधिकारियों लगी ड्यूटी

सोशल मीडिया की राउण्ड द क्लॉक मॉनिटरिंग की जायेगी

ईद के अवसर पर 27 रास्तों पर रहेगा डायवर्जन

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ शहर में ईद-उल-फितर के अवसर पर लखनऊ शहर में 27 रास्तों पर डायवर्जन किया गया है जिससे आवागमन प्रभावित नहीं रहे। पुलिस आयुक्त यातायात ने यह व्यवस्था 31 मार्च को सुबह 7 बजे से लेकर देर शाम तक प्रभावी रूप से लागू रहेगा।

पक्के पुल से नहीं जा सकेंगे डालीगंज-रेलवे क्रॉसिंग तिराहा

पुलिस उपायुक्त यातायात प्रबल प्रताप सिंह ने बताया कि सीतापुर रोड की ओर से आने वाले वाहनों को डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग तिराहे से पक्के पुल की ओर कोई भी वाहन नहीं जा सकेगा। यह वाहन अपने गंतव्य की ओर जाने के लिए डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग ओवरब्रिज से बांये मुड़कर 8 नंबर चौराहा निरालानगर से आईटी की ओर होकर जा सकेंगे। वहीं पक्का पुल खदरा साईड तिराहा से सामान्य यातायात पक्का पुल (टीले वाली मस्जिद) की ओर नहीं जा सकेगा। यह यातायात पक्का पुल से पहले तिराहे से बन्धा रोड या नया पक्का पुल होकर जा सकेगा। हरदोई रोड/बालागंज की तरफ से आने वाले बड़े वाहन और रोडवेज सिटी बसें बड़ा इमामबाड़ा या टीले वाली मस्जिद के तरफ नहीं जा सकेंगे। यह वाहन कोनेश्वर चौराहे से दाहिने चौक चौराहा, मेडिकल कालेज चौराहा होकर जा सकेंगे। कोनेश्वर चौराहे से घण्टाघर होकर बडा इमामबाडा की तरफ सामान्य यातायात नहीं जा सकेगा। यह यातायात कोनेश्वर चौराहे से चौक चौराहा, मेडिकल क्रास (कमला नेहरू) चौराहा, शाहमीना तिराहा या नीबू पार्क (रूमीगेट पुलिस चौकी), नया पुल होकर जा सकेगा। नीबू पार्क (रूमीगेट पुलिस चौकी) चौराहा की तरफ से बड़ा इमामबाड़ा व टीले वाली मस्जिद की ओर वाहन नहीं जा सकेगा। इधर जाने वाले वाहन कोनेश्वर चौराहा या नींबू पार्क के पीछे से नया पुल होकर जा सकेंगे। नीबू पार्क ओवरब्रिज से उतरने वाला यातायात रूमी गेट की तरफ नहीं जा सकेगा। इधर जाने वाले वाहन चौक चौराहा, ठाकुरगंज होकर अथवा चरक चौराहा होकर जा सकेंगे।चौक चौराहे की तरफ से नीबू पार्क चौराहे की तरफ सामान्य यातायात नहीं जा सकेगा। इधर जाने वाले वाहन कोनेश्वर चौराहा या मेडिकल क्रास (कमला नेहरू) चौराहा होकर जा सकेंगे। मेडिकल क्रास (कमला नेहरू) चौराहे की तरफ से फूलमण्डी, खुन-खुन जी गर्ल्स कालेज होकर नीबू पार्क चौराहे की ओर कोई वाहन नहीं जाएगा। यह वाहन मेडिकल कालेज चौराहा, चौक चौराहा, कोनेश्वर चौराहा होकर जा सकेंगे। शाहमीना तिराहे से पक्कापुल टीले वाली मस्जिद की ओर सामान्य यातायात नहीं जा सकेगा। यह यातायात मेडिकल कालेज, डालीगंज पुल, आईटी होकर जा सकेगा।डालीगंज पुल से सीतापुर रोड की ओर जाने वाली रोडवेज बस, जीप, कार, स्कूटर, मोटर साईकिल पक्का पुल की ओर नहीं जाएंगी। यह वाहन आईटी चौराहा, कपूरथला, पुरनिया होकर जा सकेंगे ।शाहमीना तिराहे से कैसरबाग की ओर से हरदोई रोड की ओर जाने वाले भारी वाहन, रोडवेज, सिटी बस पक्का पुल की तरफ नहीं जा सकेंगे। यह वाहन शाहमीना तिराहे से बांये मेडिकल कालेज चौराहा, चौक चौराहा, कोनेश्वर चौराहा होकर जा सकेंगे।एवरेडी तिराहे से मिल एरिया की ओर कोई भी बड़े वाहन नहीं जा सकेंगे। यह वाहन मवैया ओवरब्रिज/लगडा फाटक ओवरब्रिज, राजाजीपुरम होकर जा सकेंगे। मिल एरिया से बुलाकी अड्डा की तरफ तुलसीदास मार्ग पर नमाज में सम्मिलित होने वालों के अतिरिक्त किसी अन्य के वाहन नहीं जाने दिए जाएंगे।ऐशबाग पुल के नीचे नाका की तरफ से आने वाला यातायात ऐशबाग ओवरब्रिज होते हुए ऐशबाग चौकी होकर ऐशबाग ईदगाह की ओर नहीं जा सकेगा। यह यातायात पुल के नीचे से ही वापस मोतीनगर होकर जा सकेगा। राजेन्द्र नगर चौराहे से सामान्य यातायात ऐशबाग ओवरब्रिज की ओर होते हुए ईदगाह की ओर नहीं जा सकेगा। यह यातायात मोतीनगर होकर जा सकेगा। बाबूलाल हलवाई व मास्टर कन्हैया लाल रोड से ईदगाह की ओर कोई वाहन नहीं जा सकेगा। यह यातायात बाबूलाल हलवाई चौराहा होकर जा सकेगा।गूंगां-बहरा व रस्तोगी इण्टर कालेज (कपूर मोर्टस) तिराहे की ओर से कोई वाहन ऐशबाग ईदगाह की ओर नहीं जा सकेगा।पीली कालोनी के अन्दर से कई मार्ग ऐशबाग ईदगाह की ओर आते है, कोई भी यातायात इन मार्गों पर आने नहीं दिया जाएगा।एसएन मिश्रा द्वार तिराहे से किसी प्रकार के यातायात ऐशबाग ईदगाह की ओर नहीं जा सकेगा। मोतीझील कालोनी से ऐशबाग ईदगाह की ओर कोई भी यातायात नहीं जा सकेगा। अन्जुमन चौराहा से ऐशबाग ईदगाह की ओर कोई वाहन नहीं आ सकेगा।

पुलिस बल ने किया फ्लैग मार्च

आगामी त्यौहार ईद व नवरात्रि में शांति सौहार्द व सुरक्षा का एहसास दिलाए जाने के उद्देश्य से रविवार शाम थानाध्यक्ष नगराम विवेक चौधरी के नेतृत्व में नगराम पुलिस बल द्वारा फ्लैग मार्च किया गया । थानाध्यक्ष नगराम विवेक चौधरी ने बताया कि नगराम समेसी हरदोइया व बहरौली सहित कई गांवों में शांति व सुरक्षा का एहसास दिलाए जाने के उद्देश्य से पैदल गस्त किया गया । वहीं आम जनमानस से आगामी त्यौहार ईद आपसी प्रेम व सौहार्द पूर्वक मनाने की अपील की गई।

खबर एक नजर

सरकार की सख्ती से अपराध में आई कमी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में किए सुधार। 2017 से राज्य में डकैती, लूट, दंगा, हत्या, अपहरण और बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में 85 फीसदी तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक योगी सरकार के कार्यकाल में विभिन्न अपराधिक घटनाओं में उल्लेखनीय गिरावट आई है। डकैती की घटनाओं में 2016 की तुलना में 84.41 फीसदी कमी आई है। इसके अलावा लूट के मामले 77.43 फीसदी कम हुए हैं। इसी के साथ-साथ अपहरण, दहेज हत्या एवं बलात्कार की घटनाओं में भी कमी देखी गई है। सरकार ने प्रदेश के माफियाओं, गैंगस्टरों और भू-माफिया पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। इसके तहत 142 अरब रुपये से अधिक की चल-अचल अवैध सम्पत्तियां जब्त की गई हैं। वहीं, 68 माफिया और उनके करीब डेढ़ हजार सहयोगियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। जबकि 617 अपराधियों की गिरफ्तारी की गई है। इसके अलावा 752 पर गैंगस्टर एक्ट लागू किया गया है।

दूधिया को ट्रक ने मारी टक्कर, मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। जालौन के उरई कोतवाली क्षेत्र के कुइया रोड पर रविवार की सुबह तेज गति से आ रहे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ई-बाइक से दूध उठाने जा रहे दूधिया की दीनदयाल अग्रवाल निवासी तुलसी नगर की मौत हो गई। बता दें कि, मृतक व्यक्ति दूध बेचकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था और अपना पूरा घर चलाता था। वहीं रोज की भांति आज भी वह दूध उठाने गांव जा रहा था। तभी अचानक कुइया रोड पर तेज गति से आ रहे ट्रक ने जो रदार टक्कर मार दी, जिसमें उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, मृतक के परिजनों ने मौके पर पहुंचकर ट्रक चालक एवं ट्रक को पकड़ कर चौकी पर खड़ा कर दिया है। परिजनों का भी रो-रो कर बुरा हाल है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सचिवालय में नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। हुसैनगंज इलाके में सचिवालय में नौकरी के नाम पर दो लाख 80 हजार की ठगी की गई। ठग ने फर्जी कॉल लेटर देकर इंटरव्यू के लिए बुलाया। सचिवालय पहुंचने के बाद फर्जीवाड़े का पता चला। पुलिस मुकदमा दर्ज करके जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक़ जलालनगर शाहजहांपुर निवासी मयंक दुबे ने बताया वो नौकरी की तलाश कर रहे थे। इस दौरान उनकी मुलाकात रहीमनगर नई बस्ती लखनऊ निवासी सुधाशुं शुक्ला से हुई। जिसने खुद की सचिवालय में पहुंच होने की बात कहकर नौकरी लगवाने की बात कही। सुधांशु ने नौकरी लगवाने के एवज में दो लाख 80 हजार की डिमांड की। मयंक ने झांसे में आकर रुपए दे दिया। सुधांशु ने फर्जी लेटर भेजकर इंटरव्यू के लिए लखनऊ बुलाया। पीड़ित जब लेटर लेकर सचिवालय पहुंचा तो फर्जीवाड़े का पता चला। इस पर मयंक ने अपने पैसे वापस मांग तो सुधांशु ने 80 हजार का चेक दिया। जिससे मयंक पैसे निकालने गया तो चेक बाउंस हो गया। पीड़ित ने पैसे के लिए दबाव बनाया तो जान से मारने की धमकी देने लगा। आरोपी की प्रताड़ना से तंग आकर पीड़ित ने हुसैनगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मामले में इंस्पेक्टर हुसैनगंज का कहना है कि मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच की जा रही है।

ट्रिपल आईटी के बीटेक छात्र ने पांचवीं मंजिल से कूदकर दी जान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रयागराज के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में स्थित ट्रिपल आईटी झलवा के बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र ने रविवार को पांचवी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस उपायुक्त नगर ?अभिषेक भारती ने बताया कि रविवार को एयरपोर्ट थाने को सूचना मिली कि ट्रिपल आईटी झलवा में तेलंगाना के निजामाबाद जनपद निवासी राहुल चैतन्य पुत्र गंगाधर बीटेक तृतीय वर्ष का छात्र था। वह शनिवार की रात छात्रावास की पांचवी मंजिल से कूद गया। हालांकि उसकी जान बचाने की कोशिश में उसे उपचार के लिए तत्काल स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। इस संबंध में कालेज प्रशासन ने उसके परिवार के लोगों को सूचना दे दी है। पुलिस टीम शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई कर रही है। पुलिस का कहना है पूछताछ के दौरान जानकारी मिली है कि वह परीक्षा में असफल होने की वजह से तनाव में था और आत्महत्या कर लिया। आत्महत्या से पूर्व उसने अपने परिवार के सदस्यों से फोन से वार्ता की थी।

पहले से दोगुना लोगों की आपात सहायता कर रही यूपी-112

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। योगी सरकार में प्रदेश की आपातकालीन सेवा यूपी-112 प्रतिदिन औसतन 30,000 लोगों को आपात सहायता पहुंचा रही है। 2017 से पहले यह संख्या केवल 18,500 ही थी। अब पहले के मुकाबले दोगुने लोगों को त्वरित सहायता मिल रही है। इसी के साथ प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है। यूपी-112 सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने में पुलिस रेस्पॉन्स व्हीकल (पीआरवी) विशेष तौर पर कारगर साबित हो रहे हैं जो आपात स्थितियों में तुरंत मदद पहुंचाते हैं। यूपी सरकार ने पुलिस कार्यवाही में पारदर्शिता लाने के लिए 6,278 पीआरवी पर तैनात कर्मियों को बॉडी वॉर्न कैमरे प्रदान किए हैं। इससे न केवल जनता के साथ पुलिस की बातचीत रिकॉर्ड हो रही है, बल्कि कर्मियों के कामकाज में भी जवाबदेही बढ़ी है। 2017 के बाद से यूपी-112 की आपातकालीन सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय बदलाव आया है। अब मदद के लिए कॉल करने वालों को औसतन कम समय के भीतर सहायता मिल जाती है। इससे अपराध नियंत्रण और सार्वजनिक सुरक्षा में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। यूपी-112 की सेवा आने वाले समय में अधिक तकनीकी सुधारों के माध्यम से और भी कारगर बनेगी।

पुलिस की पैरवी ने 192 दिनों में दिलाया न्याय

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र सेंगर के निर्देशन में चिनहट पुलिस ने बीएनएस के तहत दर्ज दुष्कर्म मामले में यह पहला मामला है जिसमें आरोप पत्र दाखिल होने के करीब 192 दिन में दुष्कर्म आरोपित को साश्रम कारावास समेत अर्थ दंड से दंडित किया गया। थाना प्रभारी भरत त्रिपाठी ने बताया कि कांस्टेबल मनोज कुमार की अथक पैरवी करते हुए आरोप पत्र दाखिल कर दुष्कर्म आरोपी अजय कुमार पुत्र राज कुमार बुद्ध बिहार निवासी को करीब 192 दिनों में 10 वर्ष साश्रम कारावाश समेत 50 हजार का अर्थदंड से दंडित कर जेल भेज दिया है।

धार्मिक उन्माद फैलाने का किया प्रयास, गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। राजधानी के थाना मदेयगंज पुलिस टीम द्वारा धार्मिक स्थान को अपवित्र करने व साम्प्रदायिक उन्माद फैलाने की कोशिश करने वाले शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि 21 मार्च को स्थानीय निवासी दुर्गेश मिश्रा पुत्र स्व. कृष्ण बिहारी मिश्रा निवासी 60 फिटा रोड शिवलोक त्रिवेणीनगर तृतीय थाना अलीगंज ने थाने पर आकर तहरीर दी कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा मंदिर में गाय के बछड़े का कटा हुआ सर फेंक कर तथा मंदिर की पवित्रता को भंग करने का प्रयास किया है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

धारदार हथियार से गला रेतकर मां-बेटी की हत्या

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। गोरखपुर के चौरीचौरा के शिवपुर गांव में शनिवार की देर रात करीब 1.45 बजे अज्ञात बदमाशों ने पूनम निषाद (45) पत्नी स्व. रविन्द्र की धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी। उसकी छोटी पुत्री अनुष्का (13) के ऊपर भी जानलेवा हमला किया गया, उसकी हालत गंभीर है और मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।महिला की बड़ी बेटी खुशबू (20) ने रात में पुलिस को सूचना दी। खूशबू के मुताबिक उसे बदमाशों ने एक कमरे में बंद कर दिया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक राहुल शुक्ला ने बताया कि धारदार हथियार से हमला किया गया है। बीआरडी में इलाज के दैरान मां-बेटी दोनों की मौत हो गई है। फॉरेंसिक के साथ पुलिस की टीम मौके पर है।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

दानव बनता घुन

यह चिंता की बात है कि देश में स्वच्छ, पारदर्शी व ईमानदार कार्य प्रणाली के दावों के बाद भी नीचे से लेकर ऊपर तक भ्रष्टाचार का साम्राज्य पनपता जा रहा है। ऐसा तब है जब केंद्र से लेकर राज्यों तक की सरकारें न सिर्फ इसके खिलाफ सख्त नियम-कानून बना रखे हैं बल्कि इसे रोकने के लिए तमाम एजेंसियां भी काम कर रही हैं। अभी तक घोटालों और रिश्वतखोरी के बड़े-बड़े मामलों में प्रमुख रूप से राजनेताओं के नाम ही आते थे लेकिन अब अधिकारी भी खुलकर ऐसे खेल खेलने लगे हैं। ऐसे ही एक मामले में देश की सबसे सख्त व ईमानदार सेवा सेना के नाम पर उसी के दो इंजीनियरों ने दाग लगा दिया जिन्हें पिछले दिनों सीबीआई ने लखनऊ में घूस लेते रंगे हाथों पकड़ा। कुछ दिनों पहले इसी एजेंसी ने पटना में एनएचएआई के एक जीएम को भी ऐसे ही एक मामले में गिरफ्तार किया था। आजकल एक उच्च न्यायालय के जज के जज के घर से जले हुए करोड़ों रुपए मिलने का मामला काफी चर्चा में है। यूपी के एक आईएएस अफसर पर करोड़ों की रिश्वत लेने का मामला हाल में उजागर हुआ जिनकी गिरफ्तारी की अटकलें भी लगाई जा रही हैं। ऐसे मामले कई हैं किंतु उनकी फेहरिस्त गिनाने का यहां मतलब नहीं है। तथ्य यह है कि इस तरह के मामले अब लगातार बढ़ते जा रहे हैं उच्चपदस्थ अधिकारी जिन पर आमतौर पर जनता और शासन दोनों को बेहद भरोसा भी होता है, उनके ऊपर केवल संदेह ही नहीं होता बल्कि वे सबूतों के साथ बेपर्दा भी हो रहे हैं। तब यह समझने में कोई दिक्कत नहीं होगी कि उनकी जिम्मेदारी पर किया जाने वाला काम कितना विश्वसनीय होगा और उनकी क्या गुणवत्ता होगी। चूंकि सरकारी कामों में सरकारी धन का उपयोग होता है तो उन कामों की कोई केवल नाममात्र की ही औपचारिक कार्रवाई होती है। भ्रष्टाचार के मामले को अंजाम तक पहुंचाने का काम कम ही दिखाई देता है। तो क्या सरकार द्वारा कराए जाने वालों की नींव ऐसी ही खोखली रहेगी। इस बारे में खुद सरकार को ही मनन करना होगा कि भ्रष्टाचार के लगातार बढ़ते घुन का ऐसा कौन सा इलाज किया जाए जिससे सार्वजनिक विश्वास को धक्का न लगने पाए।

कोचिंग उद्योग

अच्छी नौकरियां दिलाने में मददगार प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए कोचिंग लेना आज सबसे आसान रास्ता है। नतीजा ये है कि कुछ वर्षों पहले तक गिनी-चुनी संख्या में चलने वाले इसके संस्थान अब एक लाभकारी उद्योग का रूप ले चुके हैं। निजी स्कूलों की तरह शिक्षा के नाम पर चलने विशाल व्यावसायिक क्षेत्र का मुख्य उद्देश्य अधिकाधिक पैसा कमाना ही है। इसीलिए 2023 तक भारत में यह उद्योग 58000 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका था जिसमें आठ से दस प्रतिशत तक सालाना बढ़ोतरी भी दर्ज की जाती रही। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली तो कोचिंग का एक जाना माना हब बन चुकी है जहां करियर बनाने का सपना लेकर देशभर से बच्चे पढ़ने आते हैं। लेकिन केवल 'रटन्त विद्या' पर आधारित हमारी शिक्षा पद्धति की तरह ये संस्थान भी मात्र परीक्षा-केंद्रित अध्ययन तक ही पढ़ाई को सीमित रखते हैं। इसमें विषय की गहराई से समझ और रचनात्मकता पूरी तरह उपेक्षित होती है जिससे बच्चों में किसी नई समस्या का समाधान खोजने की क्षमता नहीं विकसित नहीं होने पाती। यानी पढ़ाई एक यांत्रिक क्रिया बनकर रह गई है। ऐसे में सोचने की बात है कि जब देश में उद्यमिता, स्टार्टअप, वैज्ञानिक शोध-नवाचार जैसे पक्षों पर व्यापक रूप से ध्यान केंद्रित किया जा रहा है तब युवाओं में अनुसंधान की मौलिकता उभारने की जगह उसको उपेक्षित किया जाना कितना तर्कसंगत होगा। यह तो देश की प्रगति को अवरुद्ध करने जैसा ही है। ये संस्थान शिक्षा में असमानता को भी बढ़ा रहे हैं क्योंकि इनकी महंगी फीस के कारण संपन्न वर्ग के बच्चे ही इनमें पढ़ सकते हैं जबकि आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित घरों के बच्चे इन अवसरों के वंचित रह जाते हैं। इन विसंगतियों को दूर करने के लिए कोचिंग संस्थानों को भी एक व्यापक नियमन के दायरे में लाना जरूरी है।

काँव-काँव

♦♦♦

ग्रामीण विकास पर सिर्फ एक तिहाई बजट खर्च

राजनीति के लिये किसानों की बदहाली जरूरी!

यूपी में रामनवमी पर होगा सरकारी अखंड पाठ

रामनवमी के बाद एक बोतल पर दूसरी मुफ्त!

एटीएस सुरक्षा घेरे में नजर आयेंगी विंध्यवासिनी

देवीभक्तों को अब सुरक्षाबलों का ही भरोसा है!

हथियार कभी बदलाव नहीं ला सकते - गृहमंत्री

लेकिन ये बात सरकारों को कौन समझाये?

सरकारी कुप्रबंधन से सरकारी बैंक बर्बाद - राहुल

सभी घोटालों की शुरुआत कांग्रेसी सरकारों में हुई!

म्यांमार में लगातार लग रहे हैं भूकंप के झटके

लखनऊ में बहुमंजिली इमारतों की कतार है!

♦♦♦

ईद पर सौगात तो दीपावली पर उपहार क्यों नहीं?

-तनवीर जाफ़री

भाजपा द्वारा गत दिनों सौगात-ए-मोदी नामक एक अभियान की शुरुआत की गयी। इस अभियान के अंतर्गत देश के 32 लाख मुसलमानों को ईद मनाने के लिए विशेष किट दिये जाने का समाचार है। खबरों के मुताबिक़ भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे के कार्यकर्ताओं के माध्यम से देश की अनेक चयनित मस्जिदों में कम से कम 100 लोगों को सौगात-ए-मोदी रुपी विशेष किट देकर उन्हें सहायता पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मोदी की इस सौगात में महिलाओं के लिए सूट, पुरुषों के लिए कुर्ता-पायजामा, दाल, चावल, सेंवई , सरसों का तेल, चीनी, कपड़े, मेवा, खजूर आदि शामिल हैं। देश भर में मुसलमानों के साथ केंद्र से लेकर अनेक भाजपा शासित राज्यों द्वारा जिसतरह का सौतेला व्यवहार किया जा रहा है इन हालात के मद्देनज़र ईद पर सौगात-ए-मोदी पर चर्चा होना लाज़िमी है। सौगात-ए-मोदी से जुड़े ऐसे कई सवाल हैं जिसका जवाब देश की जनता सुनना चाहती है।

पहला सवाल तो यही कि अपनी स्थापना के समय से ही कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाने वाली भाजपा की नज़रों में क्या यह तुष्टिकरण नहीं है ? क्या कांग्रेस या अन्य दल अल्पसंख्यकों के फ़ायदे के लिये कोई योजनाएं लाएं तो केवल वही तुष्टिकरण है और भाजपा जो करे उसे सन्तुष्टीकरण का नाम दे दे? दूसरी बात यह कि मोदी का मुस्लिम प्रेम न तो गुजरात में लंबे समय तक उनके मुख्यमंत्री रहते उमड़ा न ही पिछले दस वर्षों में उनकी प्रधानमंत्री काल में यह नज़र आया। फिर अब आख़िर इस सौगात की याद क्यों आई और इसकी ज़रुरत क्यों महसूस हुई ? कहीं यह इसी वर्ष अक्टूबर या नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र मुस्लिम मतों को लुभाने का एक शगूफ़ा तो नहीं ? एक सवाल यह भी कि दूसरे दलों पर वोटों की ख़ातिर मुफ़्त की रेवड़ियां बांटने का आरोप मढ़ने वाली भाजपा ईद पर बंटने वाली सौगात-ए-मोदी को क्या मुफ़्त की रेवड़ी नहीं कहेगी ? और इन सबसे बड़ा सवाल यह कि यदि प्रधानमंत्री ईद पर मुसलमानों को सौगात दे रहे हैं तो क्या देश की बहुसंख्य हिन्दू आबादी दीपावली पर उपहार की हक़दार नहीं ? प्रधानमंत्री को फ़रवरी 2017 में उत्तर प्रदेश के फ़तेहपुर की एक जनसभा में राज्य की तत्कालीन समाजवादी सरकार के लिये दिये गये उस बहुचर्चित व विवादित प्रवचन को नहीं भूलना चाहिये जिसमें उन्होंने कहा था कि- धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। यूपी में भेदभाव सबसे बड़ा संकट है। ये भेदभाव नहीं चल सकता। हर किसी को उसके हक़ का मिलना चाहिए ये सबका साथ सबका विकास होता है। उन्होंने कहा, अगर होली पर बिजली मिलती है तो ईद पर भी बिजली मिलनी चाहिए।अगर रमज़ान में बिजली मिलती है तो दिवाली पर भी बिजली मिलनी चाहिए। गांव में क़ब्रिस्तान बनता है तो श्मशान भी बनना चाहिए। भेदभाव नहीं होना चाहिए। धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। तो क्या उपरोक्त प्रवचन केवल विपक्ष के लिये ही है ? आज यह सवाल ज़रूरी क्यों नहीं कि मुसलमानों को ईद पर सौगात तो हिन्दुओं को दीपावली पर क्यों नहीं ? गुरुपर्व पर सिक्खों को तोहफ़ा क्यों नहीं ? ईस्टर या गुड फ्राइडे पर ईसाइयों को क्यों नहीं ? यह भेदभाव क्यों और इसका कारण क्या है ?

दरअसल भाजपा ने कोरोना काल के बाद मुफ़्त राशन बांटकर आम जनता के वोट लेने का जो तरीक़ा अपनाया है और उसे मतदाताओं की नयी श्रेणी अर्थात लाभार्थी श्रेणी के रूप में चिन्हित किया है यह सौगात -ए -मोदी भी उसी तरह का एक खेल है जो बिहार चुनाव से पहले खेला जा रहा है। इस खेल के बहाने भाजपा लालू यादव व नितीश कुमार दोनों ही नेताओं के साथ खड़े मुस्लिम मतदाताओं को अपने पक्ष में लामबंद करने का एक प्रयास कर रही है। उसे लगता है कि जिसतरह मुफ़्त राशन बांटकर उसने भूखे व बेरोज़गार लोगों को अपने पक्ष में कर लिया है शायद सौगात -ए -मोदी किट भी बिहार में भाजपा के लिये उसी तरह फ़ायदेमंद साबित हो। परन्तु शायद ऐसा होने वाला इसलिए नहीं क्योंकि इस समय मुसलमानों की सबसे बड़ी चिंता उनकी सुरक्षा है,उनकी शिक्षा व रोज़गार है। उनकी इबादतगाहों की सुरक्षा है। उनके धार्मिक रीति रिवाजों को अमल में लाने की स्वतंत्रता है। उनके साथ निष्पक्षता से पेश आना तथा न्याय करना है। परन्तु इसी मोदी राज में देश के अनेक भाजपा शासित राज्यों में नमाज़ पढ़ने पर पाबंदी लगाई जा रही है। सड़कों,पार्कों यहाँ तक कि अपने घर की छतों पर भी नमाज़ पढ़ने पर रोक लगने की ख़बर है। हरियाणा में तो ईद का अवकाश ही 31 मार्च को बहाना बनाकर गज़ेटेड हॉलीडे की लिस्ट से हटा कर रिस्ट्रिक्टेड हॉलिडे कर दिया गया है। ऐसे में विपक्ष सवाल कर रहा है कि ईद मुसलमानों का एक ही सबसे बड़ा त्योहार होता है, जो पूरे देश में मनाया जाता है। ऐसे में आख़िर ईद की गज़ेटेड छुट्टी को वैकल्पिक छुट्टी के रूप में क्यों बदल दिया गया? आज जगह जगह मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार की ख़बरें आ रही हैं। यहाँ तक कि महाकुंभ जैसे आयोजन में कुछ लोगों ने मुसलमानों के मेला प्रवेश तक का विरोध किया। खुले आम भाजपाई समर्थक नफ़रत फैला रहे हैं। अनेक स्थानों से पुलिस,प्रशासनिक पक्षपातपूर्ण कार्रवाई की ख़बरें आ रही हैं। मुसलमानों के धर्म स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। जगह जगह बेगुनाह लोगों के घरों पर बुलडोज़र चलाये जा रहे हैं। दिसंबर 2019 में नागरिकता संशोधन विधेयक पर होने वाले विरोध प्रदर्शनों को लेकर यह मोदी ने ही तो कहा था कि जो आग लगा रहे हैं, टीवी पर जो उनके दृश्य आ रहे हैं, ये आग लगाने वाले कौन हैं, उनके कपड़ों से ही पता चल जाता है। और आज उन्हीं को सौगात पेश की जा रही है ? यदि भाजपा या मोदी वास्तव में मुसलमानों को सौगात देना चाहते हैं तो उन्हें व उनकी पार्टी व सरकार को भारतीय मुसलमानों से नफ़रत करने वाले लोगों की बयानबाज़ियों पर लगाम लगनी चाहिये। जब संसद में उनके सांसद खुले आम मुसलमानों को गालियां देने लगें तो समझा जा सकता है कि इस विरोध की जड़ें कितनी गहरी हैं। पक्षपात हर स्तर पर बंद होना चाहिये। इसी लिये यदि ईद पर सौगात दे रहे हैं तो दीपावली-होली,गुरुपर्व पर भी उपहार दिया जाना चाहिये।

प्रेमचंद की कहानियां

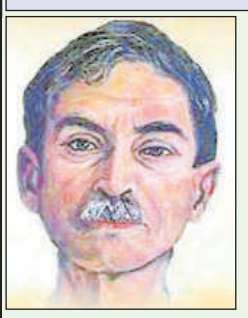

पूस की रात

फिर भी ठंड कम न हुई। ऐसा जान पड़ता था, सारा रका जम गया है, धमनियों में रक्त की जगह हिम बह रहा है। उसने झुककर आकाश की ओर देखा, अभी कितनी रात बाकी है। सप्तर्षि अभी आकाश में आधे भी नहीं चढ़े। ऊपर आ जायेंगे तब कहीं सवेरा होगा। अभी पहर भर से ऊपर रात है। हल्कू के खेत से कोई एक गोली के टप्पे पर आमों का बाग था। पतझड़ शुरू हो गई थी। बाग में पत्तियों का ढेर लगा हुआ था। हल्कू ने सोचा, चलकर पत्तियां बटोरूं और उन्हें जलाकर खूब तापूं। रात को कोई मुझे पत्तियां बटोरते देखे तो समझे कोई भूत है। कौन जाने कोई जानवर ही छिपा बैठा हो; मगर अब तो बैठे नहीं रहा जाता उसने पास के अरहर के खेत में जाकर कई पौध उखाड़ लिए और उनका एक झाड़ बनाकर हाथ में सुलगता हुआ उपला लिए बगीचे की तरफ चला। जबरा ने उसे आते देखा तो पास आया और दुम हिलाने लगा।

हल्कू ने कहा-अब तो नहीं रहा जाता जबरू! चलो, बगीचे में पत्तियांबटोरकर तापें! टांटे हो जायेंगे, तो फिर आकर सोयेंगे। अभी तो रात बहुत है। जबरा ने कूं-कूं करके सहमति प्रकट की और आगे-आगे बगीचे की ओर चला।

बगीचे में खूब अंधेरा छाया हुआ था और अन्धकार में निर्दय पवन पत्तियों को कुचलता हुआ चला जाता था। वृक्षों से ओस की बूंदें टप-टप नीचे टपक रही थीं। एकाएक एक झोंका मेहंदी के फूलों की खुशबू लिए हुए आया। हल्कू ने कहा-कैसी अच्छी महक आई जबरू ! तुम्हारी नाक में भी सुगन्ध आ रही है ?

जबरा को कहीं जमीन पर एक हड्डी पड़ी मिल गई थी। उसे चिचोड़ रहा था।

क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

अकृष्टफलमूलानि वनवासरति सदा।
कुरुतेहरहः श्राद्धमृषिर्विप्रः च उच्यते।।

बिना जुती धरती से मिलने वाले फल-मूलादि का सेवन करने वाला तथा वन में निवास करने वाला और प्रतिदिन पितरों का श्राद्ध व तर्पण करने वाला ब्राह्मण ऋषि कहलाता है।

♦♦♦

भूकंप के लिए अनियोजित मानवीय गतिविधियां भी हैं जिम्मेदार!

-सुनील कुमार महला

28 मार्च का दिन म्यांमार और थाइलैंड के लिए एक बहुत ही बुरा दिन था। इस दिन यहां आए जोरदार व शक्तिशाली भूकंप ने दोनों देशों को बुरी तरह से हिलाकर रख दिया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार रिक्टर स्केल पर 7.7 की तीव्रता वाले इस भूकंप ने म्यांमार के सागाइंग क्षेत्र से लेकर थाइलैंड की राजधानी बैंकॉक तक भारी तबाही मचाई। इसके बाद आए 7.0 तीव्रता के एक और झटके ने स्थिति को और भी अधिक भयावह बना दिया। गौरतलब है कि भूकंप के झटके म्यांमार के अलावा थाईलैंड, बांग्लादेश, भारत, वियतनाम और चीन तक महसूस किए गए। पाठकों को बताता चलूं कि यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई है, जिससे कई इलाकों में दहशत, डर और खौफ का माहौल बन गया और इसका केंद्र राजधानी नेपीडॉ के पास बताया जा रहा है। वहीं शुक्रवार को आए भूकंप से मरने वालों की संख्या शनिवार को 1644 हो गई है। वहीं यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने आशंका जताई है कि भूकंप में मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा हो सकता है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत ने म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप के बाद मानवीय सहायता के लिए 'ऑपरेशन ब्रह्मा' शुरू किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत 40 टन रिलीफ सामग्री लेकर म्यांमार के यांगून बंदरगाह भेजे गए हैं। इसके अलावा 118 सदस्यीय फील्ड हॉस्पिटल यूनिट आगरा से मांडले के लिए रवाना हो चुकी है। भारत की 80 सदस्यीय एनडीआरएफ रेस्क्यू टीम के साथ सी130 विमान म्यांमार की राजधानी नेपीदा पहुंच चुका है। भारत ने इस मुश्किल घड़ी में म्यांमार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। भूकंप से हजारों लोग घायल बताए जा रहे हैं, वहीं अनेक लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। अभी संख्या में इजाफा हो सकता है, क्यों कि मलबे के नीचे और अधिक लोग दबे हो सकते हैं। उधर, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक 30 मंजिला इमारत गिर जाने से 10 लोगों की मौत हुई है। बैंकॉक शहर के अधिकारियों के अनुसार उन्हें अब तक 2,000 से ज्यादा इमारतों के नुकसान की रिपोर्ट मिली है। जियोलॉजिस्ट्स (भूगर्भवेत्ताओं) के मुताबिक यह देश में 200 साल में आया सबसे बड़ा भूकंप है। भूकंप के झटके इतने शक्तिशाली थे कि केंद्र से सैंकड़ों किमी दूर बैंकॉक के कई इमारतें नष्ट हो गईं। यहां तक कि भारत के मणिपुर तक भूकंप का असर हुआ है। जानकारी के अनुसार यहां के नोनी जिले में शनिवार को दोपहर 2:31 बजे 3.8 तीव्रता का भूकंप जमीन में 10 किलोमीटर की गहराई में था। हालांकि, भूकंप में किसी तरह के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।हालांकि, म्यांमार में राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी हैं, लेकिन हर तरफ मलबे के ढेर, टूटी सड़कें, और ढहती इमारतों का भयानक मंजर फैला हुआ है। अस्पतालों में खून की भारी किल्लत की खबरें सामने आ रही हैं, जिससे जिंदगी बचाने की जंग और मुश्किल हो गई है। भूकंप के कारण मरीजों को सड़कों पर लाकर इलाज करना पड़ा, यह दर्शाता है कि भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा का मानव के पास कोई तोड़ नहीं है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि म्यांमार भूकंप के लिहाज से सबसे अधिक सक्रिय क्षेत्रों में से एक है। वास्तव में,ग्लोबल सीस्मिक रिस्क मैप पर म्यांमार रेड जोन में है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार म्यांमार में धरती की सतह के नीचे की चट्टानों में एक बहुत बड़ी दरार मौजूद है, जो देश के कई हिस्सों से होकर गुजरती है। यह दरार म्यांमार के सैगोंग शहर के पास से गुजरती है इसलिए इसका नाम सैगोंग फॉल्ट पड़ा। यह म्यांमार में उत्तर से दक्षिण की तरफ 1200 किमी तक फैली हुई है। इसे स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट कहते हैं। इसका मतलब है कि इसके दोनों तरफ की चट्टानें एक-दूसरे के बगल से हॉरिजॉन्टल दिशा में खिसकती हैं।सैगोंग फॉल्ट में चट्टानों के खिसकने की अनुमानित रफ्तार 11 मिलीमीटर से 18 मिलीमीटर सालाना है।चट्टानों के लगातार खिसकने से ऊर्जा का दबाव बनता है और यह समय-समय पर भूकंप के रूप में ऊर्जा बाहर निकलती है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि भूकंप एक प्राकृतिक घटना है, जिसमें पृथ्वी के अंदर से ऊर्जा के निकलने के कारण तरंगें उत्पन्न होती हैं जो सभी दिशाओं में फैलकर पृथ्वी को कंपित करती हैं। भारत भी विश्व में भूकंप की दृष्टि से एक संवेदनशील क्षेत्र है। सच तो यह है कि भारत का लगभग 59त्न क्षेत्र विभिन्न तीव्रता के भूकंपों के लिये प्रवण है।गौरतलब है कि भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के महाद्वीपीय टकराव हिमालय में भूकंप के प्रमुख कारक हैं। जानकारी मिलती है कि भारतीय और यूरेशियन प्लेटें भी प्रतिवर्ष 40-50 मिलीमीटर की सापेक्ष दर से करीब आती जा रही हैं।यूरेशिया के नीचे भारत के उत्तर की ओर धकेलने/बढ़ने से कई भूकंप उत्पन्न होते हैं, फलस्वरूप यह इस क्षेत्र को पृथ्वी पर भूकंपीय रूप से सबसे अधिक खतरनाक क्षेत्रों में से एक बनाता है। कहना गलत नहीं होगा कि तकनीकी रूप से सक्रिय वलित हिमालय पर्वत की उपस्थिति के कारण भारत भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। पाठकों को बताता चलूं कि विश्व की सबसे बड़ी भूकंप पेटी, परि-प्रशांत भूकंपीय पेटी, प्रशांत महासागर के किनारे पाई जाती है, जहाँ हमारे ग्रह के सबसे बड़े भूकंपों के लगभग 81त्न आते हैं। इसे रिंग ऑफ फायर उपनाम से भी जाना जाता है। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि यह ठीक है भूकंप एक प्राकृतिक आपदा है, लेकिन बावजूद इसके यह कहना ग़लत नहीं होगा कि आज भूकंप आने के पीछे कहीं न कहीं मानवीय गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं। आज मानव अप्राकृतिक निर्माण कार्य कर रहा है, प्रकृति से निरंतर छेड़छाड़ की घटनाओं को अंजाम दे रहा है। खनन, सुरंग निर्माण, बांध निर्माण, पेड़ों की कटाई की जा रही है। बढ़ती आबादी के बीच अनियोजित शहरीकरण, औधोगिकीकरण हो रहा है। प्रकृति का हम ख्याल नहीं रख पा रहे हैं। मनुष्य हर कहीं अपने लालच और स्वार्थ के चलते प्राकृतिक संसाधनों का लगातार दोहन कर रहा है। हाल ही में म्यांमार और थाइलैंड में आया भूकंप एक बार फिर यह बखूबी साबित करता है कि प्रकृति के सामने मनुष्य अत्यंत असहाय है। कहना चाहूंगा कि प्रकृति का विकराल रूप मानव समाज के सामने कई चुनौतियां खड़ी करता है। हम जानते हैं कि भूकंप का पूर्वानुमान कर पाना संभव नहीं है, भले ही आज हम एआइ के युग में ही प्रवेश क्यों न कर गये हों। म्यांमार के लिए यह बहुत बड़ी दुःख व संकट की घड़ी है। मानव ही मानव के काम आता है।इन भयावह और संकट भरे हालातों में पीड़ित लोगों के साथ सहानुभूति और मदद ही सबसे जरूरी है। वास्तव में, इंसानियत की भावना ही पीड़ितों के दुख को कम कर सकती है। भारत सरकार ने दुःख की इस असीम घड़ी में पड़ौसी म्यांमार की सहायता के लिए हाथ बढ़ाया है, यह काबिले-तारीफ है।

प्रेरक प्रसंग

महानता के लक्षण

एक बालक नित्य विद्यालय पढ़ने जाता था। घर में उसकी माता थी। माँ अपने बेटे पर प्राण न्योछावर किए रहती थी, उसकी हर मांग पूरी करने में आनंद का अनुभव करती। पुत्र भी पढ़ने-लिखने में बड़ा तेज़ और परिश्रमी था। खेल के समय खेलता, लेकिन पढ़ने के समय का ध्यान रखता।

एक दिन दरवाज़े पर किसी ने - माई! ओ माई! पुकारते हुए आवाज़ लगाई तो बालक हाथ में पुस्तक पकड़े हुए द्वार पर गया, देखा कि एक फटेहाल बुढ़िया कांपते हाथ फैलाए खड़ी थी।

उसने कहा, बेटा! कुछ भीख दे दे।

बुढ़िया के मुंह से बेटा सुनकर वह भावुक हो गया और माँ से आकर कहने लगा, माँ! एक बेचारी गरीब माँ मुझे बेटा कहकर कुछ माँग रही है।

उस समय घर में कुछ खाने की चीज़ थी नहीं, इसलिए माँ ने कहा, बेटा! रोटी-भात तो कुछ बचा नहीं है, चाहे तो चावल दे दो।

पर बालक ने हठ करते हुए कहा - माँ! चावल से क्या होगा? तुम जो अपने हाथ में सोने का कंगन पहने हो, वही दे दो न उस बेचारी को। मैं जब बड़ा होकर कमाऊंगा तो तुम्हें दो कंगन बनवा दूंगा।

माँ ने बालक का मन रखने के लिए सच में ही सोने का अपना वह कंगन कलाई से उतारा और कहा, लो, दे दो।

बालक खुशी-खुशी वह कंगन उस भिखारिन को दे आया। भिखारिन को तो मानो एक खज़ाना ही मिल गया। कंगन बेचकर उसने परिवार के बच्चों के लिए अनाज, कपड़े आदि जुटा लिए। उसका पति अंधा था। उधर वह बालक पढ़-लिखकर बड़ा विद्वान हुआ, काफ़ी नाम कमाया।

एक दिन वह माँ से बोला, माँ! तुम अपने हाथ का नाप दे दो, मैं कंगन बनवा दूं। उसे बचपन का अपना वचन याद था।

पर माता ने कहा, उसकी चिंता छोड़। मैं इतनी बूढ़ी हो गई हूँ कि अब मुझे कंगन शोभा नहीं देंगे। हां, कलकत्ते के तमाम ग़रीब बालक विद्यालय और चिकित्सा के लिए मारे-मारे फिरते हैं, उनके लिए तू एक विद्यालय और एक चिकित्सालय खुलवा दे जहां निशुल्क पढ़ाई और चिकित्सा की व्यवस्था हो। माँ के उस पुत्र का नाम था ईश्वरचंद्र विद्यासागर।

आपका पत्र मिला

आतंकवाद से निपटने के लिए कठोर कदम जरूरी

आतंकवाद का मुद्दा एक जटिल और गंभीर समस्या है, जो न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के लिए एक बड़ा खतरा है। हाल ही में कश्मीर के कठुआ में सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवादियों को मार गिराने की घटना इस बात का प्रमाण है कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देने की अपनी नीति पर कायम है। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति खराब होने के बावजूद, वह आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर संसाधनों का उपयोग कर रहा है। यह एक खतरनाक रणनीति है, जो न केवल भारत बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक बड़ा खतरा है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि पाकिस्तान द्वारा सीमा पार प्रायोजित ढंग से आतंकवाद को बढ़ावा देना जम्मू-कश्मीर में शांति और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी बाधा है। भारत सरकार को इस समस्या से निपटने के लिए कड़े कदम उठाने की आवश्यकता है। इसके लिए आधुनिक हथियारों और तकनीक का उपयोग करके सीमा की सुरक्षा को मजबूत करना होगा। इसके अलावा, आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत खुफिया तंत्र की आवश्यकता है, जो आतंकवादी गतिविधियों की पहचान करने और उन्हें रोकने में सक्षम हो। भारत सरकार को आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत कानूनी ढांचे की आवश्यकता है। इसके लिए आतंकवाद विरोधी कानूनों को मजबूत करना होगा और आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत न्यायिक प्रणाली की स्थापना करनी होगी। हमें आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत और एकजुट मोर्चा प्रस्तुत करना होगा। पाकिस्तान को एक मजबूत और स्पष्ट संदेश देना होगा कि आतंकवाद को बढ़ावा देने की उनकी नीति को हम कभी भी स्वीकार नहीं करेंगे।

सुभाष बुड़ावन वाला
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं। संपादक,
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrab-harat77@gmail.com

डायबिटीज या हार्ट के हैं मरीज तो व्रत के दौरान रखें ये सावधानियां

चैत्र नवरात्रि रविवार (30 मार्च) से शुरू हो गई है। यह हिंदी कैलेंडर के अनुसार नव वर्ष का शुभारंभ भी है। मां शक्ति को नौ रूपों की आराधना और भक्ति के लिए लोग देशभर में नवरात्रि का व्रत करते हैं। नवरात्रि के उपवास का आध्यात्मिक महत्व तो होता ही है साथ ही व्रत करने को सेहत के लिए भी बहुत लाभप्रद माना जाता है। नवरात्रि आध्यात्मिक चिंतन और भक्ति का समय है। अगर आप भी नवरात्रि का व्रत कर रहे हैं तो व्रत के साथ अपनी सेहत का भी जरूर ध्यान रखें। मेडिकल साइंस मानता है कि व्रत करना शरीर को डिटॉक्स करने और मन को शांत-एकाग्र करने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है। हालांकि व्रत के दौरान सेहत को लेकर बरती गई असावधानियां आपके लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली हो सकती हैं।

नवरात्रि व्रत के दौरान रखें सेहत का ध्यान

नवरात्रि व्रत के दौरान डायबिटीज और हृदय रोगियों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। अगर आप इस तरह की समस्याओं से परेशान हैं तो बिना डॉक्टरी सलाह के ज्यादा देर खाली पेट रहना स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाला हो सकता है। डायबिटीज के मरीजों को उपवास के दौरान शुगर लेवल को नियंत्रित रखना सबसे महत्वपूर्ण होता है। ज्यादा देर तक कुछ न खाने से हाइपोग्लाइसीमिया (ब्लड शुगर कम होना) या हाइपरग्लाइसीमिया (ब्लड शुगर अधिक होना) का खतरा हो सकता है। इसलिए अगर आपको हाई डायबिटीज रहती है तो बिना डॉक्टरी सलाह के व्रत नहीं करना चाहिए।

डायबिटीज रोगी व्रत के दौरान क्या सावधानी बरतें

अगर आपको डायबिटीज है, फिर भी व्रत कर रहे हैं तो ब्लड शुगर की नियमित जांच करें, जिससे पता चल सके कि शुगर बढ़ या कम तो नहीं रहा है? उपवास के दौरान संतुलित आहार लें। साबूदाना, आलू जैसे हाई कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन से बचें क्योंकि ये रक्त शर्करा को तेजी से बढ़ा सकते हैं। साबुत अनाज (राजगिरा, सिंघाड़े का आटा) और फाइबर युक्त फल-सब्जियां जैसे

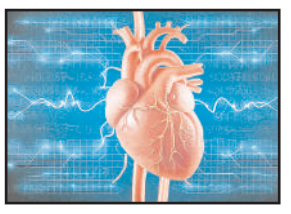

सेब, नाशपाती, पपीता खा सकते हैं। व्रत के दौरान हाइड्रेशन का ध्यान रखना जरूरी है। शरीर में पानी की कमी होने से डायबिटीज की जटिलताएं काफी बढ़ सकती हैं।

हृदय रोगी भी बरतें सावधानियां

डायबिटीज की तरह हृदय रोगों के शिकार लोगों को भी उपवास के दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। गलत खानपान या ज्यादा देर तक कुछ न खाने से ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है। फलाहार के दौरान लो-फैट और लो-सोडियम वाली चीजें खाइए। तले-भुने खाद्य पदार्थ से बचें क्योंकि ये कोलेस्ट्रॉल बढ़ा सकते हैं। घी और मक्खन वाली चीजें खाने से बचिए इससे भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का खतरा हो सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन के अनुसार, मधुमेह रोगियों को ज्यादा देर खाली पेट नहीं रहना चाहिए। अगर आप व्रत कर रहे हैं तो पहले डॉक्टर से परामर्श ले लें।

यूरोपियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन के अनुसार, हार्ट के मरीजों को उपवास के दौरान लो-सोडियम और हाई-फाइबर डाइट अपनानी चाहिए ताकि कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहे।

इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्राइनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म के अनुसार, डायबिटीज के मरीजों को इंटरमिटेंट फास्टिंग से पहले इंसुलिन और दवा के डोज को एडजस्ट करना चाहिए ताकि शुगर लेवल स्थिर रहे। इसके लिए डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें। उपवास के दौरान हाई-फाइबर, लो-कार्ब, लो-फैट और हाई-प्रोटीन युक्त आहार का सेवन करें।

नियमित रूप से ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर की निगरानी करें।

रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए याद रखें ये 10 अहम बातें

रिश्ता बागीचे की तरह होता है, जिसे खिलने के लिए देखभाल, ध्यान और पोषण की जरूरत होती है। चाहे आप रोमांस के शुरुआती दौर में हों या दशकों से साथ रह रहे हों, कुछ बुनियादी नियम आपक रिश्ते को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं। बिना ये समझे कि वह रिश्ते में क्या चाहते हैं या उनका साथी क्या उम्मीद कर रहा है, वह रिश्ते में जल्दबाजी करते हैं। अपने संबंध को घनिष्ठ बनाने के लिए नियमों को पालन जरूरी है। किसी भी रिश्ते में कुछ नियम ऐसे नुस्खे की तरह हैं जिनका पालन आपके बीच के संघर्ष को कम कर सकता है।

आमतौर पर कई रिश्ते शुरुआती उत्साह के बाद बदलाव का अनुभव करते हैं लेकिन अगर उनके रिश्ते में स्पष्टता और मजबूत प्रतिबद्धता हो तो वह गहरे और अधिक संतोषजनक संबंध को विकसित कर सकते हैं। यहां 10 नियम दिए गए हैं जिन्हें हर कपल को स्वस्थ, स्थायी रिश्ता बनाए रखने के लिए ध्यान में रखना चाहिए।

मजबूत रिश्ते के लिए 10 नियम

1. ईमानदारी रखें

अपने साथी से कुछ भी न छुपाएं, सच बोलें और पारदर्शी रहें। रिश्ते में इमानदारी और सच्चाई का होना बेहद अहम होता है। यह रिश्ते को लंबे समय तक मजबूत बनाने के लिए जरूरी है।

2. सम्मान दें- एक-दूसरे की भावनाओं, विचारों और फैसलों का आदर करें। अपने रिश्ते में आप दोनों समान स्थिति में हैं। पार्टनर से खुद को ऊपर न रखें कि आपको ज्यादा ज्ञान है, आप ज्यादा समझदार हैं या आप ज्यादा कमाते हैं।

3. संवाद करें- एक दूसरे से खुलकर बात करें, गलतफहमियों को बढ़ने न दें। जब हेल्दी संवाद की कमी होती है तो रिश्ते में गलतफहमियां और अविश्वास की भावना बढ़ती है। इसलिए खुलकर अपने दिल की बात शेयर करें।

4. समय दें- अपने रिश्ते को समय देना जरूरी है, साथ में क्वालिटी टाइम बिताएं।

5. भरोसा जताएं- रिश्ते की बुनियाद विश्वास पर टिकी होती है, इसे कभी न तोड़ें।

6. माफी की भावना- गलती होने पर अहंकार छोड़कर माफी मांगें और साथी को माफ करना सीखें।

7. फैसलों में साथ दें- अगर साथी कोई फैसला ले रहा है तो उसे फैसला लेने दें, उसका मनोबल गिराने के बजाय उनके फैसलों में उनका साथ दें।

8. सपोर्ट करें-मुश्किल समय में एक-दूसरे के साथ खड़े रहें और भावनात्मक सहारा दें।

9. अंतर को समझें-हर इंसान अलग होता है, मतभेद को सम्मानपूर्वक स्वीकार करें।

10. तुलना से बचें- अपने साथी की तुलना परिवार के किसी सदस्य या अपने दोस्तों व परिचितों से न करें। उनकी क्षमताओं का सम्मान करें।

गर्मियों में बेहद फायदेमंद होता है बेल का शरबत

गर्मी का मौसम आते ही शरीर को ठंडक पहुंचाने वाले पेय पदार्थों की तलाश शुरू हो जाती है। इस मौसम में बेल का शरबत एक लोकप्रिय और पारंपरिक विकल्प है, जो न केवल स्वादिष्ट होता है बल्कि सेहत के लिए भी कई तरह से फायदेमंद होता है। बेल अपने शीतल गुणों के कारण गर्मियों में विशेष रूप से पसंद किया जाता है। आज हम आपको गर्मी में बेल का शरबत पीने के फायदों के बारे में विस्तार से बताएंगे, साथ ही कुछ संभावित दुष्प्रभावों की भी जानकारी देंगे। बेल की तासीर ठंडी होती है, इसलिए गर्मी के मौसम में इसका शरबत पीने से शरीर को तुरंत ठंडक मिलती है। तपती धूप में बाहर निकलने से पहले बेल का शरबत पीने से शरीर का तापमान संतुलित रहता है और ताजगी महसूस होती है। बेल के शरबत पीने के कई फायदे होते हैं, मगर कुछ लोगों ये शरबत नुकसानदायक हो सकता है। आइए इस लेख में जानते हैं।

पाचन क्रिया को सुधारे

बेल में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने में सहायक है। यह कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है और आंतों को स्वस्थ रखता है। गर्मी में अक्सर पाचन संबंधी समस्याएं हो जाती हैं, ऐसे में बेल का शरबत एक प्राकृतिक और प्रभावी उपाय हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

बेल में विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। गर्मी के मौसम में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, ऐसे में बेल का शरबत पीने से आप कई बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं।

शरीर को हाइड्रेटेड रखे

गर्मी में पसीने के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। बेल के शरबत में पानी की अच्छी मात्रा होती है, जो शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है।

इन लोगों को नहीं पीना चाहिए बेल का शरबत-

हालांकि बेल का शरबत आमतौर पर सुरक्षित माना जाता है, लेकिन कुछ लोगों में इसके अधिक सेवन से कुछ दुष्प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

बेल का शरबत अधिक मात्रा में पीने से पेट में भारीपन या हल्का दर्द महसूस हो सकता है, ऐसे लोगों को डॉक्टर से परामर्श लेनी चाहिए। जिन लोगों को बेल से एलर्जी है, उन्हें ये शरबत पीने से बचना चाहिए नहीं तो खुजली जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को बेल का शरबत पीने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। पथरी, डायबिटीज, थायराइड से संबंधित मरीजों को बेल का शरबत पीने से बचना चाहिए।

कंधे के दर्द के लिए बेहद कारगर होते हैं ये योगासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कंधे का दर्द एक आम समस्या बन गई है। लंबे समय तक कंप्यूटर पर काम करना, गलत पोस्चर में बैठना या भारी सामान उठाना कंधे की मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द का कारण बन सकता है। इस दर्द से राहत पाने के लिए लोग अक्सर पेनकिलर या अन्य तरह के उपचार का सहारा लेते हैं, लेकिन योग एक प्राकृतिक और प्रभावी तरीका है जिससे कंधे के दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है। योग न केवल शारीरिक रूप से आपको स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है। कंधे के दर्द के लिए कुछ विशेष योगासन का रोज अभ्यास करने आपका ये दर्द ठीक हो सकता है। इनका नियमित अभ्यास करने से कंधे की मांसपेशियों में लचीलापन आता है, रक्त संचार बेहतर होता है और दर्द से राहत मिलती है। आज हम आपको कंधे के दर्द से छुटकारा पाने वाले ऐसे ही 4 योगासनों के बारे में बताने जा रहे हैं-

गोमुखासन - इस आसन को करने के लिए जमीन पर आराम से बैठ जाएं और पैरों को सामने की ओर फैला लें। फिर बाएं पैर को मोड़कर एड़ी को दाएं कूल्हे के पास रखें। इसके बाद दाएं पैर को मोड़कर बाएं पैर के ऊपर इस तरह रखें कि दोनों घुटने एक-दूसरे के ऊपर आ जाएं। अपनी पीठ को सीधा रखते हुए, दाहिने हाथ को ऊपर उठाएं और कोहनी से मोड़कर पीठ के पीछे ले जाएं। अब बाएं हाथ को नीचे से पीठ के पीछे ले जाएं और दोनों हाथों को आपस में पकड़ने की कोशिश करें।

गरुड़ासन - इस आसन को करने के लिए सीधे खड़े हो जाएं और अपने शरीर को संतुलित रखें। अपने दाहिने पैर को थोड़ा सा मोड़ें और बाएं पैर को दाहिने पैर के चारों ओर लपेटें, ध्यान रहे कि बाएं पैर का पंजा दाहिने पिंडली के पीछे टिका होना चाहिए। अब अपने हाथों को सामने की ओर फैलाएं और अपनी दाहिनी भुजा को बाईं भुजा के ऊपर से लपेटें। अपनी कोहनियों को मोड़ें और हथेलियों को आपस में मिलाएं। अपनी दृष्टि को एक बिंदु पर केंद्रित करें और इस स्थिति में 30 से 60 सेकंड तक रहें। फिर धीरे-धीरे हाथों और पैरों को खोलकर सामान्य स्थिति में आ जाएं। इसी प्रक्रिया को दूसरी तरफ से भी दोहराएं।

उत्तानासन- इस आसन को करने के लिए सीधे खड़े हो जाएं और अपने पैरों को कूल्हे-चौड़ाई जितना खोल लें। सांस लेते हुए अपने हाथों को ऊपर की ओर उठाएं, और फिर सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें, अपनी पीठ को सीधा रखने की कोशिश करें। अपने हाथों को जमीन पर या अपने पैरों के पास रखें, यदि आप जमीन तक नहीं पहुंच पाते हैं, तो आप अपनी पिंडलियों को पकड़ सकते हैं। अपने सिर को नीचे की ओर लटकाएं और अपने कंधों को आराम दें। इस स्थिति में 30 से 60 सेकंड तक रहें, फिर सांस लेते हुए धीरे-धीरे ऊपर उठें और सामान्य स्थिति में आ जाएं।

किताबें पढ़ने से आपके मस्तिष्क में क्या परिवर्तन होता है

हमारे मस्तिष्क की संरचना, रसायन विज्ञान या भौतिकी के बारे में कोई भी जानकारी पढ़ने से अछूती नहीं रहती। स्पेन के न्यूरोलॉजिस्ट फ्रांसिस्को मोरा के अनुसार, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप जो किताब या जो कुछ भी पढ़ रहे हैं, उसने आपकी रुचि जगाई है या नहीं, और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने आपकी भावनाओं को कितना प्रभावित किया है। आठ साल पहले प्रकाशित अपनी पुस्तक न्यूरोएजुकेशन में मोरा कहते हैं, आप केवल वही सीख सकते हैं जो आपको पसंद है। यह पुस्तक इस बात पर आधारित है कि मस्तिष्क विज्ञान किस प्रकार लोगों के सीखने और सिखाने के तरीके को बेहतर बना सकता है। पिछले वर्ष, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर (मोरा) ने अपनी पिछली सफल पुस्तक के मुख्य विषय पर विस्तार करते हुए, न्यूरोएजुकेशन एंड रीडिंग नामक एक अन्य पुस्तक भी प्रकाशित की। इस नई पुस्तक में, उन्होंने पढ़ने की क्षमता को मानवता के लिए एक सच्ची क्रांति के रूप में परिभाषित किया है। पढ़ना एक कृत्रिम और हालिया प्रक्रिया है। मोरा कहते हैं, हमने लगभग 2 से 3 मिलियन वर्ष पहले आनुवंशिक उत्परिवर्तन के माध्यम से बोलने की क्षमता हासिल की थी। तब से, मनुष्य बोलने के लिए आवश्यक तंत्रिका सर्किट के साथ पैदा हुआ है, हालांकि बोलना केवल दूसरों के साथ बातचीत के माध्यम से ही सीखा जा सकता है। फ्रांसिस्को मोरा ने चिकित्सक के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त किया है और वे तंत्रिका विज्ञान के डॉक्टर हैं। न्यूरोएजुकेशन एंड रीडिंग में वे लिखते हैं, हम एक मस्तिष्क डिस्क के साथ पैदा होते हैं जिस पर हम रिकॉर्ड कर सकते हैं। लेकिन अगर हम कुछ भी रिकॉर्ड नहीं करेंगे तो यह खाली ही रहेगा। दूसरी ओर, पढ़ना लगभग 6,000 वर्ष पहले अस्तित्व में आया, जब हमें अपनी जनजाति के बाहर संवाद करने की आवश्यकता महसूस हुई, क्योंकि बोले गए शब्दों की पहुंच सीमित थी। इसके अलावा, इसका आधार आनुवंशिक नहीं बल्कि सीखा हुआ या सांस्कृतिक है। मोरा अपनी पुस्तक में बताते हैं, पढ़ना एक ऐसी प्रक्रिया है जो वंशानुगत (जीन

-विजय गर्ग

में) नहीं होती है और इसलिए यह स्वचालित रूप से अगली पीढ़ी तक नहीं पहुंच सकती हैयह ऐसी चीज़ है जिसे हर इंसान को स्वयं सीखना होगा, जिसके लिए हर बार सीखने और याद रखने की ज़रूरत होती है। अच्छी तरह से या अच्छे तरीके से पढ़ने के लिए प्रयास, ध्यान, स्मृति और स्पष्ट प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, और यदि आप बहुत अधिक पढ़ना चाहते हैं, तो आपको अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा इसके लिए समर्पित करना होगा। हालांकि, वे कहते हैं कि महंगा और कड़ी मेहनत का मतलब यह नहीं है कि आपको इसके लिए बहुत कष्ट उठाना पड़ेगा। हालाँकि, जब मोरा चार साल का था, तो उसे पढ़ाई में लापरवाही बरतने के कारण स्कूल से सज़ा मिलनी शुरू हो गई। इसका कारण यह था कि मोरा के शिक्षकों ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि बच्चे का मस्तिष्क कैसे काम करता है। तेजी से पढ़ना सीखने से आप अधिक बुद्धिमान नहीं बन जाते। मोरा के अनुसार, बच्चे मां के गर्भ से ही सीखने की मशीन होते हैं। बल्कि, मनुष्य को लगभग सब कुछ सीखना पड़ता है। पढ़ना सीखना बच्चे के विकास में एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसे लेकर कभी-कभी माता-पिता को गर्व होता है तो कभी-कभी चिंता भी होती है। वे कहते हैं, जब एक माँ को पता चलता है कि उसका 5 साल का बच्चा पढ़ना सीखने में संघर्ष कर रहा है, जबकि उसके पड़ोस में रहने वाला 4 साल का बच्चा अच्छे अंकों से पढ़ रहा है, तो वह माँ स्वयं से पूछ सकती है - क्या मेरा बच्चा इतना मूर्ख है? तंत्रिका विज्ञान ने दर्शाया है कि मस्तिष्क के कुछ हिस्सों को पढ़ना सीखने के लिए पहले से परिपक्व होना पड़ता है। यह 3 वर्ष की आयु में भी हो सकता है, लेकिन आमतौर पर 6 या 7 वर्ष की आयु इसके लिए सर्वोत्तम मानी जाती है। इस कारण से, वे लिखते हैं, यह अनुशंसा की जाती है कि औपचारिक पठन निर्देश 7 वर्ष की आयु से शुरू हो, ÷एक ऐसी आयु जिस पर, लगभग निश्चित रूप से, सभी बच्चों ने पढ़ने के लिए आवश्यक घटकों का विकास कर लिया होगा और वे पढ़ना सीखने के पूर्ण अर्थ और निहितार्थ को समझने में सक्षम हो जाते हैं। शिक्षा के मामले में फिनलैंड को बहुत उन्नत माना जाता है और वहां बच्चे इसी उम्र में पढ़ना सीखना शुरू कर देते हैं। न्यूरोएजुकेशन के महत्व को समझाते हुए मोरा कहते हैं कि शिक्षा इस बात पर निर्भर करती है कि आपका मस्तिष्क कैसे काम करता है। दूसरा पहलू यह है कि बच्चों को छोटी उम्र में सीखने और अध्ययन करने के लिए मजबूर करने से उन पर अनावश्यक बोझ पड़ता है और वे चिंतित हो जाते हैं। इस मामले में प्रयुक्त 3-4 वर्ष की जल्दबाजी का भविष्य के संदर्भ में कोई विशेष महत्व नहीं है। सीधे शब्दों में कहें तो, इससे आपकी पढ़ाई में कोई मदद नहीं मिलती और न ही यह आपको अधिक बुद्धिमान बनाता है। मोरा के अनुसार, मस्तिष्क की परिपक्वता में एक मौलिक आनुवंशिक घटक होता है, लेकिन एक सांस्कृतिक घटक भी होता है जो घर से जुड़ा होता है। ऐसे माता-पिता के साथ बड़ा होना जो स्वयं पढ़ते हैं या आपके लिए पढ़कर सुनाते हैं, एक भावनात्मक पहलू होता है जो पढ़ना सीखने में बहुत मदद करता है।

मां दुर्गा के नौ स्वरूप से सीखें ये 9 बातें, जीवन बन जाएगा आसान

देवी की कई रूपों में पूजा की जाती है। वह जगत जननी हैं जो वहीं मां अन्नपूर्णा भी हैं, मां महालक्ष्मी स्वरूपा हैं तो सरस्वती भी हैं। माता कभी काली -कभी चंडी का स्वरूप धारण कर लेती हैं। कभी वह ब्रह्मचारिणी तो कभी महागौरी के रूप में पूजनीय हैं। उनका हर स्वरूप नारी शक्ति के हर पहलू को दर्शाता है और महिला सशक्तिकरण की एक अद्भुत मिसाल भी पेश करता है। देवी के नौ स्वरूपों का व्यक्तित्व अलग अलग है। उनके नव स्वरूपों से नौ अलग सीख प्राप्त की जा सकती है, जो हर किसी के जीवन में, खासकर महिलाओं के लिए काफी लाभकारी हो सकती हैं।

मां दुर्गा के नौ स्वरूप और उनके गुण जिससे लें सीख

माता शैलपुत्री

मां दुर्गा का ये रूप धैर्य और सहनशीलता का प्रतीक हैं। देवी पार्वती को मां शैलपुत्री माना जाता है, जो हिमालय की पुत्री हैं। उनसे यह भी सीख मिलती है कि जिस तरह से पहाड़ मजबूत होते हैं, उसी तरह रिश्तों की नींव मजबूत होनी चाहिए।

मां ब्रह्मचारिणी

माता ब्रह्मचारिणी संयम और तप का प्रतीक हैं जो हमें सिखाता है कि कैसे मुश्किल समय में संयम रख सकते हैं। माता के इस स्वरूप से हमें सीख मिलती है कि रिश्तों में धैर्य और समर्पण होना चाहिए।

मां चंद्रघंटा

नवदुर्गा का चंद्रघंटा स्वरूप भक्ति और सेवा का रूप है, जो हमें समाज के लिए सेवा का भाव सिखाता है। माता चंद्रघंटा रिश्ते में संतुलन का प्रतीक भी हैं जो हमें गुस्से और शांति दोनों का महत्व दर्शाती हैं।

माता कूष्मांडा

देवी का यह रूप साहस का प्रतीक है। मां दुर्गा ने राक्षस महिषासुर को हराने के लिए अपना साहस और बल दिखाया। इसके साथ ही देवी का चौथा रूप सृष्टि के सृजन और संचालन का प्रतीक है।

देवी स्कंदमाता

मां दुर्गा का यह रूप प्रेम, दया, करुणा और देखभाल का प्रतीक है जो पूर्ण रूप से मातृत्व के गुण को दर्शाता है। इसके अलावा देवी स्कंदमाता ने देवासुर संग्राम में सेनापति की भूमिका अदा की थी। ये लीडरशिप क्वालिटी को अपनाने की सीख देता है।

माता कात्यायनी

देवी दुर्गा का यह रूप धर्म और न्याय का प्रतीक है। उनसे सीख मिलती है कि रिश्तों में एक दूसरे के लिए खड़े होना चाहिए। साथ ही, एक दूसरे का सम्मान करना भी जरूरी है।

माता कालरात्रि

यह स्वरूप हमें नकारात्मक चीजों का त्याग करने और कठिनाइयों का सामना करने की शक्ति देता है। उनसे सीख मिलती है कि रिश्तों में मुश्किल समय आने पर भी साथ रहना चाहिए और मुश्किलों का सामना करना सीखना चाहिए। देवी के इस सप्तम स्वरूप को बुराईयों का नाश करने वाला माना जाता है।

माता महागौरी

महागौरी स्वरूपा माता का पवित्रता का प्रतीक है जो हमें जीवन में शुद्धता और पवित्रता बनाए रखने की प्रेरणा देता है। माता महागौरी में क्षमा और शांति का गुण है जो हमें सिखाता है कि रिश्तों में एक दूसरे को माफकरना और साफ दिल रखना जरूरी है।

माता सिद्धिदात्री

यह रूप आत्मसमर्पण का प्रतीक है। इस रूप से ये सीख मिलती है कि रिश्तों में एक दूसरे को महत्व देना चाहिए और उनका समर्थन करना चाहिए। तभी रिश्ते सफल होते हैं।

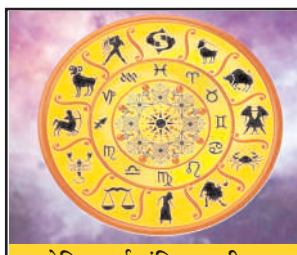

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ सोमवार, 31 मार्च 2025

श्री शुभ सम्वत् 2082 शके 1946 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते बसंत ऋतौ चैत्र मासोत्तमे शुक्ल पक्षे। द्वितीया तिथौ सोम वासरे 09/12/ अश्विनी नक्षत्रे 13/45/ वैधृति योग 13/46/ कौलव करणे 09/12/ मेष राशिगत चन्द्रमा घं.मि.पर।

व्रत एवं त्यौहार- गणगौर। मत्स्य जयंती। श्रीझूलेलाल जयंती। ईद। तृतीया तिथिक्षय।द्विजरी सब्वल 10 माह शुरू।

मेष : पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति बखूबी करेंगे। शेयर्स स्था में अर्थ लाभ होगा। वाहन मकान का सुख मिलेगा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृष : वाद विवाद पर विजय प्राप्त होगी। कार्य व्यापार में सामान्य प्रगति होगी। नियमित दिनचर्या रहेगी। राजनेता का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन : प्रगति के नए अवसर मिलेंगे। सामाजिक कार्यों में विशेष रुचि रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के पानी से हर्ष होगा।

कर्क : आर्थिक मामलों में चल रहा प्रयास सफल होगा। वाणी पर संयम रखने के कारण बिगड़ते कार्य बनते दिखाई देंगे। रचनात्मक कार्य सफल होंगे।

सिंह : किसी मूल्यवान वस्तु के पानी के अभिलाषा पूरी होगी। आर्थिक मामलों में चल रहा प्रयास सफल होगा मित्रों से संबंध प्रगाढ़ होंगें।

कन्या : संबंधित अधिकारी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में किसी धार्मिक उत्सव के कारण प्रसन्नता रहेगी। नेत्र पीड़ा से पीड़ित होंगे।

तुला : समारोह तथा गोष्ठियों में जाने का अवसर प्राप्त होगा। सत्तापक्ष से अनुकूल सहयोग प्राप्त होगा। ऋण लेने की स्थिति बनेगी।

वृश्चिक : राजकीय सम्मान लेने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। वाद-विवाद से दूर रहें। राज्य अधिकारी वर्ग से हानि होगी। यात्रा का योग है।

धनु : किसी सूचना से प्रसन्नता व भाग्य को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक व्यय की पूर्ति के लिए स्था लॉटरी जैसे प्रयास उपयोगी होंगे।

मकर : किसी मित्र के आगमन की सूचना से मन प्रसन्न होगा। व्यवसाय की स्थिति सामान्य रहेगी। भाग्य से धन बढ़ेगा।

कुंभ : आर्थिक लेनदेन निपट सकेगा। विरोधी की ओर से परेशानी होगी। भाग्य से धन बढ़ेगा। मन में आशंका रहेंगी।

मीन : आर्थिक मामलों में जीवनसाथी से विवाद होगा। व्यापार व्यवसाय में हानि हो सकती है। बढ़ते व्यय से समस्याएं होंगी।

खबर एक नजर

दिवंगत पूर्व मंत्री की स्मृति में शोक सभा आज

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के चिकमण्डी स्थित शांति उत्सव लान में आज समय करीब 03:00 बजे प्रबुद्धजनों की ओर से एक शोक सभा आयोजित कर दिवंगत पूर्व न्याय एवं विधि मंत्री गिरीश नारायण पांडे और उनकी धर्मपत्नी वीणा पाण्डेय को श्रद्धांजलि दी जायेगी। यह जानकारी देते हुए भाजपा मण्डल अध्यक्ष मनोज अवस्थी लोगों से शोक सभा में पहुंचने की अपील की।

रौनक का नवोदय में चयन, विद्यालय व परिवार को किया गौरवान्वित

सरेनी, रायबरेली। एसबीए शिक्षा सदन विद्यालय भोजपुर में कक्षा 8 के होनहार छात्र रौनक का नवोदय में चयन हुआ है। अब वह कक्षा 9 में प्रवेश लेगा। रौनक ने नवोदय की परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय के साथ-साथ परिवार का गौरव बढ़ाया है। वहीं बेटे की इस सफलता से गदगद पिता रामराज ने कहा कि मैं अत्यधिक गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि मेरे बेटे रौनक ने यह उपलब्धि प्राप्त की है। छात्र सरेनी के हरकिशुन खेड़ा गांव का रहने वाला है। छात्र की इस सफलता पर विद्यालय संचालक अनुज कुमार शुक्ला ने बताया कि एसबीए विद्यालय के दो छात्र पूर्व में भी नवोदय विद्यालय की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर चुके हैं। इसका श्रेय विद्यालय परिवार के उन होनहार शिक्षकों को जाता है जो बच्चों के साथ निरंतर मेहनत करते हैं। चयनित छात्र को बधाई देते हुए अनुज शुक्ला ने कहा कि यह विद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा प्रयास है कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। प्रबंधक सुशील कुमार अवस्थी ने बताया ऐसे बच्चे हमारे विद्यालय की गरिमा और गौरव हैं, उनके साथ विद्यालय परिवार पूरी लगन के साथ मेहनत करता है और हम लोग अच्छा रिजल्ट देने का प्रयास करते हैं। विद्यालय के शिक्षक अमित कुमार बाजपेई, अभिषेक शुक्ला, अमन चौधरी, अवधेश तिवारी, आकांक्षा शुक्ला, विप्रा सिंह, सपना सिंह, प्रज्ञा श्रीवास्तव आदि ने हर्ष व्यक्त कर रौनक को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वर्ष प्रतिपदा कार्यक्रम आयोजित

लालगंज, रायबरेली। कस्बे के बराती लाल गंगाराम विद्या मंदिर इंटर कॉलेज परिसर में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से वर्ष प्रतिपदा का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस मौके पर सैकड़ों स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में शामिल हुए। सभी ने आद्य सरसंघचालक डा0 केशव बलिराम हेडगेवार को नमन किया। कार्यक्रम में समग्र ग्राम विकास के प्रांत प्रमुख लायक सिंह ने बौद्धिक दिया। उन्होंने स्वयंसेवकों को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा दी। संघ के 100 वर्ष पूरे होने और उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ किसी का विरोध करने में विश्वास नहीं रखता, बल्कि संघ कार्य का विरोध करने वाला एक दिन राष्ट्र निर्माण में संघ का सहभागी बनेगाए ऐसा विश्वास रखता है। समाज के प्रत्येक वर्ग को संगठित होकर राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए। कहा कि भारत एक प्राचीन सभ्यता है। राष्ट्र अपनी आध्यात्मिक परंपराओं के आधार पर मानवता के हित में निरंतर लगा हुआ है। यही हमारी पहचान है। कार्यक्रम के अंत में संघ की परंपरा के अनुसार प्रार्थना कर कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर विभाग कार्यवाह उधम जायसवाल, जिला प्रचारक आशुतोष, सतीश त्रिवेदी, सचिन रस्तोगी, राजेश सोनी, राणा प्रताप गुप्ता, गोपालजी गुप्ता, पवन द्विवेदी, विमल गुप्ता, इंद्रेश सिंह, पंकज पांडेय, पुष्पम, पंकज सिंह सहित तमाम स्वयंसेवक मौजूद रहे।

हनुमान मंदिर निकट व भीड़भाड़ में शराब का ठेका खुलने पर व्यापारी आक्रोशित

रायबरेली। यूपी में 31 मार्च के पूर्व शराब ठेका का नवीनीकरण के बाद अब नए ठेकेदार शराब ठेका खोलने के लिए कुछ पुराने व नई दुकानों के चयन के बाद स्कूल, कॉलेज, मंदिर सहित भीड़भाड़ इलाकों से ठेका दूर करने की आवाजें उठती दिखाई दे रही है। प्रदेश मीडिया प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के नई गल्ला मंडी हनुमान मंदिर निकट नवीनीकरण के बाद शराब का ठेका खुलने से आसपास के व्यापारियों ने आक्रोशित दिखाई दिए। जिसको लेकर प्रदेश अध्यक्ष जीसी सिंह चौहान के नेतृत्व में चौहान गुट के दर्जनों व्यापारियों के साथ जिलाध्यक्ष मो उमर डीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है। शिकायत पत्र में बताया गया कि नई गल्ला मण्डी के पास के सभी ग्रामीण दुकानदार व्यापारी निवासी हैए उक्त स्थान पर एक शराब का ठेकाध्दुकान चल रही हैए कुछ कारणों से उक्त दुकान मालिक अपनी दुकान खाली करवा रहा है, जिससे ठेकेदार द्वारा मौखिक रूप से यह कहते हुए सुना गया है कि हनुमान मन्दिर के बगल में शराब की दुकान चलायेंगे। जबकि हनुमान मन्दिर के बगल में लेडीज कार्नर की एक दुकान भी चल रही है। हनुमान मन्दिर के निकट शराब का ठेका खुल जायेगा तो दर्शनार्थियों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ होगा और लेडीज कार्नर में आने वाली महिलाओं को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। यही नहीं विगत वर्ष भी इसी प्रकार इसी मन्दिर के निकट शराब का ठेका खुलने जा रहा था परन्तु पूर्व जिलाधिकारी के हस्तक्षेप के कारण नहीं खुल पाया था। सभी स्थानीय निवासियों व व्यापारियों ने कहा कि भावना व आम जनमानस की भावना को दृष्टिगत रखते हुए शराब का ठेकाध्दुकान खुलने से रोका जाय। वही सलोंन के ग्राम अलीगंज डिहवा जगतपुर में भी धर्मशाला, क्लिनिक, मेडिकल स्टोर सहित भीड़भाड़ में शराब का ठेका खुलने पारी व्यापार मंडल चौहान गुट के पदाधिकारियों ने डीएम हर्षिता माथुर को एक ज्ञापन सौंपा है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष मो उमर, एसके सोनी, अमित मिश्रा, चित्रेश, अरविंद चौधरी, अनिल कुमार सोनकर, सुधा देवी, शिवाकांत सोनी, बबलू, राजाराम, लालिमा, नीलेश, शिवम, सर्वेश, राम नयन, अंशी, आयुष सोनकर, कमलाकांत सोनी, राकेश कुमार, राजाराम, भोला, राजेश सहित दो दर्जन से अधिक लोग मौजूद रहे।

बच्चे विद्यालय की बगिया के हैं फूल- डायट प्राचार्य

रायबरेली। शैक्षणिक सत्र वर्ष 2024-25 के आखिरी दिवस पर परिषदीय विद्यालयों में अलग का उत्सव देखने को मिला। परिषदीय विद्यालयों में जहां बच्चे कक्षाओं के पदोन्नति किए गए तो वहीं पांचवीं और आठवीं के बच्चों की विदाई की गई। परिषदीय विद्यालयों में वार्षिकोत्सव और शारदा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अभिभावकों के साथ में बैठक करते हुए अधिकारियों ने बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया। प्राथमिक विद्यालय कोडरस बुजुर्ग में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता डायट प्राचार्य जेपी सिंह ने की। उन्होंने कहा कि विद्यालय वह स्थान हैं जहाँ पर हर बच्चे के उत्थान की बात की जाती है। गुरुजन वह माली होता है जो अपने बच्चे को फूल की तरह तैयार करता है।

मेहनत से पढ़ाई करने वाले बच्चे आगे बढ़ जाते हैं और न पढ़ने वाले बच्चे बाद में पछताते हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की बात कहीं। बच्चों ने पर्यावरण की रक्षा के साथ अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर बीईओ ऋचा सिंह, आरएसएम जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष ब्रजेंद्र सिंह, प्रधानाध्यापक प्रतिमा सिंह, रश्मि साहू, रचना सिंह, पूनम रानी, प्रतिमा पांडेय, रामेश्वर, गोवर्धन, कमल, शिल्पी वर्मा, रणविजय सिंह गंगापारी आदि लोग मौजूद रहे। उच्च प्राथमिक विद्यालय हरियावां में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य जेपी सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि बीईओ रिचा सिंह, आरएसएम अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह रहे। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष पुष्पा एवं प्रधानाध्यापिका ब्रज कुमारी सिंह व सहायक अध्यापक सूर्य प्रकाश, अल्पना त्रिवेदी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर आरएसएम के ब्लॉक अध्यक्ष बृजेंद्र कुमार व रणविजय सिंह चौहान, डीपीए के महामंत्री अशोक कुमार, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष शशि प्रकाश श्रीवास्तव, मंत्री अमर सिंह एवं नोडल संकुल शिक्षक जगदीश प्रसाद, एआरपी एसएस श्रीवास्तव व बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे।

स्मृति शेष गिरीश नारायण पांडेय: .....और जब अटल जी बोले-देखो! रायबरेली का शेर आ गया

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जनसंघ और भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता रहे पूर्व कैबिनेट मंत्री गिरीश नारायण पांडेय का बीते दिन निधन हो गया। 24 घंटे पहले उनकी धर्म पत्नी श्रीमती वीणा पाण्डेय की मृत्यु हुई थी। कांग्रेस के गढ़ रायबरेली में वह संघ-जनसंघ की धुरी रहे। 1971 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ संयुक्त विपक्ष के प्रत्याशी के रूप में भारतीय क्रांति दल से राजनारायण मैदान में थे। इंदिरा गांधी करीब एक लाख वोटों से चुनाव जीत गईं। राजनारायण ने इलेक्शन पिटीशन दायर की। भारतीय लोकतंत्र के अब तक सर्वाधिक चर्चित चुनावी केस में गिरीश नारायण पाण्डेय अहम गवाह बने। रोकने की तमाम कोशिशों के बावजूद गिरीश जी ने गवाही दी और वह पार्टी नेतृत्व की नजरों में हीरो बन गए। आपातकाल में 11 महीने की जेल भी काटी। श्रीराम मंदिर आंदोलन में सक्रियता उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई और डीपीएम लालकृष्ण आडवाणी के नजदीक ले आई। नजदीकी का नमूना नीचे दिए प्रसंग से आप समझ सकते हैं। भाजपा ने उन्हें 1991 के विधान सभा चुनाव में सरेनी से टिकट दिया। 1991 में पहली बार विधायक बने थे। चुनाव में अटल बिहारी बाजपेई ने उनके पक्ष में लालगंज की गल्ला मंडी में चुनावी सभा को संबोधित की। राज्य में भाजपा को प्रचंड जीत मिली। कल्याण सिंह के नेतृत्व में सरकार बनी। मंत्रिमंडल के लिए तब के सर संघचालक रज्जू भैया और लखनऊ के सांसद अटल बिहारी बाजपेई को ही मंत्रिमंडल बनाने की जिम्मेदारी दी गई। वर्ष 1992 मंत्रिमंडल का फिर विस्तार हुआ। पांडेय जी को भी लखनऊ

बुलाया गया।15 अगस्त 1992 को अटल जी लखनऊ में वीवीआईपी गेस्ट हाउस में थे। गेस्ट हाउस में लालजी टंडन और कलराज मिश्र पहले से बैठे हुए थे। दोनों नेताओं से अटल जी कह रहे थे- हमारे ऐसे कार्यक्रम लगाओ, जहां नए चेहरे हमने दिये। बार-बार हमें वही पुराने चेहरे दिखते हैं। कलराज जी ने कहा- देखिए, नए चेहरे गिरीश नारायण पांडेय जी आ गए। अटल जी गिरीश जी से बहुत आत्मीयता से मिले और बोले- आप तो आज गवर्नर साहब के यहां इनवाइट होंगे दावत पर। पांडेय जी ने हां में सिर हिलाया। इस पर अटल जी ने कहा- शाम 04:00 बजे आइए, वहीं मिलते हैं। शाम 04::00 बजे गवर्नर हाउस पहुंचे तो अटल जी वहां बैठे हुए थे। पहुंचते ही कंधे पर हाथ रखकर बोले-देखो! रायबरेली का शेर आ गया। इन्होंने ही इंदिरा जी के चुनाव को अवैध घोषित करा दिया था। फिर अटल जी, गिरीश जी को एकांत में ले गए और कहा- हम आपको कुछ बड़ी जिम्मेदारी देना चाहते हैं।

इतना कहने के बाद उन्होंने कहा- कल शाम 04:00 बजे आप गवर्नर हाउस आ जाइए, मंत्रिपद की शपथ लेने। अटल जी ने गिरीश जी से यह भी पूछा- यहां रुकोगे या घर जाओगे। गिरीश जी द्वारा घर जाने की बात कहे जाने पर उन्होंने कहा- अभी यह किसी से बताना नहीं। गिरीश जी को कैबिनेट मंत्री बनाए जाने का किस्सा भी रोचक है। मंत्रिमंडल की सूची में गिरीश जी का नाम राज्यमंत्री के तौर पर शामिल था। एक अन्य नेता का नाम कैबिनेट मंत्री के तौर पर। सूची देखने के बाद अटलजी ने गिरीश जी के नाम के आगे लिखे राज्यमंत्री को पेन से काटकर कैबिनेट मंत्री लिख दिया और उन नेता के आगे राज्यमंत्री। दूसरे दिन गिरीश जी को गवर्नर हाउस में कैबिनेट मंत्री की शपथ ही दिलाई गई। रायबरेली जिले में गिरीश जी की गिनती संत राजनेताओं में होती है। निरभिमानी और नीति व सिद्धांत के पक्के गिरीश जी के चित्र और चरित्र को सत्ता रत्ती भर प्रभावित नहीं कर पाई। उनका पूरा राजनीतिक जीवन बेदाग रहा। विरोधी भी कलंक लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। सरल इतने कि हर एक के साथ चल दिए। उनका स्वभाव ही था कि हर दल, जाति, धर्म के लोग गिरीश जी का दिल से सम्मान करते थे, दिखावे के लिए नहीं। आजीवन उनकी सवारी साइकिल ही रही। सादगी उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा रही। **(कई वर्ष पहले गिरीश जी के स्वयं सुनाए संस्मरण पर आधारित)**

सीएससी बाल विद्यालय के वार्षिकोत्सव मे नन्हे बच्चों ने बिखेरा प्रतिभा का जादू

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सताँव, रायबरेली। गुरुबख्शगंज स्थित सीएससी बाल विद्यालय, जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल के नन्हे बच्चों ने अपने विद्यालय का वार्षिकोत्सव शानदार अंदाज में मनाया। शिक्षिकाओं ने इसी आयोजन में बच्चों को वार्षिक परीक्षा फ ल भी वितरित किया। बच्चों ने मनमोहक नृत्य किया। गीत एवं कवितायें प्रस्तुत करके सभी को प्रभावित किया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि, संरक्षक, निदेशक व प्रिंसिपल ने सफ ल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनायें दीं। वार्षिकोत्सव मे बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुये सरेनी के पूर्व उप प्रमुख शैलेन्द्र अग्निहोत्री ने बच्चों की कुशाग्र प्रतिभा की जमकर तारीफ की। दिव्याशी, रेहान, सांभवी, काव्या, मुसबरीन आदि बच्चों ने सभी का दिल जीता। मुख्य अतिथि शैलेन्द्र अग्निहोत्री ने अपने सम्बोधन मे विद्यालय की शिक्षिकाओं की प्रसंशा करते हुये कहा कि छोटे-छोटे बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कारों का बोध कराना

कठिन परिश्रम से ही संभव है। कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि के रूप मे उपस्थित हुये बैंक ऑफ बड़ौदा, शाखा गुरुबख्शगंज के प्रबन्धक जितेन्द्र कुमार ने सीएससी बाल विद्यालय की विशेष शिक्षण व्यवस्था की चर्चा की। विद्यालय के डायरेक्टर रोहित शुक्ला ने क्षेत्र के जागरूक अभिभावकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और अपील की कि वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उन्हे सीएससी बाल विद्यालय जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल में पढ़ने का मौका जरूर दें। प्रधानाध्यापिका छवि बाजपेई ने सभी उत्तीर्ण बच्चो के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि आत्म विश्वास और हौसला ही सफलता प्राप्त करने की कुंजी है। विद्यालय संरक्षक अशोक कुमार शुक्ल ने बच्चों व शिक्षकों को शुभकामनायें दीं।

विद्यालय परिवार के वरिष्ठ सदस्य मोहित शुक्ल व डायरेक्टर रोहित शुक्ल ने कार्यक्रम मे शामिल हुये सभी लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या छवि बाजपेई के अलावा कोमल, श्रेयांशी, आस्था, कल्पना, आकृति, अंजली, हर्षिता व दीप्ती आदि शिक्षिकायें, शिक्षणेतर स्टाफ, भारी संख्या मे अभिभावक व स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अरविंद श्रीवास्तव बने भारत विकास परिषद के नए अध्यक्ष

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। भारत विकास परिषद, शाखा रायबरेली का दायित्व ग्रहण एवं नव संवत्सर कार्यक्रम शहर के प्रभुटाऊन में धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने भारत विकास परिषद के द्वारा चलाए जा रहे संस्कार और सेवा कार्यों की प्रशंसा किया। उन्होंने परिषद को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। भारतीय नव वर्ष की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में डॉण् चम्पा श्रीवास्तव ने नव संवत्सर के विषय में सभी को विस्तार से बताया। परिषद के पूर्व अध्यक्ष गजानन खुबेले ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सर्वसम्मति से अरविंद श्रीवास्तव एडवोकेट को भारत विकास परिषद का नया अध्यक्ष चुना गया। अजय त्रिवेदी को सचिव और सुरेश चंद्र शुक्ला को कोषाध्यक्ष का दायित्व प्रदान किया गया। क्षेत्रीय महासचिव भारत भूषण जुनेजा ने नव नियुक्त अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव तथा उनकी कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी, साथ ही वाणी

पांडेय को महिला शाखा का अध्यक्ष और विभा श्रीवास्तव को सचिव नियुक्त कर उनकी कार्यकारिणी को भी शपथ दिलाई गई। परिषद के क्षेत्रीय संरक्षक डॉ आरबी श्रीवास्तव ने रायबरेली में भारत विकास परिषद की स्थापना और परिषद द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी दिया।

प्रांतीय अध्यक्ष नवल किशोर बाजपेयी ने परिषद की नीतियों और योजनाओं के विषय में जानकारी देते हुए नई कार्यकारिणी को परिषद हित में कार्य करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संचालन सीमा श्रीवास्तव एवं प्रभात श्रीवास्तव के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष कमलेश चन्द्र श्रीवास्तव ने नई सदस्यता ग्रहण करने वाले रवींद्रनाथ हरी, राजेश श्रीवास्तव एवं स्नेहलता श्रीवास्तव का परिचय दिया तथा राजाराम मौर्य द्वारा नए सदस्यों को परिषद का साहित्य प्रदान किया गया। कार्यक्रम संयोजक हरिश्चंद्र शर्मा ने आए हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय सचिव अम्बरीश अग्रवाल, महिला प्रांत संयोजक नीतू चतुर्वेदी, डॉ अमिता खुबेले, शिव कुमार गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष राकेश कक्कड़, उमेश अग्रवाल, डॉ रमेश श्रीवास्तव, प्रवीण श्रीवास्तव, नीलिमा श्रीवास्तव, केके श्रीवास्तव, डॉ ज्ञानेन्द्र चतुर्वेदी, विवेक सिंह सहित अनेकों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चोरी की घटनाओं से व्यापारियों में भय का माहौल, व्यापार मंडल ने की कार्रवाई की मांग

सरेनी, रायबरेली। थाना क्षेत्र में तरफ बेखौफ चोर लगातार चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं वहीं दूसरी तरफ सरेनी पुलिस है कि सिर्फ तमाशाई की भूमिका में नजर आ रही है पूरे पांडेय में लोहे के कारखाने में सेंध काटकर हुई चोरी के मामले में दो दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं और अभी तक पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लगा है।वहीं चोरी की घटनाओं से जहां व्यापारियों में भय का माहौल है वहीं पुलिस की कार्यशैली को लेकर नाराजगी भी देखी जा रही है। बुधवार की रात को प्रकाश मशीनरी स्टोर पूरेपांडेय में दुकान के पीछे दीवार में सेंध काटकर की गई चोरी की शिकायत बैसवारा व्यापार मंडल पूरेपांडेय द्वारा पुलिस से करते हुए कार्यवाही की मांग की गई है। बैसवारा व्यापार मंडल पूरे पांडेय के अध्यक्ष वीर प्रकाश शर्मा ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि बुधवार की रात हमारी दुकान में सेंध मारी कर लगभग 70 हजार मूल्य के मशीन के पार्ट अज्ञात चोर उठा ले गए।जिससे हमारा मशीनरी कार्य पूरी तरह से बंद हो गया है, और परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है।इससे पहले भी मन्नर सेठ की कपड़े की दुकान में भी सेंधमारी कर लाखों के कपड़े एवं नगदी पर चोर हाथ साफ कर चुके हैं।अभी 15 दिन पहले पाल मेडिकल स्टोर में आगे के ताले तोड़े गए लेकिन अंदर से लाकर लगे होने के कारण चोरी में सफलता नहीं मिली। पान की दुकान में दीक्षित की गुमटी में ताला तोड़कर चोरी की गई है। बैसवारा व्यापार मंडल पूरे पांडेय के अध्यक्ष व पीडित वीरप्रकाश शर्मा ने बताया कि कोई अज्ञात गिरोह लगातार सेंधमारी कर घटना को अंजाम दे रहा है, जिससे यहां के व्यापारियों में भय व्याप्त है। बैसवारा व्यापार मंडल पूरेपांडेय ने व्यापारियों में सुरक्षा की भावना उत्पन्न कराने हेतु जांच कर कर चोरी की घटनाओं का जल्द पर्दाफ श करने की मांग की है।

कोरोना काल में पत्नी ने छोड़ा साथ, बच्ची के सर से उठा साया, अब तालाब में मिली लाश

स्वतंत्र भारत संवाददाता, डलमऊ रायबरेली। शनिवार सुबह आदर्श नगर मुराई बाग में तालाब से बरामद संदिग्ध हालात में युवक की लाश कई प्रश्न चिन्ह खड़े कर रही है कस्बे के अंदर दिलदार स्वीट हाउस के पीछे गंदगी से पटे तालाब नूमा जल भराव वाले स्थान से 40वर्षीय वेद प्रकाश तिवारी का शव मिलते ही कस्बे के अंदर सनसनी का माहौल पैदा हो गया। मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र डलमऊ के हल्का नंबर चार में मौजूद जहांगीराबाद गांव के रहने वाले वेद प्रकाश तिवारी प्रतिदिन की दिनचर्या की तरह शुक्रवार को रायबरेली गए हुए थे जो शाय काल रोज की अपेक्षा तय समय घर नहीं पहुंचे तो परिवारजनों के द्वारा छानबीन शुरू की गई, लेकिन परिवार के किसी भी

मृतक की फाइल फोटो

सदस्य को कहीं कोई सुराग नहीं लगा जबकि जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम को ही मृतक का शव कस्बे वासियों के द्वारा तालाब में देखा गया। मौके पर पहुंचे उप जिलाधिकारी डलमऊ राजित राम गुप्ता व डलमऊ पुलिस ने शव की खोजबीन शुरू कराई लेकिन रात में शव ढूंढने में सफलता हासिल नहीं हुई तथा शनिवार सुबह आदर्श नगर स्थित तालाब से बरामद हुए शव कि शीनाक्त हुई तो मृतक वेद प्रकाश के परिवार जनों को पता चल पाया कि उनके बेटे की मौत हो चुकी है। संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुई लाश ने कई प्रश्नगत आयामों को जवाब मिलने के लिए प्रशासनिक जांच की ओर इंगित कर रही कि आखिर क्या वेद प्रकाश तिवारी ने स्वयं आत्महत्या का कदम उठाया या फि र उनकी हत्या को अंजाम दिया गया। खैर यह जांच का विषय है किंतु अगर मृतक द्वारा आत्महत्या की गई तो गंदगी से पटे तालाब में कूद कर आत्महत्या करना कितना मुनासिब रहा होगा, जबकि तालाब में गंदगी की पराकाष्ठा अपार है हालांकि स्वतंत्र भारत इस बात की पुष्टि नहीं करता कि युवक ने आत्महत्या की या फिर उसकी हत्या हुई यह पुलिस के लिए जांच का विषय है जो जवाब मृतक की 12 साल की बेटी मांग रही है। जिसके सर से मां-बाप का साया हमेशा हमेशा के लिए उठ गया। कोरोना कल के दौरान वेद प्रकाश तिवारी की पत्नी की मौत हो गई थी जिससे बेटी की देखभाल स्वयं वेद प्रकाश करते थे किंतू वेद प्रकाश की मौत से एक बेटी के ऊपर से उसके बाप का साया उठ गया।

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया तहरीर प्राप्त होने पर जांच की जाएगी।
अरुण कुमार नवहार क्षेत्राधिकारी डलमऊ

अच्छी शिक्षा व संस्कारों से जीवन को मिलता है नया स्वरूप-पुष्पेन्द्र तिवारी

सर्वोदय इन्टर कॉलेज के वार्षिकोत्सव में बोले शिक्षक विधायक के प्रतिनिधि!

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। शिक्षक विधायक प्रतिनिधि व माध्यमिक वित्तविहीन शिक्षक महासभा के जिलाध्यक्ष पुष्पेन्द्र तिवारी ने कहा कि अच्छी शिक्षा एवं संस्कार ही जीवन को एक नया स्वरुप देते हैं, अतः समाज को शिक्षित व संस्कारित बनाने के लिए प्रत्येक विद्यालय संचालक को प्रयासरत रहना चाहिए। पुष्पेन्द्र तिवारी, सताँव ब्लॉक के किलौली स्थित सर्वोदय इन्टर कॉलेज के वार्षिकोत्सव व परीक्षाफ ल वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होने मौजूदा समय को शिक्षा के बाजारीकरण का दौर बताया और कहा कि ऐसे माहौल में भी, सर्वोदय इन्टर कॉलेज, सबको समान रूप से शिक्षा देने के संकल्प पर कायम है, जो सराहनीय व अनुकरणीय है। रायबरेली-लालगंज

मार्ग पर किलौली स्थित सर्वोदय इन्टर कॉलेज में वार्षिकोत्सव व वार्षिक परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ माता सरस्वती के पूजन के साथ हुआ।

बाद में आमंत्रित अतिथिगणों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। समारोह में नन्हे कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा। नन्हे बच्चों ने एकल व सामूहिक नृत्य एवं नाटक प्रस्तुत करके न केवल लोगों को हंसाया-गुदगुदाया बल्कि समाजिक बुराइयों पर भी चोट की। छोटे बच्चों की कलाकारी देख पंडाल मे मौजूद लोग भौचक्के रह गये। कार्यक्रम मे आये अतिथिगणों ने अपने सम्बोधनों में नन्ही प्रतिभाओं की जमकर सराहना की। मुख्य अतिथि पुष्पेन्द्र तिवारी ने प्रतिभावान व होनहार विद्यार्थियों को पुरस्कृत व सम्मानित किया। वार्षिकोत्सव में बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे एमजीआईसी रायबरेली के रिटायर्ड प्रिंसिपल डॉ राजेश ने शैक्षिक उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चों को मेडल व सील्ड प्रदान किया। विद्यालय प्रबंधक सुंदरलाल त्रिवेदी, प्रधानाचार्य कमलाकर त्रिवेदी, प्रभारी प्रधानाचार्य राघवेंद्र त्रिवेदी एवं संचालक मोहनीश त्रिवेदी ने अभिभावकोंए शिक्षकों व गणमान्य अतिथियों को मंच पर आमंत्रित करके सम्मानित किया। समूचे कार्यक्रम का दमदार संचालन राजा बाबू मिश्र व पूजा मिश्रा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में दुर्गा पब्लिक इन्टर कॉलेज, जवाहर बिहारए रायबरेली के संचालक गौरव शुक्ला, उत्कर्ष इण्टर कॉलेज के संचालक अभिनव अवस्थी, अनेक रिटायर्ड शिक्षक, जन प्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, पत्रकार व गणमान्य लोगों के अलावा विनय शुक्ल, श्वेता सिंह, राजेंद्र सिंह, अनूप त्रिवेदी, रिंकल बाजपेई, प्रशांत पांडे व आलोक श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय संचालक मोहनीश त्रिवेदी ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेवानिवृत प्रधानाध्यापक को दी गयी विदाई

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में एक समारोह आयोजित कर सेवानिवृत प्रधानाध्यापक कृष्ण शंकर मिश्रा को भावभीनी विदाई दी गई। इस मौके पर सेवानिवृत शिक्षक को साथी शिक्षकों की ओर से माल्यार्पण कर प्रतीक चिन्ह, अंग वस्त्र से सम्मानित किया। वक्ताओं ने सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक को एक आदर्श शिक्षक बताया। खंड शिक्षा अधिकारी राजीव कुमार ओझा ने कहा कि अध्यापक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता। वह अपने जीवन में हमेशा शिक्षक ही रहता है। कभी बच्चों के बीच में आदर्श होता है, तो कभी समाज का आदर्श होता है। सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक कृष्ण शंकर मिश्रा ने कहा कि शिक्षक के जीवन में समयबद्धता व अनुशासन व धैर्य का होना अति आवश्यक है। इन्हीं गुणों से शिक्षक समाज में एक अपना स्थान बना सकता है। इसके अलावा पंकज सिंह, मनीष तिवारी, विश्वास बहादुर सिंह, अजय बाबू पांडे, उत्तम सोनी, संजय सिंह, प्रवीण वाजपेई, मनोज शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन आशीष प्रताप सिंह ने किया। अन्त में शिक्षक शशिकांत त्रिवेदी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मनोरमा अवस्थी, मनोज अवस्थी, तारकेश्वर श्रीवास्तव, अरविंद शुक्ला, रामानुज पांडे, आशीष चौहान, रश्मि सिंह, अंजलि निर्मल, सुनीता यादव, विनोद कुमार, शशि त्रिवेदी, मालती देवी, सारिका, कुमकुम चौरसिया, माया देवी, बाल गोविंद त्रिवेदी, शिवम बाजपेई समेत साथी अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

आस्था का केंद्र है ज्वालामुखी मंदिर

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी। जनपद से मात्र 24 किमी की दूरी पर अयोध्या राजमार्ग उधौली मोड़ पर ग्राम अम्बौर में माता ज्वालामुखी मंदिर सैकड़ों वर्षों से आस्था का केंद्र बना हुआ है यहाँ शरदऋतु और बसंत ऋतु की नौमी को बड़े मेले और शुक्रवार सोमवार को छोटे मेले लगते हैं जिसमें हजारों लोग पहुंच कर माथा टेककर अपनी मान मनौतियियां पूरी करते आये हैं। इस मंदिर के पुजारी मालियों के परिवार के हैं जो सैकड़ों वर्षों से पूजा पाठ व्यवस्था करते हैं यहां मेले में आने वाले दूकानों व वाहनों से मासूल वसूली करते हैं साथ जब शादी विवाह मुंडन कनछेदन का समय आता है तो मंदिर प्रांगण में वर बधू की देखाई से कुछ दान दक्षिणा मिल जाता है जिससे यहां की व्यवस्था चलती है। मंदिर प्रांगण मे एक अभरन (तालाब) है जिसको हर मेले के समय साफ सफाई कराया जाता रहा है लोंगों की आस्था है कि अभरन में स्नान कर जो व्यक्ति श्रद्धापूर्वक माता के पूजन अर्चन कर्ता है उसके असाध्य रोग भी ठीक हो जाते हैं माता जी के मंदिर से निकलने वाले नीर को जो भक्त प्रयोग करते हैं उनकी खोई हुई नेत्रज्योति पुनः मिल जाती है।लोग बताते हैं कि जबसे पंचायती राज आया है अभरन की साफ सफाई विकास खंड अधिकारी उपजिलाधिकारी की देखरेख में ग्राम प्रधान कराते आये हैं परन्तु इस वर्ष बरषात कम होने के कारण अभरन में पानी भी कम हैऔर गंदगी इतनी है कि उसमें नहाना कौन कहे छूने से गंभीर बीमारी को आमंत्रित करना है इसलिए शासन, प्रशासन से स्थानीय लोगों की मांग है कि अविलंब इस तीर्थस्थल की सफाई करवाये जिससे आने वाले भक्तों को गंदगी से फैलने वाली बीमारियों से बचाया जा सके।

तेज रफ्तार रोडवेज ने ऑटो में मारी टक्कर, चालक गंभीर

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। तेज रफ्तार रोडवेज बस ने ऑटो में टक्कर मार दी जिससे उसका चालक गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर मौजूद लोगों ने आनन-फानन में चालक को सी एच सी रामनगर भिजवाया जहां गंभीर हालत के कारण उसे जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो रिक्शा के परखच्चे उड़ गए संयोग ही था कि ऑटो पर सवारियां नहीं बैठी थी।इस संबंध में उपलब्ध जानकारी के मुताबिक मसौली निवासी ऑटो चालक कुसुमेश प्रजापति पुत्र श्रवण कुमार ऑटो लेकर घर जा रहा था रानी बाजार चौराहे के निकट तेज रफ्तार रोडवेज बस ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया मौके से बस लेकर चालक फरार हो गया स्थानीय लोगों ने घायल युवक को रामनगर सीएचसी भिजवाया गंभीर छोटे आने के कारण चिकित्सकों के द्वारा जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।

समृद्ध भारतीय परंपरा का उत्सव है नव संवत्सर : प्रणवानंद सरस्वती

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। शहर का धनोखर सरोवर नव संवत को शिरोधार्य करने की उत्सव स्थली बन गया। 51 हजार दीपों एवम् एलईडी बल्बों से जगमगाते कार्यक्रम स्थल पर एकत्रित स्थानीय साधु - संतों एवम् आम नागरिकों ने नव संवत्सर का स्वागत पूरी भव्यता से किया। सुगम बहार संगीत के कलाकारों द्वारा भजनों की शानदार श्रृंखला प्रस्तुत की गई। तीन दर्जन विद्यालयों के बच्चों ने दीप प्रज्वलन में अपना योगदान दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में स्वामी प्रणवानंद सरस्वती ने कहा कि नव संवत्सर न केवल आम भारतीयों में नई ऊर्जा का संचार करता है , बल्कि संपूर्ण प्रकृति इस अवसर पर नए कलेवर में होती है।उन्होंने कहा कि नव संवत्सर समृद्ध भारतीय परंपराओं का उत्सव है।इसके जरिए गौरवमय भारतीय विरासत को संरक्षित रखने एवम् प्रकृति के उपहारों को आत्मसात किया जाना चाहिए। आरएसएस के क्षेत्रीय संपर्क प्रमुख मनोज ने कहा कि हिंदू नव संवत्सर का स्वागत जितना महत्वपूर्ण है उतना ही महत्वपूर्ण है कि अपनी प्राचीन विरासत को सहेज कर रखना।कहा नव संवत्सर महोत्सव भारतीय समाज का स्वाभिमान जगाने में मील का पत्थर साबित होगा। कहा कि नव संवत उन विक्रमादित्य को नमन करने का अवसर है जिन्होंने ईस्वी सन् के 58 वर्ष पूर्व विक्रमी संवत का प्रवर्तन किया और सांस्कृतिक उन्नायक के रूप में राम जन्म भूमि पर भव्य मंदिर निर्माण कराने के साथ अयोध्या का पुनरुद्धार कराया।संचालन आशीष पाठक ने किया।देर शाम महाकुंभ से लाए गए संगम के अमृत जल को चक्रतीर्थ सरोवर में अर्पित किया गया।काशी से पधारे विद्वान पुजारियों ने चक्रतीर्थ सरोवर की आरती संपन्न कराई।डिजिटल आतिशबाजी का लोगों ने खूब लुत्फ उठाया।इस अवसर पर स्वामी चेतना नंद,राज्य मंत्री सतीश शर्मा, राष्ट्रीय एससी एसटी अयोग की सदस्य अंजू बाला, सह विभाग प्रचारक अमरजीत,जिला कार्यवाह सुधीर , जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, उपेन्द्र सिंह रावत, अरविंद मौर्य,विपिन सिंह राठौर,नवीन राठौर, सुजीत चतुर्वेदी,पंकज गुप्ता, संतोष सिंह,अवधेश श्रीवास्तव,श्रवण सिंह ,विभम , रविनन खजांची ,मनीष परिहार, विजय आनंद बाजपेई ,आशुतोष सिंह सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

खबर एक नजर

आग से गेहूं की फसल जलकर राख

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। तहसील क्षेत्र के बिलखिया में लगी आग से दो कृषकों की करीब पांच बीघा गेंहू की फसल जलकर राख हो गयी। तेज हवा के चलते आग गाँव पहुंचने ही वाली थी कि ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। नही तो एक बड़ा अग्निकांड हो सकता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार की दोपहर करीब एक बजे ग्राम बीलाखिया निवासी प्रदीप वर्मा पुत्र रामलखन की करीब तीन बीघा व रामु पुत्र रामसिंह की करीब दो बीघा गेंहू की फसल में अज्ञात कर्म से आग लग गई। आगजनी की जानकारी होते ही ग्रामीणों व पीआरबी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्बा जैदपुर के मोहल्ला मौलवी कटरा का है। जहां पर बीते दिन शनिवार को ससुराल आए 36 वर्षीय व्यक्ति का शव उसकी ही ससुराल के छत पर पिलर मे संदिग्ध परिस्थितियों लटका हुआ मिला। सफदरगंज थाना क्षेत्र के प्रतापगंज निवासी कौशल पुत्र गुरुदीन का संदिग्ध परिस्थितियों में रविवार सुबह करीब 10 बजे छत के पिलर से फांसी के फंदे से शव लटका हुआ मिला हैं। जिसे देखकर स्थानीय मोहल्ले वासियों में हड़कंप मच गया और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। वही सूचना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच पड़ताल में जुटी। वहीं जैदपुर चौकी प्रभारी विनय यादव ने बताया की शव मिलने की सूचना मिली थी मौके पर पुलिस टीम ने पहुंचकर शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पुलिस मामले की जाँच मे जुटी है।

पुलिस की प्रताड़ना से परेशान व्यक्ति ने की आत्महत्या

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जनपद के रामसनेहीघाट इलाक़े में पुलिस की कथित प्रताड़ना से परेशान एक व्यक्ति ने घर के सामने बन्द पड़े मकान में फांसी लगाकर जान दे दी। परिवार का आरोप है कि घर से जेवर चोरी की शिकायत पर पुलिस ने उल्टा उनके ऊपर एनडीपीएस का झूठा केस दर्ज कर दिया था और गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश डाल रही थी।रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र की हथौन्दा चौकी अंतर्गत कोटवा सड़क निवासी दिवाकर ने रविवार सुबह अपने घर के सामने बन्द पड़े एक मकान में फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। परिजनों का आरोप है कि दिवाकर के बेटे ने घर की महिलाओं के करीब 40-45 लाख के जेवर चोरी कर अपने कुछ दोस्तों को दे दिया था। इसकी शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के पास से जेवर का बैग बरामद तो कर लिया लेकिन परिजनों के सुपुर्द न करके खुद ही हड़प लिए।परिजनों ने बताया कि जब इस मामले को लेकर आइजीआरएस और उच्चाधिकारियों से शिकायत की तो पुलिस ने उल्टा पूरे परिवार के खिलाफ के एनडीपीएस एक्ट का मुकदमा दर्ज कर दिया। इसी मामले को लेकर पुलिस लगातार दिवाकर की गिरफ्तारी के लिए घर पर दबिश डाल रही थी। पुलिस की प्रताड़ना के चलते ही दिवाकर ने रविवार सुबह आत्महत्या कर ली। दिवाकर के परिजन अब इंसाफ की गुहार लगाते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे है।

ज्वाला मुखी मंदिर में दिखी भक्तों की भारी भीड़

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी । जैदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बीबीपुर गांव स्थित श्री दुर्गा माता मंदिर व सफदरगंज थाना क्षेत्र के अम्बौर माता ज्वाला मुखी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस रविवार की सुबह से करीब 4ः00 बजे शाम तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। दुर्धरा से पहुंचे श्रद्धालुओं ने दुर्गा माता के दर्शन के उपरांत चुनरी नारियल व प्रसाद आदि चढ़ाकर अपनी मनोकामनाओं की कामना किया।
इस मौके पर मंदिर प्रबंधक प्रतिनिधि मनोज सोनी ने जानकारी देते हुए बताया की भारी संख्या में श्रद्धालु दुर्गा माता के मंदिर पहुंचकर दर्शन किए हैं। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जगह पर सीसीटीवी कैमरे व पुलिस बल भी मौजूद रहा है। वही रात में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

विद्यालय का वार्षिकोत्सव संपन्न

हैदरगढ़ बाराबंकी विकासखंड त्रिवेदीगंज अंतर्गत लखौरा ग्राम पंचायत में स्थित एसएन मेमोरियल पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर बड़ी संख्या में आए अभिभावकों अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी राजू भैया ने कहा कि ग्रामीण अंचल में स्थित यह स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है खुशी की बात यह है कि विद्यालय परिवार छात्राओं को गुणवत्ता परक शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों की भी शिक्षा दे रहा है। वही विद्यालय के छात्र- छात्राओं द्वारा नाटक के माध्यम से आज के कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर विद्यालय के अध्यक्ष प्रबंधक अमित यादव, ग्राम प्रधान वासुदेव विक्रम, मां सहित बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

मन की बात कार्यक्रम में पूर्व सांसद, ब्लाक प्रमुख व चेयरमैन ने की सहभागिता

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। पूर्व सांसद एवं प्रदेश महामंत्री प्रियंका सिंह रावत ने अमोली कला गांव में आयोजित देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में शिरकत की इसके बाद कार्यकर्ताओं में पदाधिकारी के साथ बैठक कर सरकार की उपलब्धियां गिनाई इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में रामनगर ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी मौजूद रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष रामनगर रामशरण पाठक ने की। भाजपा नेता वैभव मिश्रा के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के मन की बात का प्रसारण देखा और सुना गया इसके बाद कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारी से रूबरू होते हुए पूर्व सांसद प्रियंका सिंह रावत ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। कार्यकर्ताओं की बदौलत ही देश और प्रदेश में भाजपा सरकार पदारुढ है। देश के प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम लोगों को जोड़ने और एक सूत्र में बांधने का काम कर रहा है। पूर्व सांसद व प्रदेश महामंत्री ने पार्टी के पदाधिकारियों अपील करते हुए कहा कि आप लोग जनता के बीच जाएं और देश तो प्रदेश की सरकार की उपलब्धियां जनता के बीच रखें। विशिष्ट अतिथि रामनगर ब्लाक प्रमुख संजय तिवारी ने सरकार की उपलब्धियां बताते हुए कहा की 8 साल बेमिसाल है। देश की यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संकल्प गांव के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना है। सरकार प्रत्येक पात्र व्यक्ति को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें लाभान्वित करने का काम कर रही है। किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष रामबाबू द्विवेदी ने अपने संबोधन में विस्तार से भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाई और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नगर पंचायत अध्यक्ष रामशरण पाठक ने कहा कि देश प्रदेश की भाजपा सरकार गांव गरीब के लिए समर्पित है पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने गरीबों के लिए जो सपना देखा था उसे देश के प्रधानमंत्री मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ साकार करने का काम कर रहे हैं। सरकार के द्वारा जो योजनाएं चलाई जा रही है वह जाति धर्म मजहब से अलग हटकर गरीबों मजदूरों नौजवानों किसानों छात्रों के लिए चलाई जा रही है।इस कार्यक्रम के बाद सभी पदाधिकारी ने लोधेश्वर महादेवा पहुंचकर महादेवा मंडल के कार्यालय का उद्घाटन किया।उन्होंने मंडल अध्यक्ष अमित सिंह के कार्यों की जमकर तारीफ की चंद दिन मे कार्यालय स्थापित कर उनके द्वारा छोटे बड़े कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने का जो हुनर दिखाया वह काबिले तारीफ है। इस कार्यालय में आने वाला व्यक्ति खाली हाथ न लौटे मैं हर तरह की मदद के लिये खडी मिलूंगी।इस मौके पर ग्राम प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष राम कुमार मिश्रा कमलेश पांडेय रिंकू सिंह श्रवण कुमार अशोक कुमार शुक्ला मोनू भास्कर झब्बू तिवारी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

93 क्रय केंद्रों पर होगी गेहूं की खरीद

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। गेहूँ खरीद वर्ष 2025-26 की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट स्थित लोक सभागार में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/जिला खरीद अधिकारी अरूण कुमार सिंह की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला खाद्य विपणन अधिकारी रमेश कुमार द्वारा बताया गया कि गेहूँ खरीद हेतु गेहूँ का मूल्य रू0-2425/- प्रति कु0 निर्धारित किया गया है, जो गतवर्ष रू0-2275/-से रू0 - 150/- प्रति कु0 अधिक है। इसके अतिरिक्त गेहूँ की सफाई / छनाई के मद में किसान द्वारा खर्च किये गये अधिकतम रू0 20/- प्रति कु0 की वापसी भी गेहूँ के मूल्य के साथ की जायेगी। यानि कि रू0 2445/- प्रति कु0 का भुगतान कृषकों के आधार लिंक खाते में 48 घण्टे के अन्दर किया जायेगा।उन्होंने बताया कि गेहूं क्रय हेतु जनपद में विपणन शाखा के 43, पीसीएफ के 17, पीसीयू के 20, यूपीएसएस के 04, मण्डी समिति का 01 एवं भाखानि के 08, कुल 93 गेहूँ क्रय केन्द्र खोले गये है। जहाँ सुबह 08 बजे से रात 08 बजे तक तथा अवकाश के दिनों में भी खरीद की जायेगी। कार्यशाला में उपस्थिति भाखानि के गुणवत्ता प्रबन्धक ने बताया कि 12 प्रतिशत नमी से कम नमी का साफ-सुथरा गेहूँ क्रय किया जाये। सचिव कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बाराबंकी द्वारा अवगत कराया गया कि सभी केन्द्रों पर पावर डस्टर एवं इलेक्ट्रानिक कांटा आदि उपलब्ध करा दिये गये है। जनपद में गेहूँ क्रय केन्द्र फतेहपुर एवं टिकैतनगर पर खरीद प्रारम्भ हो गयी है।अपर जिलाधिकारी / जिला खरीद अधिकारी, द्वारा निर्देश दिये गये कि कृषकों से उचित व्यवहार किया जाए, केन्द्र पर पानी के साथ गुड़ रखा जाए। बैठने के लिए छायादार स्थल उपलब्ध हो। किसी केन्द्र प्रभारी द्वारा अनुचित मांग न की जाए। यदि कोई प्रभारी या श्रमिक/ठेकेदार किसी कृषक से अवैध मांग करता है तो इसकी सूचना विभाग के टोल फ्री नम्बर 18001800150 पर की जाए। जिला खाद्य विपणन अधिकारी, द्वारा आश्वासन दिया गया कि उक्त निर्देशों का पालन करते हुये लक्ष्य पूर्ति का प्रयास किया जायेगा।

डीएम व एसपी ने मस्जिदों एवं ईदगाहों का किया भ्रमण

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी। ईद-उल-फितर पर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत पीरबटावन में पीस कमेटी बैठक कर कस्बे में पड़ने वाली मस्जिदों एवं ईदगाहों का भ्रमण कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत पीरबटावन में जिलाधिकारी शंशाक त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा ईद-उल-फितर पर्व के दृष्टिगत कस्बे में पड़ने वाली मस्जिदों एवं ईदगाहों का भ्रमण कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। तत्पश्चात जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक बाराबंकी द्वारा मुस्लिम धर्मगुरुओं, ईदगाह कमेटी के सदस्यों/संभ्रांत व्यक्तियों एवं आमजन के साथ पीस कमेटी की बैठक कर ईद त्योहार को सामाजिक एवं धार्मिक एकता के साथ शान्ति पूर्वक मनाने एवं ईद की नमाज को ईदगाह एवं मस्जिदों में ही पढ़ने की अपील की गई तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक व साम्प्रदायिक सौहार्द प्रभावित करने वाली पोस्ट न करने की भी अपील की गई। उक्त पीस कमेटी बैठक के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी विकास चन्द्र त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी नगर सुमित त्रिपाठी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अमित प्रताप सिंह एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण भी मौजूद रहे।

कैदियों को जैविक खाद बनाने के सिखाए गुर

बाराबंकी। जिला कारागार परिसर में कैदी भी अब बेहतर खेती और कृषि उत्पादों के लिए 'निमदस' संस्था के सहयोग से केचुआ खाद के साथ-साथ गौमूत्र से जैविक खाद बनाने के गुर सीख रहे है, इसका प्रशिक्षण लेकर वे कृषि कार्यों के साथ ही बेहतर उत्पादन में सहयोगी बन सकेंगे। जेल अधीक्षक कुंदन कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय जैविक कृषि मिशन से जोड़ते हुए जिला कारागार में केंचुआ खाद उत्पादन की इकाई स्थापित करायी गई थी। अब बंदियों को गौमूत्र से जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया जायेगा। वही जेलर जेपी तिवारी ने कहा कि बंदियों को इस यूनिट के माध्यम से जैविक खाद उत्पादन और जैविक कृषि का प्रशिक्षण समय-समय पर दिया जाएगा ।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया प्रशिक्षण

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। भारत सरकार द्वारा महारानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी में केवीके कृषि वैज्ञानिकों एवं विभिन्न जिलों के एफएमटी का चार दिवसीय प्रशिक्षण हुआ।गौ आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए महारानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी में भारत सरकार द्वारा आयोजित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों एवं विभिन्न जिलों के एफएमटी फार्मर मास्टर ट्रेनर को को गांव आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए चार दिवसीय प्रशिक्षण कराया गया जिसमें बाराबंकी जिले से फार्मर मास्टर ट्रेनर श्री आनंद कुमार मौर्य का चयन किया गया है। श्री आनंद मौर्य प्रगति श्री कृषण भी हैं प्रशिक्षण के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर अशोक कुमार सिंह ने सभी फार्मर मास्टर ट्रेनर को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया ।

आठ दिवसीय मेला आज से होगा शुरू

स्वतंत्र भारत,जैदपुर बाराबंकी। विकास खण्ड मसौली की ग्राम पंचायत बांसा में हजरत सैयद शाह अब्दुल रज्जाक रहमतुल्लाह अलैह की याद में लगने वाला आठ दिवसीय मेला 31 मार्च से शुरू होगा ।हजरत सैयद शाह अब्दुल रज़्ज़ाक़ रहमतुल्लाह अलैह का जन्म महमूदाबाद के पास रसूलपुर गांव में हुआ था। बासा शरीफ में आपका ननिहाल था हजरत सैयद साहब ने अपने घर पर ही अपनी प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण की और फिर घर से अल्लाह की राह में निकल पड़े।आपको राजा महाराजाओं ने रुपया पैसा देने की पेशकश की थी पर आपने उनसे यह कहकर मना कर दिया था कि फकीरों को पैसे का क्या काम हम तो अल्लाह की राह में हैं।आपके दो पुत्र थे एक की मजार रुदौली शरीफ में वह दूसरे की आप ही के पास बांसा शरीफ में है। ईद की 5 तारीख को बांसा शरीफ में आपका इंतकाल हो गया था जहां पर आपकी भव्य मजार स्थित है। एक बार आप किसी जरूरी काम से जा रहे थे रास्ते में एक कुएं से आवाज आ रही थी बचाओ बचाओ आपने उसमें देखा तो एक लड़की डूब रही थी और मदद की गुहार लगा रही थी अपने इधर-उधर देखा कोई न था तो आपने अपना हाथ कुएं में बढ़ा दिया और उसे लड़की को बाहर निकाल दिया। आपकी मजार पर बड़ी भारी संख्या में जायरीन आते हैं अपनी मन्नतें मांगते हैं और खासकर यहां पर भूत-प्रेत का इलाज होता है। मेला कमेटी के अध्यक्ष रिजवान संजय ने बताया की 31 मार्च को सज्जादा नशीन मेले का उद्घाटन करेंगे। सैयद साहब का उर्स ईद की 5 तारीख को बाद नमाजे मगरिब होगा। समापन क्षेत्रीय विधायक गौरव कुमार रावत के हाथों होगा।

ठेकेदार लगा रहे पलीता, हर घर जल योजना हुई धाराशायी

बाराबंकी। हर घर नल और हर घर जल का सपना देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो देखा था वह विकास खण्ड देवा की ग्राम पंचायतो में साकार होता नजर नही आ रहा है। इस योजना के तहत बनायी गयी कई ग्राम पंचायतो में पानी की टंकिया सफेद हाथी बन बयी है। एक साल बाद भी अभी तक ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल नसीब नही हुआ है। जानकारी के अनुसार, विकास खण्ड देवा की ग्राम पंचायतो में हर घर नल हर घर जल की योजना के तहत पानी की टंकियो का निर्माण कार्य तो शुरु ही हुआ है साथ ही में गांव के गलियारों को तहस नहस करके ठेकेदारों द्वारा पानी सप्लाई के लिए पाइप लाइन बिछा दी गयी है। लेकिन अभी तक विकास खण्ड देवा क्षेत्र में किसी भी गांव में इस योजना का लाभ ग्रामीणों को नही मिल सका है। उदाहरण के तौर पर विकास खंड देवा की ग्राम पंचायत अटवटमऊ में हर घर जल जल जीवन मिशन के तहत बनाई गई पानी की टंकी अब सफेद हाथी साबित हो रही है।

मांग पत्र सौंप कर समस्याओं के निराकरण की मांग

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी ।नगर पंचायत अध्यक्ष आलोक तिवारी ने खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा को माँगपत्र सौंपकर हैदरगढ़ की प्रमुख समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए समस्याओं का निराकरण कराने की मांग की हैं।श्री शर्मा को भेजे गए पत्र में हैदरगढ़ कस्बे को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए हैदरगढ़ भिटरिया मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कराये जाने,बायपास रास्ता के लिए लिल्हौरा माइनर पटरी से जासेपुर नहर पटरी तक सडक का निर्माण कराये जाने,हैदरगढ डिपो पर जो उपनगरीय बसें पूर्व में हैदरगढ़ से लखनऊ के लिये संचालित होती थी वर्तमान में बन्द है उन्हें पुनः संचालित कराए जाने व लखनऊ से गंगागंज तक संचालित होने वाली इलेक्ट्रिक बसो को हैदरगढ तक संचालित कर यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ परिवहन विभाग की आय में वृद्धि, हैदरगढ़ रेलवे स्टेशन जिसका चयन अमृत योजना में हो चुका है पूर्व में जो ट्रेनें चलती थी, यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये शटल एक्सप्रेस, बेगमपुरा एक्सप्रेस श्रमजीवी एक्सप्रेस, हिमगिरि एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव हैदरगढ़ रेलवे स्टेशन पर करवाये जाने हेतु आवश्यक पत्राचार एवं कार्यवाही करने, हैदरगढ नगर पंचायत में पूर्व मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह द्वारा खुलवाएं गये राजकीय बालिका इंटर कॉलेज को महाविद्यालय का दर्जा दिलाये जाने की मांग की है। जिससे क्षेत्र की बेटियों की उच्च शिक्षा प्राप्त हो सके।

चांद दिखा, आज मनाई जाएगी ईद

बाराबंकी। रविवार को ईद का चांद नजर आ गया। चांद दिखाई देने के बाद से ही लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर मुबारकबाद दी। मस्जिदों में एतकाफ में बैठे लोग भी बाहर आकर सबसे मिले। वहीं ईद की तैयारियों को लेकर शाम से देर रात तक बाजार खरीददारों से गुलजार रहे। माहे मुकद्दस रमजान के रोजों के बाद रविवार को ईद का चांद देखा गया। इफ्तार के बाद लोग अपने घर और मस्जिदों की छतों पर जाकर ईद का चांद देखकर दुआएं मांगी। इसके बाद से लोगों में एक दूसरे को फोन पर चांद निकलने की खुशखबरी सुनाई। मस्जिदों से भी चांद निकल आने की पुकार की गई। शहर में बीते कई दिनों से ईद की तैयारियों को लेकर बाजार में भीड़ उमड़ रही थी। लोग नए कपड़ों के अलावा ज्वैलरी, खास पकवान सिवइयां और फ्रूट आदि की खरीददारी में जुटे हुए थे। अरब देशों में शनिवार को चांद दिखने के बाद आज ईद मनाई जाने की सूचना पर लोग उम्मीद कर रहे थे।

दिल्ली कैपिटल्स ने सात विकेट से जीता मुकाबला

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 में अपना विजयी अभियान जारी रखा है। दिल्ली ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में गेंद के बाद बल्ले से भी दम दिखाया और लगातार दूसरी जीत दर्ज की। वहीं, हैदराबाद को तीन मैचों में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराकर आईपीएल 2025 में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.4 ओवर में 163 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली के लिए फाफ डुप्लेसिस ने अर्धशतक लगाया जिससे टीम 16 ओवर में तीन विकेट पर 166 रन बनाकर जीत दर्ज करने में सफल रही। सनराइजर्स की यह लगातार दूसरी हार है। इससे पहले उसे लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ भी हार का सामना करना पड़ा था।

सनराइजर्स हैदराबाद की लगातार दूसरी हार

लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली को डुप्लेसिस और जैक फ्रेजर मैकगर्क ने शानदार शुरुआत दिलाई और दोनों ने पहले विकेट के लिए 81 रन जोड़े। डुप्लेसिस ने इस दौरान अर्धशतक जड़ा। हैदराबाद के लिए आईपीएल में डेब्यू करने वाले जीशान अंसारी ने शानदार प्रदर्शन किया और तीन विकेट झटके, लेकिन लक्ष्य इतना कम था कि दिल्ली को इसे हासिल करने में जरा भी परेशानी नहीं हुई। जीशान ने पहले डुप्लेसिस को आउट किया और फिर मैकगर्क को पवेलियन भेजा। इसके बाद उन्होंने दिल्ली के लिए पहला मैच खेलने वाले केएल राहुल को बोल्ड किया। हालांकि, जीशान का यह प्रयास टीम के काम नहीं आया और उसे हार मिली।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए डुप्लेसिस ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए, जबकि मैकगर्क ने 38 रनों का योगदान दिया। केएल राहुल पांच गेंदों पर 15 रन बनाकर पवेलियन लौटे। तीन विकेट गिरने के बाद अभिषेक पोरेल और ट्रिस्टन स्टब्स ने मोर्चा संभाला और आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। अभिषेक ने 16वें ओवर की अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर दिल्ली को जीत दिलाई। पोरेल पांच गेंदों पर दो चौका और एक छक्के की मदद से 15 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि स्टब्स 14 गेंदों पर तीन चौकों के सहारे 21 रन बनाकर नाबाद लौटे। सनराइजर्स के लिए सभी तीन विकेट जीशान ने लिए, जबकि अन्य गेंदबाज खाली हाथ रहे।

जीशान अंसारी ने दिल्ली कैपिटल्स को तीसरा झटका दिया है। दिल्ली के लिए अपना पहला मैच खेलने वाले केएल राहुल पांच गेंदों पर दो चौका और एक छक्के की मदद से 15 रन बनाकर आउट हो गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि दिल्ली को तीनों ही झटके जीशान ने दिए हैं। जीशान का आईपीएल में यह पहला मुकाबला है।

अपना पहला ही आईपीएल मैच खेल रहे जीशान अंसारी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को दूसरा झटका दिया है। 10वां ओवर डालने आए जीशान ने पहली गेंद पर डुप्लेसिस को आउट किया और फिर ओवर की अंतिम गेंद पर मैकगर्क को आउट

किया। मैकगर्क 32 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 38 रन बनाकर आउट हुए। जीशान अंसारी ने डुप्लेसिस को आउट कर दिल्ली कैपिटल्स को पहला झटका दिया। जीशान का यह पहला आईपीएल मैच है और उन्होंने डुप्लेसिस और मैकगर्क के बीच साझेदारी को तोड़ा। डुप्लेसिस 27 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए। इसके साथ ही डुप्लेसिस और मैकगर्क के बीच पहले विकेट के लिए 81 रनों की साझेदारी का अंत हुआ।

दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज फाफ डुप्लेसिस ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक जड़ दिया है। डुप्लेसिस और मैकगर्क ने पहले विकेट के लिए 80+ रनों की साझेदारी कर ली है। दिल्ली ने नौ ओवर की समाप्ति के बाद बिना किसी नुकसान के 81 रन बनाए हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली ने अच्छी शुरुआत की है और पावरप्ले खत्म होने के बाद उसका स्कोर 50 के पार पहुंच गया है। मैकगर्क और डुप्लेसिस के बीच अच्छी साझेदारी चल रही है जिससे दिल्ली ने छह ओवर तक बिना किसी नुकसान के 52 रन बना लिए हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली ने अच्छी शुरुआत की है। मैकगर्क और डुप्लेसिस ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई है जिससे दिल्ली का स्कोर तीन ओवर की समाप्ति के बाद बिना किसी नुकसान के 26 रन हो गया है।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की पारी शुरू हो गई है। दिल्ली के लिए पारी की शुरुआत करने जैक फ्रेजर मैकगर्क और फाफ डुप्लेसिस उतरे हैं।

चेन्नई को 6 रनों से हराकर राजस्थान ने खोला जीत का खाता

नई दिल्ली। वानिंदु हसरंगा की घातक गेंदबाजी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को छह रन से हराकर जीत का खाता खोल लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 182 रन बनाए थे। जवाब में चेन्नई निर्धारित ओवर में छह विकेट पर 176 रन ही बना सकी। उनके लिए ऋतुराज गायकवाड़ ने सर्वाधिक 63 रन बनाए।

मौजूदा टूर्नामेंट में यह राजस्थान की तीन मैचों में पहली जीत है। वहीं, चेन्नई की यह लगातार दूसरी हार है। दिलचस्प बात यह है कि इस जीत के साथ राजस्थान अंक तालिका में नौवें पायदान पर पहुंच गई है। वहीं, सीएसके सातवें स्थान पर है। शीर्ष पर चार अंक और 2.226 के नेट रन रेट के साथ आरसीबी है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की शुरुआत खराब हुई। उन्हें पहला झटका जोफ्रा आर्चर ने पहले ही ओवर में दिया। उन्होंने रचिन रवींद्र को अपना शिकार बनाया। वह खाता भी नहीं खोल सके। इसके बाद मोर्चा

राहुल त्रिपाठी और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 39 गेंदों में 46 रनों की साझेदारी हुई। त्रिपाठी 23 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, गायकवाड़ ने 44 गेंदों में 63 रन बनाए उनके अलावा शिवम दुबे ने 18, विजय शंकर ने नौ, महेंद्र सिंह धोनी ने 16 रन बनाए। रवींद्र जडेजा और जेमी ओवरटन क्रमशः 32 और 11 रन बनाकर नाबाद रहे। इस मुकाबले में राजस्थान के लिए वानिंदु हसरंगा ने चार विकेट झटके। उनके अलावा जोफ्रा आर्चर और संदीप शर्मा ने एक-एक सफलता हासिल की।

इससे पहले, नीतीश राणा की अर्धशतकीय पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स के सामने 183 रन का लक्ष्य रखा। गुवाहाटी में खेले जा रहे इस मैच में राजस्थान ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 182 रन बनाए। नीतीश के अलावा रियान पराग ने 37 रन बनाए। चेन्नई के लिए खलील अहमद, नूर अहमद और मथीशा पथिराना ने दो-दो विकेट चटकाए। वहीं, रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा को एक-एक सफलता मिली।

राजस्थान की शुरुआत झटके के साथ हुई। यशस्वी जायसवाल (4) को खलील अहमद ने पहले ही ओवर में अश्विन के हाथों कैच आउट कराया।

दीपक पूनिया और उदित स्वर्ण पदक से एक कदम दूर, मुकुल-दिनेश कांस्य की दौड़ में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान दीपक पूनिया और उदित अपने पहले एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप खिताब से एक कदम दूर हैं, जबकि दिनेश और मुकुल दहिया कांस्य पदक की दौड़ में शामिल हैं। भारतीय पहलवानों ने इस चैंपियनशिप के अंतिम दिन रविवार को शानदार प्रदर्शन किया है। प्रशंसकों को उम्मीद होगी कि दीपक और उदित स्वर्ण के साथ अपने अभियान का समापन करें।

ईरानी पहलवान से होगा दीपक का सामना

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर सके 25 वर्षीय दीपक ने 92 किग्रा वर्ग में बेकजात राखिमोव के खिलाफ शानदार वापसी की। दीपक को क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान के प्रतिद्वंद्वी से कड़ी टक्कर मिली लेकिन वह 12-7 से जीत दर्ज करने में सफल रहे। इसके बाद दीपक ने सेमीफाइनल में जापान के ताकाशी इशिगुरो को 8-1 से हराया। दीपक फाइनल में विश्व के नंबर एक ईरान के अमीरहुसैन बी फिरोजपोरबांदेपेई से भिड़ेंगे। दीपक ने एशियाई चैंपियनशिप में चार पदक जीते हैं। वह 2021

और 2022 में फाइनल में हार गए थे, जबकि उन्होंने 2019 और 2020 में कांस्य पदक जीते थे।

उदित ने जगाई स्वर्ण की उम्मीद

दूसरी ओर, उदित ने पुरुषों के 61 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाकर स्वर्ण पदक की उम्मीद जगाई। उन्होंने किर्गिस्तान के बेकबोलोट मिर्जानजार उलु को 9-6 से हराने के बाद चीन के वानहाओ झोउ को 2-0 से शिकस्त दी। उदित ने पिछले साल रजत पदक जीता था, लेकिन इस बार उनकी नजरें स्वर्ण जीतने पर होंगी। भारत के एक अन्य पहलवान दहिया ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया और लगातार दो मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

सेमीफाइनल की बाधा नहीं पार कर सके दहिया-दिनेश

सिंगापुर के वेंग लुएन गैरी चाउ को दहिया ने बिना अंक गंवाए तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराने के बाद किर्गिस्तान के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी मुहम्मद अब्दुल्लाव को 3-1 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में दहिया का मुकाबला ईरान के दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अबुलफजल वाई रहमानी फिरौजाई से हुआ। दहिया ने यह मुकाबला तकनीती श्रेष्ठता के आधार पर गंवाया। दिनेश भी हेवीवेट 125 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गए थे जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर चीन के बुहीरदुन हराया था।

विजयी लय बरकरार रखने उतरेगी केकेआर, मुंबई को पहली जीत की तलाश

नई दिल्ली। गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मुंबई इंडियंस के बीच सोमवार को आईपीएल 2025 का मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच रिकॉर्ड को देखें तो मुंबई का पलड़ा भारी है, लेकिन मुंबई को इस सीजन शुरुआती दोनों मैच में हार मिली है जिससे मनोवैज्ञानिक तौर पर केकेआर मजबूत स्थिति में दिख रही है। केकेआर ने आईपीएल के 18वें सत्र की शुरुआत आरसीबी के खिलाफ हार के साथ की थी, लेकिन उसने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स को हराया था।

केकेआर की कोशिश होगी कि वह मुंबई इंडियंस के खिलाफ इस लय को बरकरार रखे। वहीं, अगर केकेआर के खिलाफ वापसी नहीं कर सकी तो वह हार की हैट्रिक लगा लेगी। केकेआर और मुंबई के बीच आईपीएल में अब तक 34 मैच हुए हैं जिसमें से पांच बार की चैंपियन मुंबई ने 23 बार जीत हासिल की है, जबकि कोलकाता की टीम सिर्फ 11 मुकाबले ही जीत सकी है। दोनों के बीच हेड टु हेड रिकॉर्ड में मुंबई अपने प्रतिद्वंद्वी केकेआर से काफी आगे है, लेकिन कोलकाता का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से शानदार चल रहा है। मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल सत्र की शुरुआत लगातार हार के साथ करना कोई नई बात नहीं है। टीम को अब तक चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के खिलाफ दो मैच में हार झेलनी पड़ी है। टूर्नामेंट में हमेशा धीमी शुरुआत करने वाली यह टीम ट्रॉफी जीतने के लिए एकजुट होकर खेलने के लिए जानी जाती है लेकिन अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए मुंबई को अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन और बल्लेबाजों से निरंतरता की आवश्यकता होगी, विशेषकर तब जब उनके पास निचले क्रम में विशेषज्ञ फिनिशर की कमी है।

मुंबई के लिए पूर्व कप्तान रोहित शर्मा फॉर्म चिंता का विषय है। रोहित बल्ले से लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जबकि आक्रामक बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन अपने पहले आईपीएल टूर्नामेंट में भारतीय पिचों पर अभी तक लय हासिल नहीं कर पाए हैं। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने अपनी प्रतिभा की झलक तो दिखाई है लेकिन वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। दूसरी ओर रोहित दोनों मैच में दोहरे अंक में पहुंचने में नाकाम रहे जिसमें एक बार वह खाता भी नहीं खोल पाए।

नए वित्तीय वर्ष में बढ़ेगी अर्थव्यवस्था की रफ्तार रिपोर्ट में दावा- 6.5 फीसदी रहेगी वृद्धि दर

नई दिल्ली। नया वित्तीय वर्ष एक अप्रैल से शुरू हो रहा है। यह साल भारत की अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देगा। ईवाई इकोनॉमी वॉच की रिपोर्ट में कहा गया है कि नए वित्तीय वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है। रिपोर्ट में स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर सरकारी खर्च बढ़ाने पर जोर दिया गया है। संतुलित राजकोषीय रणनीति को मतदीर्घकालिक विकास संभावनाओं को काफी बढ़ा सकती है।

ईवाई इकोनॉमी वॉच के मार्च संस्करण में कहा गया कि वित्त वर्ष 25 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया। जबकि नए वित्तीय वर्ष में 6.5 प्रतिशत से वृद्धि का अनुमान है।

पिछले महीने एनएसओ ने वित्त वर्ष 23 से वित्त वर्ष 25 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत, 9.2 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत का अनुमान लगाया। जबकि वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही की वृद्धि 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछली तिमाही में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि के लिए निजी अंतिम उपभोग व्यय में 9.9 प्रतिशत की वृद्धि की आवश्यकता होगी।

रिपोर्ट में कहा गया कि संशोधित अनुमानों के अनुसार सरकार का राजकोषीय घाटा अनुदान की पूरक मांग से प्रभावित हो सकता है। बढ़ती आबादी और विकसित आर्थिक संरचना के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में अतिरिक्त निवेश दीर्घकालिक विकास को बनाए रखने और मानव पूंजी परिणामों में सुधार करने के लिए आवश्यक हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि अगले दो दशकों में भारत को अपने सामान्य सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य व्यय को धीरे-धीरे बढ़ाने की आवश्यकता होगी। जिससे यह उच्च आय वाले देशों के करीब आ जाएगा।

भारत की युवा आबादी और बढ़ती कार्यबल आवश्यकताओं को देखते हुए सरकार को शिक्षा पर खर्च को वित्त वर्ष 2048 तक जीडीपी के मौजूदा 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत करने की जरूरत होगी। जबकि स्वास्थ्य सेवा पहुंच और परिणाम के लिए सरकारी स्वास्थ्य व्यय को वित्त वर्ष 2048 तक जीडीपी के 3.8 प्रतिशत तक बढ़ाना होगी। इसके लिए अधिक युवा आबादी वाले कम आय वाले राज्यों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा की जरूरतों को पूरा करने के लिए समान हस्तांतरण के माध्यम से अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है।

रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि वित्तीय पुनर्गठन के लिए चरणबद्ध दृष्टिकोण विकास से समझौता किए बिना इन लक्ष्यों को पूरा करने में मदद कर सकता है। समय के साथ राजस्व-जीडीपी अनुपात को 21 प्रतिशत से बढ़ाकर 29 प्रतिशत करने से आवश्यक संसाधन उपलब्ध हो सकते हैं।

ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डीके श्रीवास्तव ने कहा कि भारत की बदलती आयु संरचना से कुल आबादी में कामकाजी उम्र के व्यक्तियों की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है। अगर उन्हें बेहतर रोजगार दिया जाए तो इससे विकास, रोजगार, बचत और निवेश का एक अच्छा चक्र बन सकता है। इसे हासिल करने के लिए भारत को अपने राजस्व-जीडीपी अनुपात को बढ़ाने और स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर सरकारी खर्च का हिस्सा धीरे-धीरे बढ़ाने की आवश्यकता हो सकती है।

अधिक यूएस टैरिफ से भारतीय फार्मा कंपनियों को मार्केट शेयर बढ़ाने में मिलेगी मदद

मुंबई। बढ़ते अमेरिकी टैरिफ से भारतीय फार्मा कंपनियों को मार्केट शेयर बढ़ाने में मदद मिल सकती है। यह जानकारी जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट में दी गई। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट में बताया गया कि भारतीय दवा कंपनियों में बेहतर लागत प्रतिस्पर्धात्मकता के कारण अपने वैश्विक प्रतिस्पर्धियों की कीमत पर बाजार हिस्सेदारी हासिल करने की क्षमता है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि अधिक टैरिफ के कारण इस बात की भी संभावना कम है कि भारतीय फार्मा कंपनियां अपनी मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं को अमेरिका में शिफ्ट करें।

जेपी मॉर्गन ने कहा कि उपभोक्ताओं के लिए दवाइयों की कीमत में वृद्धि और सीमित आपूर्ति के चलते फार्मास्यूटिकल्स पर 25 प्रतिशत या उससे अधिक टैरिफ असंभव है।

रिपोर्ट में बताया गया कि अगर फार्मास्यूटिकल्स पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया जाता है, तो इसका एक बड़ा हिस्सा ग्राहकों को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। इसकी वजह दवाइयों की नियमित मांग बने रहना है। टैरिफ में बढ़ोतरी का बाकी बचा हिस्सा मैन्युफैक्चरर्स और फार्मेसी बेनिफिट मैनेजर्स (पीबीएम) द्वारा वहन किया जाएगा। टैरिफ वृद्धि से दवाओं की लागत बढ़ने की आशंका है और मध्यम अवधि में अमेरिका में मरीजों के लिए बीमा प्रीमियम में भी वृद्धि होगी। ब्रोकरेज ने कहा कि अगर टैरिफ जारी रहता है, तो बड़ी भारतीय फार्मा कंपनियां अपनी बातचीत की शक्ति बढ़ाने के लिए एकजुट हो सकती हैं, लेकिन उनके बाजार से बाहर निकलने की संभावना नहीं है। जेपी मॉर्गन का यह भी मानना है कि बायोसिमिलर को टैरिफ से छूट दी जा सकती है। अमेरिका में इन उत्पादों के लिए सीमित मैन्युफैक्चरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर होने के कारण मांग का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बायोसिमिलर पर टैरिफ लगाने से मरीजों के लिए लागत बढ़ सकती है। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के अलावा, इजराइल और स्विट्जरलैंड से आने वाली जेनेरिक दवाओं पर आयात शुल्क लगाए जाने की संभावना बहुत अधिक है। इसकी वजह इन देशों में टेवा और सैंडोज जैसी दवाओं की बढ़ी मैन्युफैक्चरिंग क्षमताएं होना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ये कंपनियां भारतीय कंपनियों की तुलना में कम लाभ मार्जिन पर काम करती हैं और इसलिए टैरिफ से उन पर अधिक प्रतिकूल प्रभाव पडेगा।

यूपीआई के नए नियम 1 अप्रैल से होंगे लागू, इनएक्टिव मोबाइल नंबर वाले यूजर्स को आ सकती है परेशानी

नई दिल्ली। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने न्यूमेरिक यूपीआई आईडी सॉल्यूशन पर हाल ही में यूपीआई नंबर से जु? भुगतानों के लिए कस्टमर एक्सपीरियंस ब?ाने के उद्देश्य से नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। नए दिशानिर्देश 1 अप्रैल से प्रभावी होंगे।

इन नए दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना यूपीआई मेंबर बैंक, यूपीआई ऐप्स और थर्ड पार्टी प्रोवाइडर के लिए जरूरी होगा। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, इनएक्टिव मोबाइल नंबर से जु?ी यूपीआई आईडी भी इनएक्टिव हो जाएगी। अगर किसी यूपीआई यूजर का बैंक में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर लंबे समय से इनएक्टिव है तो यूजर की यूपीआई आईडी भी अनलिंक हो जाएगी और यूजर यूपीआई सर्विस का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। ऐसे में यूपीआई सर्विस का इस्तेमाल करने वाले हर यूजर को यह सुनिश्चित करने की जरूरत होगी कि उसके बैंक में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर एक्टिव हो।

सही मोबाइल नंबर के साथ बैंक रिकॉर्ड अपडेट रखे जाने पर ही यूपीआई सर्विस का बिना किसी परेशानी के इस्तेमाल किया जा सकेगा। इनएक्टिव या दोबारा असाइन किए गए मोबाइल नंबर को लेकर उनसे जु?ी यूपीआई सर्विस को लेकर परेशानी आ सकती है। टेलीकॉम डिपार्टमेंट के नियमों के अनुसार, डिसकनेक्ट होने पर मोबाइल नंबर 90 दिन बाद एक नए यूजर को असाइन किया जा सकता है। अगर किसी ग्राहक का मोबाइल नंबर कॉल, मैसेज या डेटा के साथ इस्तेमाल न किया जा रहा हो तो ऐसे नंबर को टेलीकॉम प्रोवाइडर्स डिएक्टिवेट कर देते हैं। इन नंबरों को रिसाइकल या चर्न्ड नंबर कहा जाता है। नए दिशा-निर्देशों के तहत यूजर का बैंक-वेरिफाइड मोबाइल नंबर यूजर के यूपीआई आइडेंटिटीफायर के रूप में काम करेगा। जिसके साथ यूजर अलग-अलग यूपीआई ऐप्स का इस्तेमाल कर सकता है।

दूसरी ओर बैंक और यूपीआई एप्लीकेशन को भी अपने मोबाइल नंबर रिकॉर्ड्स को हर हफ्ते अपडेट करने की जरूरत होगी, जिससे रिसाइकिल या मॉडिफाइड नंबर से होने वाली गलतियों से बचा सके। न्यूमेरिक यूपीआई आईडी असाइन करने से पहले एप्लीकेशन को यूजर्स से इजाजत लेने की जरूरत होगी। यूजर्स को इस फीचर के लिए एक्टिवली ऑप्ट इन करना होगा, यह डिफॉल्ट सेटिंग में ऑप्ट आउट है। किसी स्थिति में अगर एनपीसीआई के वेरिफिकेशन में कुछ देरी होती है तो यूपीआई एप्लिकेशन अस्थायी रूप से न्यूमेरिक यूपीआई आईडी से जु?ी समस्याओं को इंटरनली हल कर सकते हैं। इन मामलों का डॉक्यूमेंटेशन किया जाना जरूरी होगा और निरीक्षण उद्देश्यों के तहत हर महीने एनपीसीआई को रिपोर्ट किया जाना जरूरी होगा।

एनएसई ने निफ्टी बैंक और निफ्टी मिड सिलेक्ट के डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट्स में किया बदलाव

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने निफ्टी बैंक और निफ्टी मिड सिलेक्ट के डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट्स के लॉट साइज में बदलाव किया है। एनएसई के फ्यूचर्स और ऑप्शनंस (एफएंडओ) डिपार्टमेंट द्वारा निकाला गया सर्कुलर सेबी के दिशानिर्देशों के अनुरूप जारी किया गया है। नए सर्कुलर में निफ्टी बैंक के मौजूदा लॉट साइज को 30 से ब?ाकर 35 कर दिया गया है। वहीं, निफ्टी मिड सिलेक्ट के एफएंडओ लॉट साइज को ब?ाकर 140 कर दिया गया है, जो कि पहले 120 था।

इसके अलावा एनएसई ने अन्य किसी इंडेक्स के डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट में कोई बदलाव नहीं किया है। निफ्टी 50 के एफएंडओ कॉन्ट्रैक्ट्स का लॉट साइज 75 बना हुआ है। इसके अलावा, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज के लॉट साइज को 65 और निफ्टी नेक्स्ट 50 के लॉट साइज को 25 पर बरकरार रखा गया है। निफ्टी बैंक और निफ्टी मिड सिलेक्ट इंडेक्स के डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट्स में बदलाव मौजूदा मंथली एक्सपायरी कॉन्ट्रैक्ट्स 24 अप्रैल, 2025, 29 मई, 2025 और 26 जून, 2025 से नहीं होगा। बल्कि, यह 31 जुलाई को होने वाली मंथली एक्सपायरी से प्रभावी होगा। इससे पहले, एनएसई ने निफ्टी, बैंक निफ्टी समेत सभी इंडेक्सों की एक्सपायरी %महीने के आखिरी सोमवार' को करने का फैसला लिया था।

एनएसई की ओर से जारी सर्कुलर में कहा गया कि निफ्टी, बैंक निफ्टी, फिननिफ्टी, निफ्टी मिडकैप सिलेक्ट और निफ्टी नेक्स्ट 50 के एफएंडओ कॉन्ट्रैक्ट्स की एक्सपायरी हर महीने के आखिरी सोमवार को होगी। लेकिन भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आदेश के बाद, इस सर्कुलर पर फिलहाल के लिए रोक लगा दी गई है। सेबी के आदेश में कहा गया कि सभी डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट्स की एक्सपायरी मंगलवार और गुरुवार में से किसी एक दिन हो सकती है। सेबी की ओर से यह आदेश ऐसे समय पर दिया गया था, जब एक्सचेंज डेरिवेटिव्स सेगमेंट में अधिक मार्केट शेयर हासिल करने के लिए एक्सपायरी में बदलाव कर रहे थे।

विदेशी बाजारों में दाम मजबूत होने से अधिकांश तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

नई दिल्ली। खाद्यतेलों, खासकर सोयाबीन और सूरजमुखी तेल जैसे सॉफ्ट (नरम) खाद्यतेलों के कम आयात और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव की वजह से आपूर्ति प्रभावित होने से देश के तेल-तिलहन बाजारों में सोयाबीन तेल के साथ बिनौला तेल कीमतों में सुधार देखने को मिला। दूसरी तरफ विदेशों में डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग कमजोर रहने से सोयाबीन तिलहन में गिरावट रही। सामान्य कारोबार के बीच सरसों, मूंगफली तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल कीमतें पूर्व-स्तर पर बंद हुई। बाजार सूत्रों ने कहा कि खपत बढ़ने पर पिछले साल की तरह खाद्यतेलों का आयात भी बढ़ना चाहिए था। नवंबर-दिसंबर, 2022 के दौरान 31,11,669 टन (खाद्य एवं अखाद्य) तेलों का आयात हुआ था जो नवंबर-दिसंबर, 2023 में 21 प्रतिशत घटकर 24,72,276 टन रह गया। पश्चिम एशिया में तनाव की स्थिति की वजह से आपूर्ति प्रभावित होने की भी आशंका है और देश के बंदरगाहों पर सोयाबीन तेल आने में 40-45 दिन लगते हैं। ऐसी परिस्थिति में विदेशों में खाद्यतेलों के दाम मंदा होने के बावजूद देश के बाजारों पर कोई असर नहीं पड़ा। यह दर्शाता है कि आयात कम होने की वजह से देश में खाद्यतेलों का स्टॉक कम है। सूरजमुखी, सोयाबीन जैसे खाद्यतेलों की आपूर्ति कम है। आगे जाड़े के साथ शादी-विवाह के मौसम की मांग भी बढ़ने वाली है। ऐसे में खाद्यतेलों की आपूर्ति की दिक्कत बढ़ सकती है। इस तरफ ध्यान दिए जाने की जरूरत है। यह स्थिति देशी तेल तिलहन का उत्पादन बढ़ाने की भी जरुरत को रेखांकित करता है। देश की एक प्रमुख तेल कंपनी पामोलीन तेल के 770 ग्राम का पाउच (थैली) 85 रुपये के अधिकतम खुदरा मूल्य पर बेच रही है। इसके हिसाब से पामोलीन तेल का भाव 120 रुपये प्रति किलो बैठता है। जबकि पामोलीन का आयात भाव 85 रुपये प्रति किलो ही है। पामोलीन तेल गरीब लोग ज्यादा उपयोग करते हैं और वे इस बढ़ी लागत का बोझ उठाने को मजबूर हो रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि तेल संगठनों को इस पहलू पर ध्यान देना चाहिए। इसके साथ सरकार को भी सिर्फ थोक दाम कम होने पर ध्यान देने के बजाय खुदरा बिक्री मूल्य की भी सुध लेनी होगी। शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन - 5,415-5,465 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली - 6,665-6,740 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,750 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल 2,350-2,625 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 10,025 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 1,710 -1,805 रुपये प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 1,710 -1,810 रुपये प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी - 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल।

सड़क दुर्घटनाओं में दो घायल

हलिया (मिर्जापुर)। जिले के हलिया थाना क्षेत्र के अलग अलग सड़क घटनाओं में दो लोग घायल हो गये। जिन्हे उपचार के लिये भर्ती कराया गया है। ड्रमण्डगंज थाना क्षेत्र के इंद्रवार गांव निवासी 24 वर्षीय बबुलेश बाइक से अपनी माता के साथ दर्शन पूजन करने के लिए आया था की माता को गड़बड़ा धाम में छोड़कर किसी कार्य से गड़बड़ा पुल की तरफ आया था की वापस लौटते समय जैसे ही हलिया ड्रमण्डगंज मार्ग गड़बड़ा मोड़ पर पहुंचा था की गड़बड़ा धाम से दर्शनर्थियों को लेकर जा रहे मैजिक वाहन से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुँचे लोगो ने घायल बाइक सवार युवक को उपचार के लिए पीआरवी 112 के वाहन से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भिजवाया जहां पर चिकित्सक विवेक खरे व फार्मासिस्ट सुभाष पटेल ने घायल बाइक सवार युवक की प्राथमिक उपचार करने के बाद सिर में गंभीर चोट को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया।वहीं दूसरी घटना इसी थाना क्षेत्र के हलिया लालगंज मार्ग मवई कला गांव स्थित एफसीआई गोदाम के पास रविवार को लालगंज की तरफसे आ रहे टीवीएस बाइक सवार नाम पता अज्ञात को हलिया की तरफसे जा रहे बोलोरो ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे बाइक सवार गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया दुर्घटना होते ही लालगंज की तरफसे आ रहे हलिया निवासी बाइक सवार अतुल दुबे वह अमरेश वर्मा ने घायल बाइक सवार युवक को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर गए जहां पर उपस्थित चिकित्सक विवेक खरे द्वारा घायल का प्राथमिक उपचार करने के उपरांत घायल के सिर की गंभीर चोट को देखते हुए बेहतर उपचार हेतु मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। वहीं सूचना पर हलिया पुलिस के उपनिरीक्षक परमात्मा यादव व महेंद्र कुमार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर युवक की पहचान तथा जांच पड़ताल करने में जुट गए। युवक का नाम पता नहीं चल सका है। इस संबंध में चिकित्सक विवेक खरे ने बताया की पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक अज्ञात युवक उपचार के लिए आया था। प्राथमिक उपचार के बाद सिर में गंभीर चोट को देखते हुए मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया है।

नवरात्र का प्रथम दिन : विंध्यधाम में गूंजे मां के जयकारे

मंगला आरती के बाद दर्शन-पूजन का सिलसिला शुरू हुआ

मिर्जापुर। नवरात्र के प्रथम दिन मां विंध्यवासिनी धाम में आस्थावानों की भीड़ भोर से ही कतारबद्ध हो गई थी। मंदिर के कपाट खुलते ही मां के जयकारों के साथ भक्तों ने पूजन-अर्चन किया। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस भी परिसर के आसपास तैनात रही।चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन आस्था धाम विंध्याचल श्रद्धालुओं से पट गया। माता के जयकारे से विंध्य धाम की समस्त गलियां गूंज उठीं। चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन मां विंध्यवासिनी धाम में श्रद्धा का सैलाब उमड़ा। मंगला आरती के बाद से ही दर्शन पूजन के लिए भक्तों का रेला लगा है। मंदिर परिसर में घंट-घड़ियाल के बीच मां के जयकारे गूंज रहे हैं। शनिवार की रात से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ लग गई थी। रविवार की भोर में मंगला आरती के बाद दर्शन-पूजन का सिलसिला शुरू हुआ जो अनवरत जारी है। मंदिर परिसर के बाहर तक लंबी कतारें लगीं रही। गंगा स्नान, ध्यान के पश्चात हाथों में नारियल, चुनरी व माता का प्रसाद लिए मंदिर की ओर जाने वाली गलियों में पहाड़ वाली के जयकारे लगाते श्रद्धालु मंगला आरती के बाद मां विंध्यवासिनी के भव्य स्वरूप के दर्शन के लिए बेताब दिखे। मंदिर परिसर एवं परिक्रमा पथ प्रांगण एक अलग ही छटा बिखेर रही है अलौकिक सजावट विंध्याचल दरबार के साथ ही मां अष्टभुजी देवी व महाकाली मंदिर सहित कई अन्य मंदिरों की फूल, पत्तियों और रंग-बिरंगे झालरों से की गई सजावट अलौकिक छटा बिखेर रही है। सुरक्षा के खास इंतजाम मुख्य सड़कों, गलियों, गंगा घाटों और अष्टभुजा के पहाड़ पर दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो, इसको लेकर जिला प्रशासन सतर्क है। ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जा रही है। एटीएस बल के साथ-साथ पुलिस के जवान सुरक्षा में तैनात हैं। विन्ध्याचल धाम में माँ विन्ध्यवासिनी के दर्शन पूजन हेतु भारी संख्या में आये श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था व सुगम दर्शन हेतु जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा, अपर जिलाधिकारी वित्त व राजस्व शिवप्रताप शुक्ला मेला क्षेत्र में भ्रमण कर डियूटी में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों को चेक कर उत्साहवर्धन करते हुये मुस्तैदी से डियूटी करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

मिर्जापुर : ईदगाह में सात और मकरीखोह मस्जिद में 8.30 बजे ईद की नमाज़

मिर्जापुर। जिले में सोमवार को ईद की नमाज के लिए मुफ्ती ए शहर मौलाना नजम अली ने बताया कि इमामबाड़ा स्थित ईदगाह में सुबह सात बजेसेईद की नमाज पढ़ी जाएगी। वहीं अन्य मस्जिदों मेंअलग-अलग समय पर नमाज अदा की जाएगी। नगर केवासलीगंज मस्जिद व संकटमोचन स्थित मस्जिद मेंसुबह 7.30 बजेनमाज पढ़ी जाएगी। इसके अलावा मकरीखोह मस्जिद मेंसुबह 8.30 बजे ईद की नमाज अदा की जाएगी।

एक लाख से अधिक भक्तों ने मां शीतला के चरणों में मत्था टेका, लगी लम्बी लाइन

हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय विकास खंड के गड़बड़ा धाम में रविवार को चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन माँ शैलपुत्री का दर्शन पूजन कर भक्त निहाल हुए। मंदिर का कपाट खुलते ही भक्तों का ताता लग गया देखते ही देखते लम्बी कतार लग गयी। लगभग एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मां शीतला के चरणों में शीश नवाया है। माँ के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। सेवटी नदी के घाटों पर स्नान के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालु ने मां शीतला के दरबार में माला,फूल, नारियल, चुनरीप्रसाद लेकर मंदिर की तरफ जाने वाली कतार में खड़े हो गए। मंदिर का कपाट खुलते ही कतारों में खड़े भक्त मां की एक झलक पाने के लिए लालाइत रहे। पुरुष महिलाओं की अलग अलग लंबी लाइन लगी रही।भक्त हाथ में नारियल, चुनरी, लाचीदाना, जल, गुडहल के पुष्प माला आदि लिये देवी धाम पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने मां के भव्य स्वरूप के दर्शन कर परिवार में सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की।देवी धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन की तरफ से चाक चौबंद इंतजाम किए गये था। जिसमें प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह ने मंदिर पर भक्तों की भीड देखते हुए पुरुष महिलाओं की लाइन लगावा दिया। मेले में भीड को देखते हुए सेवटी नदी के पूर्व हनुमान मंदिर के पास, सेमरा रोड पर, मडवा रोड पर तीन बैरियर लगा कर बड़ेवाहनो को रोक दिया था।पुजारी मंगलधारी मिश्रा ने बताया कि भोर मंगला आरती के पश्चात से ही मंदिर का पट खोल दिया गया था। लगभग एक लाख से अधिक भक्तों ने माता के दरबार में शीश नवाया है। मंदिर प्रबंधक ज्ञान चंद शुक्ल ने बताया कि सीसी टीवी कैमरे व बीस वालेंटियर्स भक्तों के दर्शन के सहयोग में लगाए गए है।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में 143 का हुआ उपचार

हलिया (मिर्जापुर)। उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में कुल 143 मरीजों का चिकित्सक द्वारा उपचार कर निः शुल्क दवा वितरित किया गया है। नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मतवार में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर कामेश्वर तिवारी के देखरेख में 43मरीजों का उपचार किया गया। इसी प्रकार नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ड्रमण्डगंज में आयोजित जन आरोग्य मेला का आयोजन डॉक्टर बालकृष्ण मिश्रा के देखरेख में 51मरीजों का उपचार किया गया। इसी प्रकार नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरौधा में आयोजित जन आरोग्य मेला का डॉक्टर सुरेश कंनौजिया के देखरेख में 49मरीजों का उपचार किया गया। इस संबंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार ने बताया की नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मतवार, ड्रमण्डगंज, बरौधा में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में 143मरीजों का उपचार किया गया।इस दौरान फार्मासिस्ट मनोज कुमार,संजय श्रीवास्तव,राकेश पटेल, अरविन्द कुमार, स्टॉफनर्स माया आदि मौजूद रहें।

आजमगढ़ निवासी विंध्याचल दर्शन करने निकले दर्शनार्थी की कार में लगी आग, बाल बाल बचे

चुनार(मिर्जापुर)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला रामघाट पर स्विफ्ट कार यूपी 50 सीआर1713 दिन में 11:15 बजे आग लग गई। कार पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। कार के मालिक पंकज कुमार पुत्र रामेश्वर राम निवासी ग्राम नरैथा थाना जहानगंज आजमगढ़ ने बताया कि हम पांच दोस्तों सुजीत कुमार प्रवीण कुमार श्याम नारायण परमानंद सभी गांव निवासी के साथ से सुबह विंध्याचल मां का दर्शन के लिए के लिए वाराणसी होते हुए चुनार पहुंचे चुनार के रामघाट मंदिर के पास गाड़ी खड़ी कर सभी लोग गंगा जी किनारा पहुंच कर हाथ पैर धोकर राम मंदिर पर जाने वाले थे की गाड़ी में आग लग गई। देखते-देखते गाड़ी पूरी तरह से जलने लगी। स्थानीय लोगों ने किसी तरह बुझाने की कोशिश की। स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को फोन किया। 45 मिनट बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी आई। उसके पहले ही स्थानीय लोगों ने नल का पानी लगाकर पाइप द्वारा बुझाने के काफी प्रयास किया। उसके बाद नगर पालिका का टैंकर मंगा कर आग को बुझाया गया। घटनास्थल पर कस्बा चौकी इंचार्ज उदय नारायण मौजूद रहे।

सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र को दिया फ्रिज

हलिया (मिर्जापुर)। क्षेत्र के देवहट ड्रमण्डगंज स्थित सेंट फ्रांसिस स्कूल में रविवार को वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर पुरुस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। पुरुस्कार वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी विमला शंकर त्रिपाठी रहे। छात्र छात्राओ को मुख्य अतिथि द्वारा अपने हाथों से पुरुस्कार वितरण किया है। स्कूल में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर टाप करने वाले छात्र अंकित कुमार कुशवाहा को फ्रिज दिया गया। इसी प्रकार कक्षा में पहला स्थान प्राप्त करने वाले उर्जित कुमार, आकृति कुमारी, प्रखर सिंह, अस्तित्व पटेल, अंकित, अंकित कुमार को रिपोर्ट कार्ड व मेडल पुरुस्कार दिया गया है। स्कूल के संचालक दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा की स्कूल के छात्र एवं छात्राएं इसी तरह से स्थान प्राप्त करते रहे और विद्यालय का नाम रोशन करें। यह विद्यालय के लिए बहुत ही प्रसन्नता का विषय है। स्कूल के प्रधानाचार्य उमर खान ने कहा की बच्चो को यह शिक्षा प्रदान किया गया है कि हमारे छात्र एवं छात्राएं हमेशा लगन एवं निष्ठा के साथ अध्ययन करते रहे जिससे विद्यालय अनवरत क्षेत्र में आगे बढ़ता रहे। मुख्य अतिथि पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी विमला शंकर त्रिपाठी ने कहा कि बच्चो को हमेशा मेहनत करने की प्रेरणा प्रदान किया जिससे ये बच्चे आगे चलकर देश का गौरव बने। पुरुस्कार समापन के बाद विद्यालय के संचालक ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया है। इस दौरान राजकुमार सिंह, डॉ0 कमलेश सिंह, सोनू सिंह, इंदु पटेल, शिव मुनि कुशवाहा सहित शिक्षक अनिरुद्ध सिंह, सभाजीत चतुर्वेदी, रमजान कुरैशी, पंकज द्विवेदी, सुमित केशरी, दिव्या सिंह, सुषमा केशरी आदि मौजूद रहे।

बंजारी जंगल की चौथे दिन बुझी आग वन विभाग ने ली राहत की सांस

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। ड्रमंडगंज वनरेंज के बंजारी कलां जंगल में चार दिनों से लगी आग पर रविवार शाम को वनविभाग की टीम ने काबू पा लिया। जंगल की आग बुझने के बाद वनविभाग की टीम ने राहत की सांस ली। मध्यप्रदेश के जंगलों में लगी आग बढ़ते हुए बंजारी कलां वनक्षेत्र के लावादह और गरियरवा जंगल में बीते गुरुवार की शाम को पहुंच गई थी। शुक्रवार को लावादह और गरियरवा जंगल में लगी आग पर काबू पाया गया तो शनिवार सुबह सुइया जंगल में आग लग गई।सुइया जंगल में लगी आग पर शनिवार देर रात वनविभाग की टीम ने बुझा लिया तो रविवार सुबह तेज हवाओं के चलने से फिर से लावादह जंगल आग की चपेट में आ गया। रेंजर ड्रमंडगंज वीरेंद्र कुमार तिवारी वनदरोगा अभिषेक सिंह, वनरक्षक अनादि नाथ तिवारी सर्वेश्वर पटेल वनविभाग की टीम के साथ आग बुझाने में लगे रहे। रविवार शाम चार बजे जंगल की आग बुझने पर टीम ने राहत की सांस ली। बंजारी जंगल में आग की चपेट में आने से पेड़ पौधे जलकर नष्ट हो गए और वन्यजीवों पर खतरा मंडराने लगा था।आग बुझने पर पहाड़ के नजदीक स्थित बस्ती के ग्रामीणों ने भी राहत की सांस ली। वनदरोगा अभिषेक सिंह ने बताया कि बंजारी कलां जंगल में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। जंगल में आग दोबारा न लगने पाए इसके लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

साइबर ठगी का पैसा कराया वापस

स्वतंत्र भारत मऊ। पुलिस अधीक्षक इलमारन जी केनिर्देशन में रानी पुर साइबर पुलिस ने साइबर फ्राड हुए अठ्ठासी हजार आठ सौ नवासी रु. शुभम दुबे पुत्र विनोद दुबे निवासी काझा थाना रानीपुर मऊ के अकाउन्ट में वापस कराया गया ।उक्त प्रकरण में शुभम दुबे ने बताया की अनजान लिंक पर क्लिक करने पर मोबाइल हैक कर हैकर ने आवेदक के खाते से समस्त धनराशि निकाल लिया जिसकी मोबाइल पर एसएमएस आने पर इसकी जानकारी हुई जिसके सापेक्ष पीड़ित ने तत्काल रानीपुर पुलिस से सम्पर्क किया पीड़ित के आवेदन को साइबर पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए प्रकरण की जांच पड़ताल कर साइबर ठगी का पैसा पीड़ित के खाते में 88,889 रुपये वापस कराया गया।

कुख्यातों की दुनिया से अनुज का अंत गांव के सन्नाटे में पुलिस का पहरा

स्वतंत्र भारत मऊ। मऊ जिले के ग्राम बहलोलपुर निवासी अनुज कन्नौजिया पुत्र हनुमान कन्नौजिया जरायम की दुनिया का ढाई लाख रुपए का इनामिया कुख्यात अपराधी था। जिसके ऊपर तीन जिलों मऊ, आजमगढ़ तथा गाजीपुर में हत्या ,लूट, रंगदारी और गैंगस्टर के कुल 22 मुकदमे दर्ज थे। जो शनिवार की रात को लगभग पौने बारह बजे झारखण्ड के जमशेदपुर में पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। मुठभेड़ में अनुज कन्नौजिया के मारे जाने की सूचना कुछ देर बाद रात को ही जनपद पुलिस को भी मिल गई।उसके बाद स्थानीय पुलिस ने ग्राम बहलोलपुर में उसके घर के आसपास पैनी नजर रखने लगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुज कन्नौजिया दोनों हाथ से एक साथ गोलियां चलाने में माहिर माना जाता था।जिसकी लोकशन पुलिस को उसकी पत्नी रीना राय पर नजर बनाए रखने पर मिली। थाना चिरैयाकोट के प्रभारी निरीक्षक योगेश यादव ने बताया कि अनुज कन्नौजिया के विरुद्ध मऊ जिले के रानीपुर थाना में 5, कोतवाली मऊ में 6 चिरैयाकोट थाना में 5, दक्षिण टोला थाना में 2 तथा गाजीपुर जिले के थाना दुल्लहपुर में 3 एवं आजमगढ़ जिले के तरवां थाना में 1 मुकदमा दर्ज है।

पास्को एक्ट से संबंधित युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत नानपारा बहराइच। तहसील नानपारा क्षेत्र अंतर्गत थाना खैरीघाट क्षेत्र से संबंधित पास्को अभियुक्त को पुलिस ने जेल का रास्ता दिखाया बताते चले अभियुक्त को राजी चौराहा चौराहा से पुलिस ने गिरफ्तार किया है गिरफ्तार युवक सुनील गौतम पुत्र लल्लू गौतम निवासी चमरहिया दाखिला माझा दरिया खुर्द थाना खैरीघाट को गिरफ्तारी टीम खाना खैरी घाट से उप निरीक्षक राम प्रवेश यादव हेड कांस्टेबल दयानंद सिंह ने दबोच लिया विधिक कार्रवाई करते हुए पुलिस ने न्यायालय रवाना कर दिया। अभियुक्त के गिरफ्तारी की सूचना परिजनों को उचित माध्यम से पुलिस द्वारा दे दी गई। पुलिस अधीक्षक बहराइच द्वारा अपराधियों की धर पकड़ कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए दिशा निर्देशों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी के दिशा निर्देशन में पास्को एक्ट के अभियुक्त की गिरफ्तारी पुलिस द्वारा की गई है।

गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर जनपद में कार्यक्रमों की रही धूम

स्वतंत्र भारत मऊ। गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर जिला गंगा समिति, मऊ के तत्वावधान में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के प्रांगण में निर्मल गंगा, समृद्ध भारत विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता और एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं और आमजन को गंगा सहित तमसा, घाघरा, शारदा, यमुना आदि नदियों की स्वच्छता और संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। डायट में आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के 60 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से गंगा को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया। वहीं, संगोष्ठी में नगर पालिका मऊ के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने नगर में चल रहे स्वच्छता अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मऊ नगर पालिका द्वारा सभी वार्डों के घरों में सूखे और गीले कचरे के पृथक्करण के लिए दो अलग-अलग गार्बेज बॉक्स वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने छात्रों से अपील किया कि वे अपने घरों में कचरा अलग-अलग रखें और नगर पालिका की कचरा गाड़ियों में सही तरीके से डालें, जिससे मऊ को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके। इसके अलावा उन्होंने छात्रों को नगर पालिका के कार्यों और जिम्मेदारियों को समझने के लिए भ्रमण का भी आमंत्रण दिया।

बिजेथुआ महावीरन के विकास कार्यों को लेकर परिवहन मंत्री से मिले राज्य सूचना आयुक्त

खेतासराय जौनपुर। प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त व मशहूर कवि एवं लेखक वीरेंद्र सिंह %वत्स% ने शनिवार की देर शाम लखनऊ में परिवहन मंत्री जयवीर सिंह से उनके आवास पर मुलाकात की।राज्य सूचना आयुक्त ने पर्यटन मंत्री को अपना नया काव्य संग्रह 'तू जीत के लिए बना' भेंट किया। उन्होंने प्रसिद्ध, ऐतिहासिक एवं पौराणिक तीर्थ स्थल हनुमान जी की पावन नगरी विजेथुआ महावीरन को पर्यटन विभाग की कार्ययोजना में शामिल करने व पर्यटन स्थल घोषित करने तथा बिजेथुआ धाम को अयोध्या की विकास परियोजनाओं से जोड़ने के लिए उन्हें पत्र सौंपा। परिवहन मंत्री ने कहा कि अप्रैल माह में बिजेथुआ महावीरन को पर्यटन विभाग की कार्ययोजना में शामिल कर लिया जाएगा। राज्य सूचना आयुक्त ने बताया कि सूरापुर स्थित बिजेथुआ धाम का अपना एक अलग पौराणिक महत्व है। उन्होंने कहा कि श्री रामचरितमानस में इसका उल्लेख मिलता है जब हनुमान जी संजीवनी के लिए हिमालय पर्वत जा रहे थे तो रावण के भेजने पर मायावी राक्षस कालनेमि के वेश में हनुमान जी को रोकना चाहा ताकि लक्ष्मण के प्राण पखेरू उड़ जाएं। उन्होंने कहा कि मुनि न होइ यह निश्चर घोरा, मानहु सत्य वचन कपि मोरा÷ का श्री रामचरितमानस में जिक्र है। यह वही स्थल है जहां हनुमान जी ने कालनेमि का वध किया था। इस अवसर पर लम्भुआ सुलतानपुर से विधायक सीताराम वर्मा भी उपस्थित थे।

गिरधारी पहलवान के याद में रामघाट पर विराट कुश्ती दंगल की हुई प्रतियोगिता

स्वतंत्र भारत मऊ। स्वर्गीय श्री गिरधारी पहलवान कुश्ती अकादमी सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में रविवार को शिव मंदिर रामघाट पर विराट कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस कुश्ती दंगल में आजमगढ़ मऊ बलिया गोरखपुर बस्ती गाज़ीपुर वाराणसी महाराजगंज जनपद के पहलवान ने भाग लिया इस कुश्ती में लगभग 24 जोड़ी पहलवानों ने अपने दावआजमाएं जबकि अनुराग पहलवान मऊ तथा समीर पहलवान आजमगढ़ के बीच हुए 4 मिनट की कुश्ती में 3 मिनट में ही अनुराग पहलवान ने आजमगढ़ पहलवान समीर को पटकनी दी इस प्रकार लाल पहलवान गाज़ीपुर एवं बृजेश पहलवान मऊ के बीच भी कुश्ती हुई हो रहे इस कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का उद्घाटन मुबारकपुर आजमगढ़ के क्षेत्रीय विधायक अखिलेश यादव ने पहलवानों को हाथ मिलाकर इस कुश्ती का शुभारंभ किया इस मौके पर हवलदार पहलवान अजय पहलवान प्रिंस गुप्ता नितेश कुमार समेत क्षेत्र के तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

महिला झुलसी

हलिया, मीरजापुर। हलिया थाना क्षेत्र के मतवार गांव में शनिवार को मिट्टी के चूल्हे पर कुकर में दाल बनाते समय कुकर का ढक्कन फटने से भोजन बना रही महिला झुलसकर गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने एंबुलेंस से महिला को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर पहुंचे जहां पर मौजूद चिकित्सक द्वारा महिला का प्राथमिक उपचार के बाद मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया है। हलिया थाना क्षेत्र के मतवार गांव निवासी रविन्द्र पाल की पत्नी आंचल पाल (20) करीब 11बजे घर में बने मिट्टी के चूल्हे पर कुकर मे दाल बना रही थी। उसी दौरान कुकर में तेज धमाका होने से कुकर का ढक्कन ऊपर की ओर उड़ गया जिससे पास में बैठी भोजन बना रही गृहणी गंभीर रूप से झुलसकर घायल हो गई।महिला की चीख पुकार सुनकर घर में मौजूद पति रविंद्र मौके पर पहुंच कर महिला को उठाते हुए एंबुलेंस सेवा पर फोन किया।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत
एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**
स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***
फोन : 0522-4043151
swatantrabharat77@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

आरएनआई रजि. नं 2012/57 डाक पंजीयन सं. एस.एस.पी./एल.डब्ल्यू./एन.पी./313/2012-14

मोदी ने किया आरएसएस मुख्यालय का दौरा

संघ के संस्थापकों को दी श्रद्धांजलि

नागपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागपुर स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और इसके दूसरे सरसंघचालक एम एस गोलवलकर को समर्पित स्मारकों पर रविवार को पुष्पांजलि अर्पित की। आरएसएस के प्रशासनिक मुख्यालय रेशिमबाग स्थित स्मृति मंदिर में मोदी के साथ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, संघ के पूर्व महासचिव सुरेश भैयाजी जोशी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मौजूद थे। उन्होंने स्मारक स्थित स्मृति भवन में आरएसएस के पदाधिकारियों से भी मुलाकात की और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। मोदी ने स्मृति मंदिर में एक संदेश पुस्तिका पर लिखा कि ये स्मारक भारतीय संस्कृति, राष्ट्रवाद और संगठन के मूल्यों को समर्पित हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में लिखा, 'आरएसएस के दो मजबूत स्तंभों का स्मारक उन लाखों स्वयंसेवकों के लिए प्रेरणा है जिन्होंने राष्ट्र की सेवा के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया है।' उन्होंने कहा, 'मैं स्मृति मंदिर में आकर अभिभूत हूं। यह स्थल परम पूज्य डॉ. हेडगेवार और पूज्य गुरुजी की यादों को संजोए हुए है।' मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार इस स्मारक का दौरा किया है। इससे पहले, भाजपा के वरिष्ठ नेता दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी ने 27 अगस्त 2000 को डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर का दौरा किया था। उस समय वह प्रधानमंत्री थे। मोदी ऐसे समय स्मृति मंदिर पहुंचे जब रविवार को संघ का प्रतिपदा कार्यक्रम है जो हिंदू नववर्ष की शुरुआत के उपलक्ष्य में गुड़ी पड़वा के अवसर पर मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने रविवार को नागपुर में दीक्षाभूमि का भी दौरा किया और डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। दीक्षाभूमि पर डॉ. भीमराव आंबेडकर ने 1956 में अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। इससे पहले, मोदी के यहां हवाई अड्डा पहुंचने पर मुख्यमंत्री फडणवीस, केंद्रीय मंत्री गडकरी और भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने उनका स्वागत किया।

अब एलन मस्क के इस्तीफे की अटकलें ऑस्ट्रेलिया से यूरोप तक प्रदर्शन

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार में एलन मस्क के दखल के खिलाफ दुनियाभर में गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है। सैकड़ों टेस्ला शोरूम के बाहर लोगों ने बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शन किया। लोगों का आरोप है कि अमेरिकी सरकार के संवेदनशील डाटा तक एलन मस्क की पहुंच बेहद खतरनाक है। प्रदर्शनकारी ट्रंप प्रशासन में मस्क की भूमिका का विरोध कर रहे हैं। इस बीच खबर आ रही है कि एलन मस्क मई के अंत तक दक्षता विभाग के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे सकते हैं।

अमेरिका समेत यूरोप के कई देशों में लोगों ने टेस्ला शोरूम के बाहर रैली निकाली। लोगों का आरोप है कि एलन मस्क अमेरिकी सरकार को खत्म करने में जुटे हैं। प्रदर्शनकारियों ने लोगों से तीन बड़ी अपील की हैं कि टेस्ला की कारें न खरीदें, टेस्ला का स्टॉक बेच दें और टेस्ला टेकडाउन आंदोलन में हिस्सा लें। अमेरिका में 277 टेस्ला शोरूम के बाहर रैली निकाली गई।वहीं दुनियाभर में 200 से अधिक स्थानों पर प्रदर्शन देखने को मिले। यह प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया से यूके तक फैले हैं। शनिवार को जर्मनी, फ्रांस, नीदरलैंड, फिनलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, न्यूजीलैंड, यूके और ऑस्ट्रेलिया में लोगों ने एलन मस्क और टेस्ला के खिलाफ प्रदर्शन किया और जमकर भड़ास निकाली।

सीरिया में कार्यवाहक सरकार का गठन

दमिश्क। सीरिया में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद के तख्तापलट के 4 महीने बाद कार्यवाहक सरकार का गठन किया गया है। अंतरिम राष्ट्रपति अल जुलानी ने 23 मंत्रियों को

कोई प्रधानमंत्री नहीं

सरकार में नियुक्त किया है। अंतरिम राष्ट्रपति अल जुलानी ने जुलानी इसकी घोषणा की। मंत्रिमंडल में एक ईसाई महिला को भी शामिल किया गया है। खुफिया विभाग के चीफ अनस खत्ताब को देश को नया गृहमंत्री बनाया गया है। इसके अलावा भी कई नए चेहरे सरकार में शामिल किए गए हैं। सरकार में प्रधानमंत्री का पद नहीं रखा गया है। इसकी जगह राष्ट्रपति जुलानी एक महासचिव नियुक्त करेंगे। यह कार्यवाहक सरकार अगले पांच वर्षों तक सत्ता में रहेगी। इस दौरान एक स्थायी संविधान को अपनाया जाएगा और चुनाव कराए जाएंगे। अंतरिम राष्ट्रपति अल जुलानी ने दिसंबर में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद का तख्तापलट किया था। जुलानी के नेतृत्व वाले [illegible] संगठन ने सरकार के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह शुरू किया था। कुछ दिनों में विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया था। इसके साथ ही असद खानदान की 54 पुरानी हुकूमत खत्म हो गई थी। तत्कालीन राष्ट्रपति बशर अल असद ने भागकर मॉस्को में शरण ली थी। जुलानी को अहमद अल-शरा नाम से भी जाना जाता है। उसने साल 2000 में उन्होंने मेडिकल कॉलेज में दाखिला लिया। एक लिबरल इस्लाम वाले माहौल में पला-बढ़ा जुलानी जब कॉलेज पहुंचा तो उसका सामना कट्टर इस्लाम वाली विचारधारा रखने वाले लोगों से हुआ।

नेपाल हिंसा के पूर्व राजा की सुरक्षा घटाई

काठमांडू। हिंसक प्रदर्शन के बाद नेपाल सरकार ने देश के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की सुरक्षा घटा दी है। नेपाल में राजशाही का समर्थन वाले लोगों का प्रदर्शन शुक्रवार को हिंसक

हिंसक प्रदर्शनों में हुए नुकसान की वसूली भी होगी

ज्ञानेंद्र शाह की गतिविधियों पर सरकार की निगाहें टिकीं

हो गया था। प्रदर्शन के दौरान पथराव, एक पार्टी के कार्यालय पर हमला, दुकानों में लूटपाट और वाहनों में आग लगाने की घटनाओं को अंजाम दिया गया। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह अपने निजी घर निर्मल निवास में रहते हैं। यहां पहले 25 सुरक्षा कर्मियों की तैनाती होती थी। मगर शुक्रवार की हिंसा के बाद यह संख्या घटाकर 16 कर दी गई है। राजशाही के समर्थक नेपाल को दोबारा हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग उठा रहे हैं। हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई भी पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह से होगी। इस संबंध में काठमांडू नगर पालिका ने एक नोटिस जारी किया है। काठमांडू नगर निगम ने पूर्व राजा को सात लाख नेपाली रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। पूर्व राजा को यह रकम जल्द भरने को कहा गया है। शुक्रवार को प्रदर्शनकारियों ने व्यापारिक परिसरों, रेस्तरां, अस्पतालों, निजी व सरकारी भवनों समेत एक दर्जन से अधिक संपत्तियों में तोड़फोड़ की। सुरक्षाकर्मियों और राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में एक टीवी कैमरामैन समेत दो लोगों की जान गई है। वहीं 110 अन्य लोग घायल हुए हैं। नेपाल के गृह मंत्रालय के सूत्रों ने जानकारी दी है कि पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह की सुरक्षा में तैनात टीम में भी बदलाव किया गया है। ज्ञानेंद्र शाह की गतिविधियों पर भी सरकार ने निगरानी कड़ी कर दी है। नेपाली कांग्रेस ने कहा कि शुक्रवार की हिंसक घटनाओं का जिम्मेदार ज्ञानेंद्र शाह को ठहराया जाना चाहिए।

हमास समर्थकों को अमेरिका छोड़ने का फरमान

वॉशिंगटन। अमेरिका में पढ़ रहे सैकड़ों अंतरराष्ट्रीय छात्रों को अमेरिकी विदेश विभाग ने ईमेल भेजकर देश छोड़ने का फरमान सुनाया है। हमास

अमेरिकी विदेश विभाग ने भेजा ईमेल

या अन्य आतंकी संगठनों का समर्थन करने वाले इन छात्रों से खुद को निर्वासित करने के लिए कहा गया है, क्योंकि कैंपस में सक्रियता के कारण उनका एफ-1 वीजा (छात्र वीजा) रद कर दिया गया है। यह कार्रवाई केवल उन छात्रों तक ही सीमित नहीं है, जिन्होंने कैंपस एक्टिविज्म में सक्रिय रूप से भाग लिया था। उन लोगों को भी निशाना बनाया गया है, जिन्होंने राष्ट्र-विरोधी पोस्ट को शेयर या लाइक किया था। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने हाल ही में एक एआइ-संचालित एप कैच एंड रिवोक भी लांच किया है, ताकि हमास या अन्य नामित आतंकी संगठनों का समर्थन करने वाले छात्रों का पता लगाकर उनका वीजा रद किया जा सके। विदेश विभाग नए छात्र आवेदनों की भी जांच कर रहा है, चाहे वह अकादमिक अध्ययन वीजा, व्यावसायिक अध्ययन वीजा या एक्सचेंज वीजा के लिए हो। दोषी पाए जाने पर आवेदकों को अमेरिका में अध्ययन करने का अवसर नहीं दिया जाएगा।

हमास की मंजूरी, इजरायल का नया प्रस्ताव

गाजा में युद्धविराम के भविष्य को लेकर दुविधा

गाजा सिटी। हमास ने गाजा पट्टी में इजरायल के साथ युद्धविराम प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। हमास की तरफ से कहा गया है कि उसने मध्यस्थों मिस्र और कतर द्वारा प्रस्तावित युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है लेकिन दुविधा तब पैदा हो गई जब इजरायल की तरफ से कहा गया कि उसने अमेरिका के साथ मिलकर एक नया प्रस्ताव तैयार किया है। इसमें इजरायल की तरफ से रिहा होने वाले बंधकों की संख्या में बदलाव किया गया है। गाजा में युद्धविराम के लिए मिस्र और कतर पिछले कुछ समय से लगातार प्रयास करने में लगे हुए हैं। इसी के तहत उन्होंने हमास के सामने एक प्रस्ताव रखा था। मिस्र के एक अधिकारी ने बताया कि इस समझौते के तहत हमास एक अमेरिकी-इजराइली समेत पांच जीवित बंधकों को रिहा करेगा जिसके बदले में इजराइल गाजा में मानवीय सहायता को पहुंचने देगा और एक सप्ताह के लिए युद्ध रोकने पर सहमत होगा। साथ ही, इजराइल सैकड़ों फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। गाजा में हमास के नेता खलील अल-हय्या ने इसे स्वीकार करने की घोषणा की लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि इस घोषणा से पहले प्रस्ताव में बदलाव किया गया था या नहीं। इजरायल की तरफ से पेश किए गए नए प्रस्ताव पर कोई ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है लेकिन पीएम नेतन्याहू ने कहा कि यह प्रस्ताव शुक्रवार को हुई चर्चा के बाद सामने आया है। इससे पहले इजरायल ने करीब दस दिन पहले हमास पर बंधकों को न छोड़ने का आरोप लगाते हुए सीजफायर तोड़कर हमला कर दिया था। इन हमलों में सैकड़ों लोग मारे गए थे। व्हाइट हाउस की तरफ से इजरायल को भड़काने के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया गया था।

बांग्लादेश : यूनुस सरकार को अब खालिदा जिया की चुनौती

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी ने अंतरिम सरकार में किए जा रहे सुधारों की वैधता पर सवाल उठाए। वहीं, छात्रों के नेतृत्व वाले दल एनसीपी ने आरोप लगाया कि कुछ दल तत्काल चुनाव कराने के लिए सुधार की प्रक्रिया को नजरअंदाज करने का प्रयास कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के प्रवक्ता अमीर खासरू महमूद चौधरी ने चटगांव में पार्ट के एक कार्यक्रम के दौरान कहा, माफ कीजिए, यह (सुधार) आपका काम नहीं है। चौधरी ने आरोप लगाया कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की उसी नीति को दोहरा रही है, जिसने विकास के नाम पर निष्पक्ष चुनावों से जनता को वंचित कर दिया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार भी सुधारों के नाम पर उसी रास्ते पर चल रही है। चौधरी ने कहा कि जनता की आजादी सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका निष्पक्ष चुनाव है, लेकिन सुधारों के बहाने इस प्रक्रिया को लंबा खींचा जा रहा है। बीएनपी इस समय बांग्लादेश की प्रमुख सियासी पार्टी है, क्योंकि पांच अगस्त 2024 को हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद अधिकांश नेता जेल में हैं या फरार हैं या देश छोड़कर चले गए हैं। शेख हसीना तब से भारत में ही रह रही हैं।

ड्राइविंग में भारत दुनिया का पांचवां सबसे खतरनाक देश

जोहानिसबर्ग। गाड़ी चलाने के लिहाज से दक्षिण अफ्रीका दुनिया का सबसे खतरनाक देश है। इस सूची में भारत पांचवें पायदान पर है। एक शोध

पहले नंबर पर है दक्षिण अफ्रीका

के मुताबिक, यूरोपीय देश नार्वे गाड़ी चलाने के लिए सबसे सुरक्षित है। अमेरिकी ड्राइवर प्रशिक्षण कंपनी जुटोबी ने 53 देशों में किए गए शोध के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है। इस सूची में भारत 49वें स्थान पर है, जबकि अमेरिका तीसरे (51वें) पायदान पर है। लगातार चौथे साल नार्वे पहले पायदान पर है, उसे गाड़ी चलाने के लिए सबसे सुरक्षित देश माना गया। वहीं, दक्षिण अफ्रीका लगातार दूसरे साल सबसे निचले पायदान पर रहा। जुटोबी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि शोध में उसने हाईवे पर गति सीमा, ड्राइवरों के लिए रक्त में अल्कोहल की मात्रा की सीमा और सड़क यातायात मृत्यु दर जैसे संकेतकों के आधार पर देशों का विश्लेषण किया। ताकि वाहन चलाने के लिए दुनिया के सबसे सुरक्षित और सबसे खतरनाक देशों का निर्धारण किया जा सके। सभी देशों में प्रति एक लाख पर अनुमानित सड़क हादसों में मौतों की औसत संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 8.9 से घटकर 6.3 हो गई है। जबकि हर देश में राष्ट्रीय गति सीमा और रक्त अल्कोहल सांद्रता सीमा में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

इजरायली हमले नहीं रुके तो विकल्पों पर विचार

बेरूत। हिजबुल्लाह ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर इजरायल के हमले जारी रहे और लेबनान की सरकार इन्हें रोकने में विफल रही तो

हिजबुल्लाह ने दी चेतावनी

चरमपंथी संगठन दूसरे विकल्प अपनाने पर मजबूर होगा। संगठन के उप प्रमुख नईम कासेम की यह टिप्पणी तब आई, जब इजरायल ने नवंबर में हुए संघर्षविराम के बाद पहली बार लेबनान की राजधानी बेरूत पर हमला किया। उससे कुछ घंटे पहले लेबनान से इजरायल की ओर दो रॉकेट दागे गए थे। हालांकि, हिजबुल्ला ने इन रॉकेट हमलों में संलिप्तता से इनकार किया। इजरायली अधिकारियों की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। नईम कासिम शुक्रवार को यरूशलम दिवस (अल-कुद्स दिवस) के मौके पर भाषण देने वाले थे, जो आमतौर पर रमजान के अंतिम शुक्रवार को मनाया जाता है। लेकिन इजरायली हमलों के कारण इसे टाल दिया गया। यरूशलम दिवस 1979 में ईरान के पहले सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रुहोल्लाह खुमैनी ने शुरू किया था। इस दिन ईरान और उसके सहयोगी फलस्तीनियों के समर्थ में रैलियां निकालते हैं और इजरायल का विरोध करते हैं। इजरायल-हिजबुल्ला का युद्ध 14 महीने तक चला था। अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम के तहत युद्ध को समाप्त किया गया था।

एक नज़र

पाकिस्तानी सेना के हमलों में 12 आतंकवादी मारे गए

पेशावर। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा देश के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों के एक ठिकाने पर किए गए ड्रोन हमलों में 12 आतंकवादियों और 'कुछ आम नागरिकों' की मौत हो गई। प्रांतीय सरकार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 'आतंकवाद के खिलाफ अभियान' के तहत मरदान जिले में कटलांग के सुदूर पहाड़ी क्षेत्र में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया गया। सरकार ने इन हमलों में आम नागरिकों के हताहत होने की पुष्टि की और संकेत दिया कि इनमें महिलाएं एवं बच्चे भी शामिल हो सकते हैं। आधिकारिक रिपोर्ट में बताया गया कि अभियान के दौरान 12 आतंकवादी मारे गए। शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि यह अभियान आतंकवादियों के ठिकाने संबंधी 'विश्वसनीय खुफिया जानकारी' मिलने के बाद चलाया गया। इसमें कहा गया कि क्षेत्र में जारी आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े कई आतंकवादी इस अभियान के दौरान मारे गए।

आंध्र : घर में मिले परिवार के चार सदस्यों के शव

मदाकासिरा। आंध्र प्रदेश के श्री साई जिले में एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव अपने ही घर में मिले। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में इस बात के संदेह हैं कि परिवार के इस संदिग्ध आत्महत्या का कारण आर्थिक तंगी और अंदरूनी पारिवारिक विवाद हो सकता है। मृतकों की पहचान मदकासिरा के गांधी बाजार इलाके में सोने की दुकान के मालिक कृष्ण चारी, उनकी पत्नी सरला और उनके दो बेटों के रूप में हुई है। समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए बताया कि परिवार ने साइनाइड का सेवन किया, जो उन्हें सुनार के तौर पर उपलब्ध था। बताया जा रहा है कि तीन भाइयों में सबसे सबसे बड़े चारी कर्ज में डूबे हुए थे और कथित तौर पर अपने भाई-बहनों की आर्थिक सफलता से ईर्ष्या करते थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि चारी के पिता ने सबसे पहले शवों को देखा।

तालिबान की कैद से अमेरिकी महिला रिहा

वॉशिंगटन। बीते दिनों फरवरी से अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा हिरासत में ली गई अमेरिकी महिला फेय हॉल को रिहा कर दिया गया है। रिहाई के समय फेय हॉल की सेहत अच्छी बताई जा रही है। तालिबान ने हॉल को बिना अनुमति ड्रोन चलाने के आरोप में हिरासत में लिया था। सूत्रों के अनुसार, फेय हॉल को गुरुवार को कतर की मदद से रिहा किया गया। उसे काबुल में कतरी दूतावास में सुरक्षित रखा गया। तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान में अमेरिकी दूतावास बंद हो चुका है। इसलिए हॉल की गिरफ्तारी के बाद कतर ने आगे की भूमिका निभाते हुए रिहाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

ऑटिज्म पीड़ित छात्र से मारपीट में शिक्षक गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 55 स्थित एक निजी स्कूल के शिक्षक ने ऑटिज्म से पीड़ति 10 वर्षीय लड़के के साथ कथित तौर पर मारपीट की। इस घटना का कथित वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ। लड़के के परिवार की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया और स्कूल को सील कर दिया गया। लड़के के परिवार को मारपीट की इस घटना के बारे में तब पता चला जब शुक्रवार को इसका वीडियो गलती से माता-पिता और स्कूल अधिकारियों के व्हाट्सऐप समूह पर साझा हो गया। यह घटना बुधवार को हुई थी।

अमेरिकी भूविज्ञानी ने किया दावा, 300 से अधिक परमाणु बमों के बराबर थी म्यांमार में आए भूकंप की ऊर्जा

न्यूयार्क। म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप में एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई है और देश में कई इमारतें नष्ट हो गई हैं। इस बीच, अमेरिका के एक प्रमुख भूविज्ञानी ने कहा है कि म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के घातक भूकंप की ऊर्जा 300 से अधिक परमाणु बमों के बराबर थी। भूविज्ञानी जेस फीनिक्स ने सीएनएन को बताया, 'ऐसे भूकंप से निकलने वाली शक्ति करीब 334 परमाणु बमों के बराबर होती है।' उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि ये झटके महीनों तक रह सकते हैं। भूविज्ञानी ने बताया कि ऐसा इसलिए है क्योंकि भारतीय टेक्टोनिक प्लेट म्यांमार के नीचे यूरेशियन प्लेट से टकराती रहती है। फीनिक्स ने कहा कि आपदा की पूरी गंभीरता को समझने में कुछ बाधाएं हो सकती हैं। उन्होंने कहा, म्यांमार में चल रहा गृहयुद्ध और संचार व्यवस्था में व्यवधान के कारण बाहरी दुनिया भूकंप के पूरे प्रभाव को समझ नहीं पा रही है। भारत ने म्यांमार की मदद के लिए आगे आकर ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया है। इस ऑपरेशन के तहत भारत ने म्यांमार को कंबल, तिरपाल, स्वच्छता किट, स्लीपिंग बैग, सोलर लैंप, खाने के पैकेट और रसोई सेट जैसी ज़रूरी आपूर्ति भेजी है और अपने पड़ोसी देश में एक मेडिकल यूनिट के साथ-साथ खोज और बचाव दल भी तैनात किया है।

अप्रैल फूल्स डे पर शरारतों की मस्ती बनाए रखें!

'फर्स्ट अप्रैल' यानी अप्रैल फूल डे... एक ऐसा दिन जो पूरी तरह मस्ती, मज़ाक और शरारती ट्रिक्स के नाम होता है। सदियों से इसे हर संस्कृति में हंसी-मज़ाक और हल्की-फुल्की शरारतों के ज़रिए मनाया जाता रहा है। ज़ी टीवी के कुछ सबसे चहेते सितारों ने अपने सबसे यादगार अप्रैल फूल डे प्रैंक्स के किस्से शेयर किये। 'भाग्य लक्ष्मी' में लक्ष्मी का किरदार निभा रहीं ऐश्वर्या खरे ने कहा, ''अप्रैल फूल्स डे वो दिन होता है, जब अपने सबसे करीबी दोस्त पर भी भरोसा नहीं किया जा सकता! अप्रैल फूल्स डे की सबसे अच्छी बात यही है कि यह सिर्फमस्ती और मज़ाक का दिन होता है, जो हमें और करीब लाता है।' 'कैसे मुझे तुम मिल गए' में मानवी का किरदार निभा रहीं आकांक्षा चमोला ने कहा, ''अप्रैल फूल्स डे आते ही मैं आसपास के हर इंसान पर शक करने लगती हूं! मैंने एक बात समझी है कि सबसे बेहतरीन शरारतें तभी होती हैं, जब कोई उनकी उम्मीद ही न करे! इसलिए मैं अप्रैल फूल्स डे से पहले या बाद में शरारतें करने में यकीन रखती हूं। अंत में, सबका मकसद बस हंसी और खुशी फैलाना ही होता है। तो खूब हंसिए, थोड़ा शरारती बनिए और एक शानदार अप्रैल फूल्स डे का मज़ा लीजिए!''जागृति - एक नई सुबह' में कालीकांत का किरदार निभा रहे आर्य बब्बर ने कहा, ''प्रैंकिंग तो मेरे खून में बसी है! सच कहूं तो अप्रैल फूल डे तो बस एक बहाना है, मैं तो साल भर यही करता हूं! ऑन-स्क्रीन भले ही मैं बेरहम कालीकांत का रोल निभा रहा हूं, लेकिन ऑफ-स्क्रीन मेरी ज़िंदगी मस्ती और हंसी-मज़ाक के लिए बनी है! 'कुमकुम भाग्य' में रौनक का किरदार निभा रहे अक्षय देव बिंद्रा ने कहा, ''मैं बचपन से ही शरारती रहा हूं! स्कूल के दिनों में मैं वही बच्चा था, जो दोस्तों की पीठ पर 'किक मी' वाले नोट्स चिपकाता था या फिर व्हाइटबोर्ड के मार्कर को इनविज़िबल इंक से बदल देता था। इस अप्रैल फूल्स डे पर आइए, शरारतों की मस्ती बनाए रखें और हंसते-हंसाते रहें! 'जाने अनजाने हम मिले' में राघव का किरदार निभा रहे भरत अहलावत ने कहा, ''हमारे सेट पर तो हर दिन अप्रैल फूल्स डे जैसा ही लगता है, क्योंकि हर वक्त कोई न कोई शरारत होती रहती है! मुझे दूसरों से प्रैंक करना पसंद है, लेकिन खुद भी कई बार शिकार बन चुका हूं। इस 1 अप्रैल को सरप्राइज़ का मज़ा लीजिए, हंसते-हंसाते रहिए और हां, सतर्क भी रहिए! ''वसुधा' में वसुधा का किरदार निभा रहीं प्रिया ठाकुर ने कहा, ''अप्रैल फूल्स डे मेरे लिए सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि एक परंपरा है - या यूं कहें, शरारतों का त्यौहार! बचपन से ही मैं और मेरे दोस्त हल्की-फुल्की, लेकिन बेहद चालाक शरारतें करते आए हैं... कभी चीनी की जगह नमक डालना, तो कभी कोई अनोखा सरप्राइज़ प्लान करना।''

छोटा पर्दा

विभाजक ताकतों को सफल नहीं होने देंगे : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस उन लोगों को नहीं बख्शेगी जो विभाजनकारी एजेंडे के साथ चुनाव जीतने की कोशिश करते हैं। रमजान के मौके पर अपने विधानसभा क्षेत्र कोडंगल में आयोजित इफ्तार में उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान नफरत के बाजार' में 'मोहब्बत की दुकान' खोलने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, कुछ लोग चुनाव जीतने के लिए इस देश में लोगों को बांटकर राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव जीतना गलत नहीं है। लेकिन, कुछ लोग चुनाव जीतने के लिए लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। यह गलत है। कांग्रेस पार्टी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे (कांग्रेस अध्यक्ष) या आपका भाई रेवंत रेड्डी उन्हें सफल नहीं होने देंगे।

बाजार दर्पण